बालाघाट
शुक्रवार 20 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 08 विक्रम संवत 2083
वर्ष 17, अंक 58
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 82,532.19
निफ्टी - 25,387.40
सोना - 1,40,912
चांदी - 1,85,000
डॉलर - 93.46

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

14 दिन जेल में रहेगा सौरभ चंद्राकर

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप केस के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को आज रायपुर के पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। जांच एजेंसी ईडी ने दोबारा रिमांड नहीं मांगी। कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। सौरभ चंद्राकर 2 दिसंबर तक जेल में रहेगा। वहीं, इस मामले में फरार चल रहे शुभम सोनी के खिलाफ ईडी की स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को गैर-जमानती वारंट जारी किया है। शुभम सोनी नवंबर 2023 में एक चीट्ठियां जारी कर चर्चा में आया था। उसने खुद को महादेव ऐप का असली मालिक बताया था। उसका दावा था कि साल 2021 में भिलाई में इस ऐप की शुरुआत की गई थी। उसने यह भी आरोप लगाया था कि तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कहने पर वह दुबई गया था और प्रोटेक्शन मनी के रूप में 508 करोड़ रुपए पहुंचाए गए थे। हालांकि, ये शुभम सोनी की ओर से लगाए गए आरोप थे।

सलमान की मातृभूमि को सेंसर बोर्ड से मंजूरी

मुंबई। सलमान खान की लंबे समय से अटकी फिल्म मातृभूमि: में वॉर रेस्ट इन पीस को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। फिल्म को यूए16+ रेटिंग दी गई। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के मुंबई रीजनल ऑफिस ने सर्टिफिकेट जारी किया। फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सलमान के साथ चिरंजीवा सिंह मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इसकी कहानी देश की रक्षा और परिवार की संभालने के बीच जूझते एक सैनिक की है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की वेबसाइट के मुताबिक, मातृभूमि की अवधि 2 घंटे 34 मिनट और 12 सेकंड है। फिल्म को हिंदी भाषा की कैटेगरी में सर्टिफिकेट मिला है।

सैफ अली को जान से मारने की धमकी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के चर्चित आरोपी जीशान अख्तर का नाम सामने आया है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के अनुसार, बताया जा रहा है कि जीशान अख्तर ने सैफ अली खान को धमकी दी है। हालांकि, पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है कि धमकी उसी ने दी है या किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका नाम इस्तेमाल किया। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि धमकी के पीछे किसी गैंग का हाथ है या कोई शख्स फर्जी पहचान से डर फैला रहा है। फिलहाल, धमकी देने वाले की आधिकारिक पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में चर्चित जीशान अख्तर को लेकर पुलिस पहले से सतर्क है। पिछले साल सैफ अली खान पर 15 जनवरी को उनके घर सतगुरु शरण अपार्टमेंट में घुसकर चाकू से हमला हुआ था।

पीएम मोदी का राहुल गांधी को जबाव...

भारत की संस्कृति 'खाओ, पियो और मौज करो' की नहीं

कांग्रेस शासनकाल में भारत को 'फैजाइल फाइव' अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में देश को सामाजिक अनुशासन और आर्थिक प्रगति का दोहरा संदेश दिया। एक ओर उन्होंने मंत्रिपरिषद की बैठक में नागरिकों को बचत, संयम और नशामुक्ति का मंत्र दिया, वहीं एफआईसीसीआई के शताब्दी समारोह में भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियां बताकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों का करारा जवाब भी दिया। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत की संस्कृति 'खाओ, पियो और मौज करो' की नहीं, बल्कि बचत, अनुशासन और भविष्य के लिए संसाधन जुटाने की रही है।



फिलीपींस से लौटने के तुरंत बाद बुलाई गई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों और सचिवों से बचत की आदत को प्रोत्साहित करने की अपील की। उनकी चिंता यह थी कि जो परिवार कड़ी मेहनत और सरकारी योजनाओं से गरीबी से बाहर निकले हैं, वे अनियंत्रित खर्च के कारण फिर आर्थिक संकट में न फंस जाएं। केंद्र सरकार का लक्ष्य का विस्तार हो सके।

इस बैठक में, प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबी उन्मूलन और वामपंथी उग्रवाद यानी नक्सलवाद के खतरे को कमजोर करने में मिली सफलता के बाद नई की समस्या को अगली बड़ी राष्ट्रीय चुनौती बताया। उन्होंने इसके खिलाफ सामूहिक अभियान चलाने का आह्वान कर कहा कि यह केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे सरकारी तंत्र, सामाजिक संगठनों, परिवारों और हर नागरिक की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना चाहिए, ताकि वे अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगा सकें। इस बैठक में वित्त, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, आवास और मत्स्य पालन सहित कई विभागों के सचिवों ने प्रस्तुतियां दीं, जिसमें सरकारी योजनाओं के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने और प्रशासनिक सुधारों पर चर्चा हुई। यह बैठक प्रधानमंत्री की कार्यशैली का भी प्रतीक थी, जहां वे अंतरराष्ट्रीय दौरों से लौटकर तुरंत घरेलू प्रशासनिक प्राथमिकताओं की समीक्षा करते हैं।

इसके अतिरिक्त, एफआईसीसीआई के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों को सामने रखकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'इकोनॉमिक डिजास्टर' वाले बयान का आंकड़ों से जवाब दिया। उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जिसकी विकास दर करीब 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अक्टूबर महीने में भारत के वस्तु निर्यात के रिकॉर्ड 50 अरब डॉलर तक पहुंचने का उन्होंने उल्लेख किया। विश्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 12-13 वर्षों में 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने इस उपलब्धि को सही नीतियों और नीयत का परिणाम बताया, और 1970 के दशक के 'गरीबी हटाओ' नारे के बावजूद गरीबी खत्म न होने पर कांग्रेस के पुराने शासनकाल पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को कभी दुनिया की 'फैजाइल फाइव' अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, लेकिन पिछले एक दशक में युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत के सामूहिक प्रयासों से यह स्थिति बदली है।

नगर निकायों की पर्यावरण नियमों के पालन से जुड़ी अपीलों पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

भारत अमीर देश, लेकिन स्वच्छता में खराब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश में स्वच्छता और ठोस कचरा प्रबंधन की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा है कि भारत अमीर देश है, लेकिन स्वच्छता के मामले में उसका प्रदर्शन खराब है। खराब सफाई व्यवस्था और कचरे का उचित प्रबंधन नहीं होने से समाज पर नकारात्मक असर पड़ता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि भी प्रभावित होती है। गुरुवार को जस्टिस एसवीएन भट्टी और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने नगर निकायों की पर्यावरण नियमों के पालन से जुड़ी अपीलों पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नियम मौजूद होने के बावजूद उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। वर्ष 2016 और 2026 के नियमों का प्रदर्शन भी संसद की ओर से निर्धारित लक्ष्यों से कम है।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी जिलों के कलेक्टरों को स्थानीय निकायों के साथ मिलकर अपने क्षेत्र में बल्क वेस्ट जनरेटर की पहचान करने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य बड़े स्तर पर कचरा पैदा करने वाली इकाइयों की जिम्मेदारी तय करना और कचरे के प्रबंधन को प्रभावी बनाना है। अदालत ने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2026 की निगरानी के लिए शुरुआती दो चरण पूरे हो चुके हैं। इनमें काम शुरू करना और निगरानी के लिए प्रशासनिक व्यवस्था तैयार करना शामिल है। अब नियमों को जमीन पर लागू करने की जरूरत है।

नगर निकायों की जवाबदेही पर जोर

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का मुख्य संदेश यह है कि केवल कानून और नियम बना देना पर्याप्त नहीं है, उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है। कचरे के संग्रहण, परिवहन और निस्तारण की व्यवस्था में स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करनी होगी। कलेक्टरों को बल्क वेस्ट जनरेटर की पहचान का निर्देश इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

संसद के आगामी सत्र को लेकर 48 घंटे में सरकार ले सकती है बड़ा फैसला

नवंबर में 3 दिन की विशेष बैठक या दिसंबर में शीतसत्र

नई दिल्ली। संसद के आगामी सत्र पर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई। सूत्रों के अनुसार, सरकार के समक्ष दो विकल्प हैं। पहला, मानसून सत्र का सत्रावसान कर 7 से 23 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र बुलाए। इसकी 12 बैठकों के दौरान महिला आरक्षण और लोकसभा की सीटें बढ़ाने के लिए परिसीमन से जुड़े बिल पेश किए जाएं। दूसरा विकल्प विशेष बैठक का है। मानसून सत्र की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुई थी। सत्रावसान न होने के चलते उस सत्र की बैठकें शॉर्ट नोटिस पर फिर बुलाई जा सकती हैं। नवंबर के अंतिम सप्ताह में 3 दिन की बैठक बुलाकर महिला आरक्षण व परिसीमन बिल पेश किए जा सकते हैं। जीत सत्र इसके बाद बुलाया जाए। अगले 48 घंटे में किसी एक विकल्प पर फैसला संभव है।

सरकार की तैयारी महिला आरक्षण और लोकसभा की सीटें बढ़ाने से जुड़े परिसीमन विधेयक को संसद में पेश करने की है। इसके लिए 15 बैठकों वाला शीतकालीन सत्र बुलाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, नवंबर में विशेष बैठक बुलाने का विकल्प भी खुला रखा गया है। दरअसल, संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। सत्र का औपचारिक समापन नहीं होने के कारण सरकार उसी सत्र की शेष कार्यवाही को कम समय के नोटिस पर दोबारा शुरू कर सकती है। ऐसे में नवंबर के अंतिम सप्ताह में तीन दिन की बैठक बुलाकर महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जा सकते हैं।

नवंबर में विशेष बैठक का विकल्प

सूत्रों के अनुसार, नवंबर के अंतिम सप्ताह में तीन दिन की विशेष बैठक बुलाने पर विचार हो रहा है। इस दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पेश किया जा सकता है। इसके बाद दिसंबर में नियमित शीतकालीन सत्र आयोजित किया जा सकता है। दूसरी ओर, सरकार मानसून सत्र की कार्यवाही समाप्त कर दिसंबर में सीधे शीतकालीन सत्र बुलाने का फैसला भी कर सकती है। इस स्थिति में 15 बैठकों के दौरान महत्वपूर्ण विधायी कामकाज पूरा कराने की तैयारी होगी।

महिला आरक्षण और परिसीमन पर नजर

आगामी सत्र में महिला आरक्षण और लोकसभा की सीटें बढ़ाने से संबंधित परिसीमन विधेयक महत्वपूर्ण मुद्दे हो सकते हैं। इन प्रस्तावों के जरिए लोकसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व और राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व से जुड़े प्रावधानों पर चर्चा की जा सकती है। अगले 48 घंटे अहम: सरकार के सामने फिलहाल विशेष सत्र और नियमित शीतकालीन सत्र के दो विकल्प हैं।

पीयूसी सर्टिफिकेट के नियम बदले- नई बीएस-6 कारों को 3 साल तक नहीं कराना होगा प्रदूषण टेस्ट, पुराने वाहनों की अवधि घटाई

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी पीयूसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल) की वैधता को लेकर नए नियम लागू किए हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने वाहन के उत्सर्जन मानक, उम्र और निजी या व्यावसायिक श्रेणी के आधार पर पीयूसी सर्टिफिकेट की अवधि तय की है। नए नियमों से नई बीएस-6 कारों और दोपहिया वाहनों के मालिकों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं, पुराने वाहनों को अब पहले की तुलना में जल्दी प्रदूषण जांच करानी होगी।

केंद्रीय मोटर वाहन (16वां संशोधन) नियम, 2026 के तहत बीएस-6 मानक वाले छह साल तक पुराने निजी वाहनों का पीयूसी सर्टिफिकेट अब तीन साल तक वैध रहेगा। पहले इसकी अवधि एक साल थी। इसी तरह छह से दस साल पुराने वाहनों को हर साल और दस साल से अधिक पुराने वाहनों को हर छह महीने में प्रदूषण जांच करानी होगी।

बीएस-6 मानक वाले व्यावसायिक वाहनों के लिए छह साल तक पीयूसी की वैधता दो साल होगी। छह से दस साल पुराने वाहनों के लिए यह अवधि एक साल और दस साल से अधिक पुराने वाहनों के लिए छह महीने रहेगी।

बीएस-1, बीएस-2 और बीएस-3 मानक वाले सभी वाहनों के लिए पीयूसी की वैधता तीन महीने निर्धारित की गई है। बीएस-4 वाहनों को हर छह महीने में प्रमाणपत्र का नवीनीकरण कराना होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पहले से जारी पीयूसी प्रमाणपत्र अपनी निर्धारित समाप्ति तिथि तक वैध रहेंगे। नए नियम पहली बार नवीनीकरण कराने पर लागू होंगे। समाप्ति से 10 दिन पहले तक नवीनीकरण कराने पर नया प्रमाणपत्र पुराने की समाप्ति तिथि से प्रभावी होगा। इसके बाद नवीनीकरण कराने पर वैधता जांच की तारीख से शुरू होगी।

कोविड के बाद सुप्रीम कोर्ट में केस दोगुने हुए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुंदरेश ने कहा कि कोविड के बाद सुप्रीम कोर्ट में केस दायर होने की संख्या दोगुनी से ज्यादा हो गई है। पहले साल में करीब 35-36 हजार मामले आते थे, लेकिन अब यह संख्या 80 हजार से पार पहुंच गई है। जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच के सामने एक वकील ने सुनवाई के लिए तारीख मांगी थी। वकील ने कहा कि सूची में नीचे होने के कारण मामले की सुनवाई आज होने की संभावना नहीं है और वह गुरुवार को भी उपलब्ध नहीं रहेंगी।

सांसद चंद्रशेखर आजाद के घर की कुर्की का आदेश, कोर्ट में पेश न होने पर गाजियाबाद एमपी-एमएलए कोर्ट की सख्त कार्रवाई

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने नगीना से सांसद एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उनके घर की कुर्की का आदेश जारी किया है। 17 नवंबर को सुनवाई के दौरान अदालत में पेश न होने के चलते कोर्ट ने यह कड़ा कदम उठाया है। मामले में अगली सुनवाई अब आगामी आठ दिसंबर को निर्धारित की गई है।

यह पूरा कानूनी प्रकरण वर्ष 2018 में गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन गार्डन में एक शादी समारोह के दौरान हुए विवाद और मारपीट से संबंधित है। मामले के शिकायतकर्ता धर्मेंद्र कुमार ने आरोप लगाया था कि समारोह में हथियारों के लेकर सवाल पूछने पर चंद्रशेखर आजाद और उनके समर्थकों ने उनके साथ अभद्रता, गाली-गलौज और मारपीट की थी, साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। इससे पूर्व अक्टूबर 2026 में भी इस मामले में गैर-जमानती वारंट जारी होने और संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया को लेकर कार्रवाई सामने आई थी।

सुनवाई के दौरान सांसद चंद्रशेखर आजाद के अधिवक्ता चांद आलम ने अदालत में एक प्रार्थनापत्र प्रस्तुत कर अगली तारीख पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, अदालत ने आरोपी की गैरमौजूदगी को गंभीरता से लेते हुए संपत्ति कुर्क करने का नोटिस जारी कर दिया। बताया जा रहा है कि 17 नवंबर को चंद्रशेखर आजाद पहले से निर्धारित संसदीय कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने के लिए मुंबई में थे, जिस कारण वे गाजियाबाद कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सके।

अदालत के इस आदेश के बाद सांसद चंद्रशेखर आजाद ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सीधे तौर पर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और आजाद समाज पार्टी के बीच हुए सियासी गठबंधन का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि इस नए गठबंधन की ताकत से सरकार बौखला गई है और इसी वजह से उन्हें राजनीतिक रूप से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह संसदीय कार्यसमिति की बैठक के सिलसिले में महाराष्ट्र गए हुए थे और उनके अधिवक्ता द्वारा इस संबंध में अदालत को बाकायदा प्रार्थनापत्र देकर अवगत भी कराया गया था।

चीन के लिए एनवीडिया के बिना एआई की राह मुश्किल

अमेरिका की विप पाबंदियों से भारत को मिल सकता है बड़ा मौका

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वैश्विक दौड़ में अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी टकराव तेज हो गया है। अमेरिकी सरकार ने चीन की एडवांस एआई चिप तक पहुंच सीमित करने के लिए नए प्रतिबंध लगाए हैं। इसका असर चीन की एआई इंडस्ट्री पर पड़ सकता है। वहीं, इस बदलते वैश्विक समीकरण में भारत के लिए एआई और डेटा सेंटर के क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने का बड़ा अवसर बन सकता है।

अमेरिकी कंपनी एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेनसन हुआंग के इस्तीफे और कंपनी के चीन से कारोबारी संबंधों की जांच के बीच वाशिंगटन ने चिप प्रतिबंधों को और सख्त किया है। नए नियमों के तहत चीनी कंपनियों के लिए मलेशिया, थाईलैंड और सिंगापुर जैसे देशों के डेटा सेंटर के जरिए एनवीडिया की अत्याधुनिक चिप की कंप्यूटिंग क्षमता हासिल करना भी मुश्किल होगा।

चीन अपनी निर्भरता कम करने के लिए घरेलू चिप उद्योग को बढ़ावा दे रहा है। हुआवेई, केम्बिक्रॉन, अलीबाबा और बाइडू जैसी कंपनियां अपने एआई प्रोसेसर विकसित कर रही हैं। वर्ष 2026 की पहली छमाही में चीन के डेटा सेंटर एआई चिप बाजार में एनवीडिया की हिस्सेदारी घटकर 34 प्रतिशत रह गई, जबकि हुआवेई की हिस्सेदारी बढ़कर 28 प्रतिशत पहुंच गई। हालांकि, एनवीडिया को टक्कर देना सिर्फ चिप बनाने तक सीमित नहीं है। इसके लिए हाई-बैंडविड्थ मेमोरी, आधुनिक विनिर्माण क्षमता और सीयूडीए जैसे मजबूत सॉफ्टवेयर इकोसिस्टम की भी जरूरत है। भारत सरकार की 10,372 करोड़ रुपये की इंडिया एआई मिशन योजना इस दिशा में अहम है।

बेरोजगारी, बीमारी और बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्मचारी भविष्य निधि के नियम बदले

अब पीएफ से 90 प्रतिशत तक रकम निकाल सकेंगे कर्मचारी

नई दिल्ली। नौकरीपेशा लोगों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि से जुड़ी बड़ी राहत की खबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने पीएफ निकासी के नियमों में बदलाव करते हुए नौकरी के दौरान निकासी की अधिकतम सीमा 75 प्रतिशत से बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दी है। इससे कर्मचारियों को आर्थिक जरूरत के समय अपनी जमा पूंजी का बड़ा हिस्सा निकालने की सुविधा मिलेगी। नए नियमों के तहत बेरोजगारी की स्थिति में पीएफ निकालने के लिए एक साल तक नौकरी करने की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है। अब पीएफ सदस्य बनने के दो महीने बाद ही बेरोजगारी की स्थिति में निकासी की सुविधा मिल सकेगी। हालांकि, खाते में कम से कम 10 प्रतिशत रकम बचाकर रखना अनिवार्य होगा, ताकि रिटायरमेंट के लिए कुछ बचत सुरक्षित रहे। नए प्रावधानों में कर्मचारियों को कई तरह की आर्थिक जरूरतों के लिए पीएफ निकासी की सुविधा दी गई है। कर्मचारी या परिवार के सदस्य की बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए, बच्चों और परिवार के सदस्यों की शिक्षा के लिए, खुद या परिवार के सदस्यों की शादी के खर्च के लिए। घर या फ्लैट खरीदने, निर्माण, होम लोन चुकाने और मरम्मत के लिए और नौकरी छूटने की स्थिति में आंशिक जरूरतों को पूरा करने के लिए। नियमों में ढील से कर्मचारियों को अचानक आर्थिक संकट आने पर अपनी बचत तक पहुंच आसान होगी। बीमारी, नौकरी छूटने या बच्चों की पढ़ाई जैसी खर्चों के लिए उन्हें महीनों कर्ज पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

कुछ ना कहना

मोदी भी जेल में होते...लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनके खिलाफ जांच बंद करवा दी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव सरकार के दौरान हुई एक जांच को लेकर सनसनीखेज दावा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी के भीतर के ही कुछ नेताओं ने उस जांच को रुकवा दिया था, इसकी कीमत कांग्रेस आज चुका रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने 17 नवंबर को बेंगलुरु में यह बात कहकर राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने बताया कि जब वे कानून मंत्री थे (मई 2009-मई 2011), तब वर्तमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को गुजरात से बाहर किया गया था और वे जेल जाने वाले पहले व्यक्ति थे। मोइली के अनुसार, इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की बारी आती और उन्हें भी राज्य से बाहर कर दिया जाता। लेकिन यह पार्टी के भीतर की कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं थीं, इसकारण पीएम मोदी के खिलाफ चल रही जांच को हमारी अपनी ही सरकार ने रुकवा दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने स्पष्ट किया कि यह फैसला तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की वजह से नहीं हुआ था, बल्कि कुछ अन्य नेताओं के कारण हुआ था। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली के दावे का संदर्भ शाह से जुड़े सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर मामले से है। सीबीआई ने 2010 में अमित शाह को मामले में गिरफ्तार किया था, तब वे गुजरात के गृह राज्यमंत्री थे। सोहराबुद्दीन शेख एक गैंगस्टर था जिसकी 26 नवंबर 2005 को गुजरात के अहमदाबाद में एक एनकाउंटर में मौत हुई थी। हालांकि, मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत ने 30 दिसंबर 2014 को शाह को मामले में आरोप-मुक्त कर दिया था।



मोइली ने फिलहाल इस मामले की विस्तृत जानकारी देने या उन कांग्रेस नेताओं के नाम उजागर करने से इंकार किया है, जिन पर उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर और राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली के दावे पर आरजेडी नेता मनोज झा ने प्रतिक्रिया देकर कहा है कि मोइली जैसे शक्तिशाली मंत्री रहे लोगों के पास इतिहास के बहुत सारे साक्ष्य हो सकते हैं। उन्होंने गुजरात में एसआईटी के गठन और क्लीन चिट जैसे घटनाक्रमों का जिक्र कर कहा कि इतिहास निरंतर मूल्यांकन करता है और अपने को रिवाइज भी करता है। मोइली का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटी है, और इस बयान ने कांग्रेस पार्टी के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

सुरों की जंग -पूर्वा और समर्थ ने जीता 'वॉयस ऑफ बालाघाट 2026' का खिताब

3 राज्यों के 15 प्रतिभागियों ने ग्रैंड फिनाले में दी शानदार प्रस्तुतियां, नए-पुराने गीतों से बांधा समां; विजेताओं को नकद पुरस्कार से किया सम्मानित





पदमेश न्यूज। बालाघाट। संगीत की दुनिया में अपनी पहचान बनाने का सपना लेकर मंच पर उतरे प्रतिभागियों ने बुधवार की रात अपनी गायकी से ऐसा समां बांधा कि सभागार तालियों की गूंज से सराबोर हो गया। मौका था 'वॉयस ऑफ बालाघाट 2026' के ग्रैंड फिनाले का, जहां मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से पहुंचे 15 गायकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले के बीच सीनियर वर्ग में दुर्ग की पूर्वा श्रीवास्तव और जूनियर वर्ग में बालाघाट के समर्थ तिवारी ने प्रथम स्थान हासिल कर विजेता का खिताब अपने नाम किया नूतन कला निकेतन एवं आर्केस्ट्रा फैकल्टी म्यूजिकल के संयुक्त आयोजन में प्रतियोगिता का अंतिम दौर नूतन कला निकेतन के स्व. जगन्नाथ प्रसाद जायसवाल स्मृति सभागार में संपन्न हुआ। प्रतिभागियों ने हिंदी संगीत जगत के सदाबहार और नए गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर प्रस्तुति के साथ कलाकारों के बीच मुकाबला दिलचस्प होता गया और निर्णायक क्षणों में विजेताओं के नामों की घोषणा की गई।

पूर्वा और समर्थ के नाम रही प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में दुर्ग की पूर्वा श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दमोह के अनिरुद्ध चौबे द्वितीय और मंडला के चिंतवन सुखनानी तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को क्रमशः 21 हजार, 15 हजार और 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई इसी तरह जूनियर वर्ग में बालाघाट के समर्थ तिवारी ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। अक्षर पिप्पलेवार द्वितीय और चिराग संचेती तृतीय स्थान पर रहे। इन्हें क्रमशः 10 हजार, 7 हजार और 3 हजार रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

15 प्रतिभागियों के बीच था खिताबी मुकाबला

आयोजन के अंतर्गत 14 एवं 15 नवंबर को क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल चरण आयोजित किए गए थे। इन दौरों में अपनी गायकी से प्रभावित करने वाले दोनों वर्गों के कुल 15 प्रतिभागियों ने ग्रैंड फिनाले में जगह बनाई। अंतिम मुकाबले में सभी गायकों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं।आयोजक सुशील शुक्ला ने कहा कि इस प्रतियोगिता के आयोजन के पीछे मुख्य उद्देश्य स्थानीय एवं उभरते गायक कलाकारों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और आगे चलकर प्रदेश व देश में अपनी पहचान बना सकें। प्रतियोगिता में तीन राज्यों के कलाकारों की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि संगीत के प्रति युवाओं में काफी उत्साह है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संभागीय अभियंता सरोज गिरिया, विद्युत मंडल के अधीक्षण अभियंता दीपक उइके तथा विशिष्ट अतिथि उद्योगपति किरण भाई त्रिवेदी एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुशील पालीवाल उपस्थित रहे।आयोजन को सफल बनाने में मनोज रावल, सुशील शुक्ला, सुधाष विश्वकर्मा, मनोज त्रिपाठी, चीनू जैन, क्षत्रेश गौतम, प्रमोद जैन, आलोक वाजपेयी, कमल किशोर राठत, अफरोज अली, राघवेंद्र मिश्रा, मनोज शर्मा, अजय मसीह, विनीता यादव, आशीष, सावन, जीतू, मनीष एवं तरुण पंडेल सहित अन्य सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

23 नवंबर को ग्राम कायदी के जोड़ापाट में सजेगा मंडई का भव्य मेला

छत्तीसगढ़ी और रीमिक्स नाइट शो की रहेगी धूम
नवयुवक शिव शक्ति मंडई समिति कर रही विशेष आयोजन
रात्रि 8 बजे होगा वरिष्ठ बुजुर्ग नागरिकों का सम्मान समारोह

पदमेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी के जोड़ापाट में आगामी 23 नवंबर को नवयुवक शिव शक्ति मंडई समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिवसीय एवं रात्रिकालीन मंडई का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मंडई को लेकर आयोजन समिति द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। इस आयोजन में ग्राम कायदी सहित आसपास के अनेक गांवों के ग्रामीणों के बड़ी संख्या में पहुंचने की उम्मीद है। मंडई के दौरान जहां दिन में मेले की रौनक देखने को मिलेगी वहीं रात्रि में रंगारंग सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। इस वर्ष मंडई को खास और यादगार बनाने के लिए समिति द्वारा विशेष आकर्षण के रूप में मुस्कान ऑर्केस्ट्रा छत्तीसगढ़ी एवं रीमिक्स नाइट शो का आयोजन किया गया है। राजिकालीन कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत एवं रीमिक्स प्रस्तुतियां दी जाएंगी। अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से कलाकार दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। ग्रामीणों को एक ही मंच पर गीत-संगीत और मनोरंजन का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

वरिष्ठ बुजुर्ग नागरिकों का किया जाएगा सम्मान

इस आयोजन की एक विशेष और सराहनीय पहल वरिष्ठ बुजुर्ग नागरिकों का सम्मान समारोह रहेगा। रात्रि 8 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में क्षेत्र के वरिष्ठजनों का सम्मान कर उनके अनुभव, सामाजिक योगदान और मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। आयोजन समिति का यह प्रयास समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और आदर की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि ईंद्रजीत भोज अध्यक्ष श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला बालाघाट होंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में लोम हर्ष बिसेन जिला पंचायत सदस्य बालाघाट उपस्थित रहेंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जावेद अली अध्यक्ष राहुल गांधी विचार मंच जिला बालाघाट करेंगे। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में वरिष्ठजनों का सम्मान किया जाएगा।

मंडई सामाजिक मेल-मिलाप और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक

ग्रामीण अंचलों में मंडई का आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह सामाजिक एकता आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। मंडई के अवसर पर आसपास के गांवों के लोग एक स्थान पर एकत्रित होते हैं और आपसी मेल-मिलाप के साथ उत्सव का आनंद लेते हैं। नई पीढ़ी को भी ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नवयुवक शिव शक्ति मंडई समिति द्वारा प्रतिवर्ष मंडई का आयोजन किया जा रहा है। समिति का प्रयास है कि इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीणों को मनोरंजन के साथ सामाजिक सहभागिता और वरिष्ठजनों के सम्मान का संदेश भी दिया जा सके।

समिति ने क्षेत्रवासियों से की अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील

नवयुवक शिव शक्ति मंडई समिति के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ग्राम कायदी सहित वारासिवनी क्षेत्र के आसपास के सभी गांवों के नागरिकों से 23 नवंबर को आयोजित दिवसीय एवं रात्रिकालीन मंडई में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। समिति ने ग्रामीणों से वरिष्ठ बुजुर्ग नागरिकों के सम्मान समारोह में सहभागी बनने तथा मुस्कान ऑर्केस्ट्रा छत्तीसगढ़ी एवं रीमिक्स नाइट शो का आनंद लेकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया है। समिति ने सभी क्षेत्रवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर मंडई की रौनक बढ़ाने की अपील की है।

बिरसा क्षेत्र से दो युवतियां लापता- अपहरण की आशंका में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

एक दिन के अंतराल में दो गांवों से गायब हुईं युवतियां
पुलिस ने तलाश की शुरू परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों से एक दिन के अंतराल में दो युवतियों के लापता होने का मामला सामने आया है। ग्राम बोरी निवासी चांदनी तिळहरसे 20 वर्ष और ग्राम जमुनिया निवासी प्रियंका मरकाम 18 वर्ष बिना बताए घर से चली गईं। परिजनों द्वारा अपने स्तर पर रिश्तेदारी और आसपास के गांवों में काफी तलाश किए जाने के बावजूद दोनों का कोई पता नहीं चल पाया है। इस परिजनों ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा दोनों युवतियों को बहला-फुसलाकर ले जाने अथवा अपहरण कर किसी अज्ञात स्थान पर छिपाकर रखने की आशंका जताई है। दोनों मामलों में बिरसा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसी को बताए बिना घर से चली गई चांदनी

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बोरी निवासी दुर्जन तिळहरसे 50 वर्ष खेती-किसानी करते हैं। उनके परिवार में चार बच्चे हैं, जिनमें दो बड़ी बेटियों राधिका और सरिता का विवाह हो चुका है। तीसरे नंबर पर बेटा राधेलाल और सबसे छोटी बेटी चांदनी हैं। चांदनी की उम्र 20 वर्ष है और उसने कक्षा आठवीं तक पढ़ाई की है। वह घर पर रहकर घरेलू कामकाज करती थी।बताया गया कि 14 नवंबर को सुबह करीब 9 बजे दुर्जन तिळहरसे खेत में काम करने चले गए थे। उस समय घर पर उनकी पत्नी मीना, बेटा राधेलाल और बेटी चांदनी मौजूद थे। दोपहर करीब 2 बजे चांदनी बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई। जब दुर्जन खेत से काम करके वापस लौटे तो पत्नी ने उन्हें चांदनी के घर पर नहीं होने की जानकारी दी।इसके बाद परिजनों ने आसपास और पड़ोस में उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। रिश्तेदारी में भी खोजबीन की गई मगर चांदनी का कहीं पता नहीं चला। अंततः दुर्जन तिळहरसे ने बिरसा थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी बेटी का अपहरण कर उसे किसी अज्ञात स्थान पर छिपाकर या बंधक बनाकर रख सकता है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 140(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

दमोह बाजार जाने का कहकर निकली प्रियंका वापस नहीं लौटी

दूसरा मामला ग्राम जमुनिया का है। यहां निवासी कमलसिंह मरकाम 45 वर्ष खेती-किसानी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी उतराबाई, बड़ी बेटी प्रियंका और छोटा बेटा शैलेश हैं। प्रियंका की उम्र 18 वर्ष 4 माह है। उसने जमुनिया स्कूल से कक्षा नौवीं तक पढ़ाई की है।परिजनों के अनुसार 15 नवंबर को प्रियंका दमोह बाजार जाने की बात कहकर बस से दमोह जाने के लिए घर से निकली थी। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो परिवार के लोगों को चिंता हुई। इसके बाद परिजनों ने दमोह, सालेवाड़ा, पंडरिया सहित अन्य स्थानों और रिश्तेदारी के गांवों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।कमलसिंह मरकाम ने भी आशंका जताई है कि उनकी बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति अपहरण कर किसी गुप्त स्थान पर छिपाकर या बंधक बनाकर रख सकता है। उन्होंने बिरसा थाने पहुंचकर बेटी की गुमशुदगी एवं अपहरण की आशंका के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने आम नागरिकों से की सहयोग की अपील

दोनों युवतियों के एक दिन के अंतराल में लापता होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। बिरसा पुलिस दोनों मामलों की जांच करते हुए युवतियों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को चांदनी तिळहरसे या प्रियंका मरकाम के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या बिरसा पुलिस को सूचित करें, ताकि दोनों युवतियों का पता लगाने में मदद मिल सके।

आज हर्षोल्लास के साथ रचाया जाएगा तुलसी संग शालिग्राम का ब्याह

एकादशी देवउठनी आज,मांगलिक कार्यों की होगी शुरुवात, जिले भर में मंडई मेले पकड़ेंगे जोर

पदमेश न्यूज। बालाघाट। हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व एकादशी देवउठनी शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में पूर्ण विधि-विधान के साथ मनाया जाएगा। कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व के दौरान भगवान विष्णु के अवतार शालिग्राम और तुलसी का विवाह वैदिक रीति रिवाज के अनुसार संपन्न कराया जाएगा। उसके बाद से शादी ब्याह, धार्मिक कार्यक्रम सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी। इस पर्व विशेष के एक दिन पूर्व गुरुवार को बाजार गुलजार नजर आया।जहां भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह रचाने के लिए नगर के विभिन्न मार्गों व चौक चौराहों पर गन्ने की दुकान सजी-धजी नजर आई। इस दौरान इस विवाह की संपन्न कराने,और पर्व विशेष को लेकर हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा गन्ना जोड़ी खरीदी गई। वही पर्व विशेष पर की जाने वाली विशेष पूजा अर्चना, व व्रत के लिए नगर के बाजार में सामग्रियों को खरीदने के लिए लोगों का हुजूम लगा रहा है। वही बात अगर तुलसी विवाह के लिए बाजार में बिक्री के लिए आए गन्ने की करे तो, विवाह शुक्रवार शाम को होना है, अभी लोगो के पास पूरा एक दिन का समय बचा है इसलिए गन्ना विक्रेताओं के पिछले साल की तुलना में



काफी कम मात्रा में गन्ने बिके।वहीं गुरुवार को पर्व विशेष पर गन्नो की बिक्री में उछाला आने की सम्भावना जताई जा रही है।

तुलसी विवाह को लेकर लोगो में उत्साह

कार्तिक शुक्ल एकादशी (देवउठनी) पर शुक्रवार शाम को घर-घर में तुलसीजी का विवाह रचाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से हो चुकी हैं। तुलसी पौधे के चारों ओर मंडप सजाने के लिए सुबह से गन्नों की दुकाने नगर में जगह जगह सजी नजर आईं।तुलसी विवाह में घरों के साथ ही मंदिरों में गन्ने का मंडप सजेगा और तुलसी-शालीग्राम का विवाह शास्त्रों के विधिविधान पूर्वक होगा। वहीं भगवान के विवाह की खुशी में रंगोली सजेगी।साथ ही सभी ओर रोशनी की जगमगाहट होगी। जिसके लिए गुरुवार को लोग देर शाम तक गन्ना, पूजन सामग्री, साड़ी, सुहाग सामग्री सहित विभिन्न पूजन सामग्री की खरीददारी करते नजर आए।वही शुक्रवार को तुलसी विवाह के साथ ही सभी ओर आतिशबाजी को लेकर भी तैयारी की जा चुकी है। जिस वजह से पटाखों की दुकानों में भीड़ दिखाई दे रही है।

मांगलिक कार्यों की होंगी शुरुवात

मान्यता है कि देवशयनी ग्यारस से भगवान विष्णु क्षीरसागर में शयन के लिए चले जाते हैं। इस वजह से किसी भी तरह के मांगलिक विशेषकर वैवाहिक कार्यक्रम चार महीने के लिए बंद हो जाता हैं।देवउठनी एकादशी के साथ ही अब वैवाहिक व मांगलिक कार्यक्रमों की शुरूआत होगी। इस दिन घरों में धूमधाम से तुलसी विवाह होंगे। परंपरा है कि कार्तिक एकादशी पर तुलसी और भगवान विष्णु का विवाह वैदिक रीति रिवाज से संपन्न कराया जाता है।

इन गांवों में रहेगी मंडई

देवउठनी ग्यारस के दिन शहर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मंडई का आयोजन किया गया है। रात्रि में मनोरंजन के लिए दो महिला शाहिरों की शाहिरी कार्यक्रम रखा गया है। वहीं लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम नगपुरा में भी मंडई का आयोजन किया गया है।जहां रात्रि में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसी तरह गर्रा, कायदी, मंगेझरी सहित अन्य गांवों में भी मंडई का आयोजन किया गया है।

खेत तक पहुंचने सड़क नहीं, परेशानी में कई किसान

बरसात और फसल कटाई के दौरान बढ़ जाती है मुश्किलें,
बीजाटोला पंचायत व ग्रामीणों ने मांगी 1 किमी लंबी खेत सड़क की स्वीकृति

पदमेश न्यूज। बालाघाट। गांव में खेती-किसानी को बढ़ावा देने और किसानों की मेहनत को आसान बनाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन बिरसा जनपद के ग्राम बरवारिकोना में आज भी किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने के लिए परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। यहां खेतों तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं होने से कई किसानों को खेती के काम में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बारिश और धान की कटाई के समय खेतों तक पहुंचना किसानों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब ग्रामीणों ने प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है।

कच्चे रास्ते पर निर्भर किसान, खेती का काम प्रभावित

ग्रामीणों के मुताबिक खेतों तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं होने से ट्रैक्टर, बैलगाड़ी और कृषि उपकरण ले जाने में काफी परेशानी होती है। खेतों में खाद, बीज पहुंचाने से लेकर तैयार फसल को घर तक लाने में भी मुश्किलें आती हैं। बारिश के दिनों में कच्चा रास्ता कीचड़ से भर जाता है, जिससे आवागमन और भी कठिन हो जाता है। इसके चलते किसानों का समय और पैसा दोनों खर्च होते हैं तथा कृषि कार्य भी प्रभावित होता है।जिन्होंने पक्की सड़क की मांग दोहराते हुए ग्रामीणों को यह सौगात दिए जाने की गुहार लगाई है।

एक किलोमीटर सड़क से मिलेगी 100 से अधिक किसानों को राहत

बताया गया कि ग्राम पंचायत बीजाटोला के अंतर्गत बरवारिकोना में मनोज पखले के मकान से उमेश कटरे के खेत तक लगभग एक हजार मीटर लंबी खेत सड़क निर्माण की मांग



की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग का निर्माण होने से 100 से अधिक किसानों को सीधे लाभ मिलेगा। कृषि यंत्रों और वाहनों की पहुंच खेतों तक आसान होगी, वहीं फसल के परिवहन में भी राहत मिलेगी।

छत्तीसगढ़ के रास्ते को जोड़ने वाले मार्ग का भी करे निर्माण

खेत सड़क की समस्या को लेकर ग्राम पंचायत की सरपंच सुनीता परस्ते एवं वार्ड क्रमांक 3 की वीरा टोला निवासी सेवंती बाई मरकाम सहित ग्रामीणों ने कलेक्टर को पत्र सौंपकर निर्माण कार्य की स्वीकृति दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि किसानों की आवश्यकता को देखते हुए संबंधित योजना के तहत सड़क निर्माण को मंजूरी दी जाए। इसके अलावा उन्होंने छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले रास्ते का भी पक्का निर्माण किए जाने की गुहार लगाई है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

पदमेश न्यूज। हट्टा। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार संभाग स्तरीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस छिंदवाड़ा में किया गया था उक्त प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय हट्टा जिला बालाघाट के छात्र भूपेंद्र पाचे ने हिस्सा लिया था उच्च प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भूपेंद्र पाटी में प्रथम स्थान प्राप्त किया प्रदर्शन के आधार पर इसका चयन राज्य स्तरीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता एवं इंटर यूनिवर्सिटी बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता के लिए हुआ है छात्र के इस प्रतियोगिता में चयन होने पर संस्था की प्राचार्य डॉ. दिशा हरिनखेरे , अंशुल मेश्राम राकेश रंगारे श्रीमती सरपा मरकाम क्षीमती श्वेता नेगा डॉ. वर्षा पैठे डॉ. विनोद कुमार शेंडे श्री अक्षय मण्डराहा वर्सत दशरिये प्रियावती साहू एवं संस्था के क्रीडा अधिकारी डॉ. सचिन तिवारी ने शुभकामनाएं दी एवं आगामी प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहित किया।



सार्वजनिक सूचना

आम जनता एवं संबंधित सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **M/s. OM TRACTOR**, एक साझेदारी फर्म, से श्री हरीश गुरनानी (GSTN-23AAFFO7297J1ZT) दिनांक 01 अगस्त 2026 से अपनी स्वेच्छा से सेवानिवृत्त (**Retire**) हो गए हैं।

दिनांक 01/08/2026 से श्री हरीश गुरनानी का उक्त फर्म में कोई अधिकार, हित अथवा साझेदारी शेष नहीं रहेगी। फर्म का समस्त व्यवसाय एवं संचालन शेष प्रतिष्ठानों द्वारा जारी रखा जाएगा।

अतः सभी ग्राहकों, सप्लायर्स, बैंक एवं व्यापारिक बैंकों को सूचित किया जाता है कि भविष्य में फर्म से संबंधित किसी भी प्रकार का अधिग्रहण एवं व्यापारिक लेन-देन शेष प्रतिष्ठानों के साथ ही किया जाए।

इस सूचना को सभी संबंधित व्यक्ति अपने रिकॉर्ड में दर्ज करें।

दिनांक:- 19.11.2026
स्थान:- बालाघाट

For M/s OM Tractor
Partner

बालाघाट
शुक्रवार 20 नवम्बर 2026

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

13 लाख की सुपारी देकर कराई एयर होस्टेस वर्षा तुरकर की हत्या, दोस्त की पत्नी निकली साजिश की मुख्य आरोपी

प्रेमसंबंधों के विवाद में रची गई साजिश, कार की जीपीएस लोकेशन से हमलावरों तक पहुंची पुलिस, नितेश अग्रवाल की पत्नी मोना समेत चार गिरफ्तार, दो आरोपी अब भी फरार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के दवनीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बोंडारनी गांव में वैनगंगा नदी के किनारे जंगल में हुई एयर होस्टेस वर्षा तुरकर की सनसनीखेज हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा लिया है। 14 नवंबर को हुई इस वारदात के पीछे प्रेमसंबंधों को लेकर उपजा विवाद सामने आया है। गोंदिया पुलिस के अनुसार, वर्षा के मित्र नितेश अग्रवाल की पत्नी मोना अग्रवाल ने कथित तौर पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और इसके लिए 13 लाख रुपये की सुपारी तय की गई थी। इस मामले में पुलिस ने मोना अग्रवाल सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने 19 नवंबर को प्रेस नोट जारी कर पूरे हत्याकांड का खुलासा किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्षा तुरकर (35), निवासी धानोरी, जिला पुणे, दीपावली की छुट्टियों में अपने मायके ग्राम किन्ही, तहसील खैरलांजी, जिला बालाघाट आई हुई थी। 14 नवंबर को वह गोंदिया निवासी अपने मित्र नितेश अग्रवाल के साथ तिरोड़ा गई थी। वहां से लौटते समय दोनों बोंडारनी गांव स्थित शिव मंदिर के समीप जंगल में रुके थे। इसी दौरान शाम करीब 5.30 से 6 बजे के बीच मोटरसाइकिल से पहुंचे तीन हमलावरों ने वर्षा पर चाकू से पेट और पीठ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई और आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। घटना के बाद परिजनों ने वर्षा के मित्र नितेश अग्रवाल पर संदेह जताया था। वर्षा की मां निर्मला तुरकर ने दोनों के बीच करीब 60 लाख रुपये के लेनदेन की बात भी सामने रखी थी। वहीं, वर्षा के पति ने भी नितेश को लेकर विवाद होने और उसे फोन पर परेशान किए जाने के आरोप लगाए थे। इन आरोपों के बीच पुलिस नितेश से पूछताछ कर रही थी और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों की पड़ताल में जुटी थी। अब पुलिस की जांच में इस हत्याकांड के पीछे नितेश की पत्नी मोना अग्रवाल की कथित भूमिका सामने आई है। मामले की शिकायत के आधार पर दवनीवाड़ा पुलिस ने 15 नवंबर को अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) में हत्या का प्रकरण दर्ज किया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे को मामले का जल्द पर्दाफाश करने के निर्देश दिए। इसके बाद स्थानीय अपराध शाखा ने छह अलग-अलग टीमें गठित कर जांच शुरू की। पुलिस टीमों ने घटनास्थल से तिरोड़ा, खैरलांजी, वारासिवनी, बालाघाट और गोंदिया तक के मार्गों पर लगे करीब 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसी दौरान तीन संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल से नितेश अग्रवाल की कार का पीछा करते हुए दिखाई दिए। फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान की। पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर को गोंदिया के मुरी क्षेत्र से इमरान करीम शेख (26), निवासी संजयनगर, मुरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान कथित तौर पर हत्याकांड की साजिश की परतें खुलीं। पुलिस जांच में सामने आया कि नितेश अग्रवाल और वर्षा तुरकर के बीच प्रेमसंबंध होने के कारण नितेश की पत्नी मोना अग्रवाल परेशान थी। इसी विवाद के चलते उसने कथित तौर पर अपने घर के पास रहने वाले कुणाल कुंभलकर की मदद से वर्षा की हत्या की योजना बनाई। कुणाल ने कथित तौर पर शाहरुख पठाण से संपर्क किया और हत्या के लिए 13 लाख रुपये की सुपारी तय की गई। इसके बाद शाहरुख पठाण ने अपने परिचित इमरान करीम शेख, नलेन उर्फ नायलान शेख और क्रिश राऊत को वारदात को अंजाम देने की जिम्मेदारी सौंपी।



जीपीएस लोकेशन के जरिए कार का पीछा कर पहुंचे हमलावर

इस हत्याकांड में कार की जीपीएस लोकेशन से जुड़ा पहलू भी सामने आया है। पुलिस जांच के अनुसार, नितेश अग्रवाल की कार उसकी पत्नी मोना के नाम पर पंजीकृत थी और उसमें टीयोटा आई-कनेक्ट एप के माध्यम से जीपीएस लोकेशन की सुविधा सक्रिय थी। आरोप है कि मोना ने एप की आईडी और पासवर्ड आरोपियों को उपलब्ध कराए, जिससे वे कार की लोकेशन ट्रैक कर सकें। इसी जानकारी के आधार पर तीनों हमलावर नितेश की कार का पीछा करते हुए बोंडारनी गांव के जंगल में शिव मंदिर के समीप पहुंच गए। वहां वर्षा पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने वारदात में अपनी भूमिका के संबंध में जानकारी दी है।

मोना अग्रवाल समेत चार गिरफ्तार, दो की तलाश जारी

पुलिस ने इस मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें इमरान करीम शेख (26), निवासी संजयनगर, मुरी, गोंदिया, शाहरुख खान फिरोज खान पठाण (33), निवासी सिंधी कॉलोनी, गोंदिया; कुणाल श्यामलाल कुंभलकर (31), निवासी साई मंदिर के पास, सिविल लाइन, गोंदिया तथा मोना नितेश अग्रवाल (41), निवासी साई मंगलम लॉन के सामने, गोविंदपुर रोड, गोंदिया शामिल हैं। वहीं, नलेन उर्फ नायलान शेख और क्रिश राऊत अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई और विस्तृत पूछताछ के लिए दवनीवाड़ा पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

मंडई देखने गए युवक की मोटरसाइकिल चोरी, अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

रिश्तेदार के घर के आंगन में खड़ी थी मोटरसाइकिल, रात 2 बजे मां ने देखा तो गायब मिली

पदमेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कांडीकला में मंडई देखने गए एक युवक की मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। युवक ने अपनी मोटरसाइकिल रिश्तेदार के घर के सामने आंगन में खड़ी की थी और रात में खाना खाने के बाद घर के अंदर सो गया था। इसी दौरान अज्ञात चोर मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी जब मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चला तो पीड़ित युवक ने किरनापुर थाने पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। किरनापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। ग्राम जानकारी के अनुसार ग्राम जामड़ीमेटा निवासी ताराचंद रावते 26 वर्ष राजमिस्त्री का काम करते हैं। 12 नवंबर को ग्राम कांडीकला में मंडई का आयोजन था। मंडई देखने के लिए ताराचंद अपनी मां रविकांताबाई के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम कांडीकला पहुंचे थे। यहां वे अपने रिश्तेदार गणेश सहारे के घर गए थे।ताराचंद ने अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक MP 50 जेडी सी 6921 को रिश्तेदार गणेश सहारे के घर के सामने आंगन में खड़ा कर दिया था। इसके बाद दोनों ने रात में खाना खाया और घर के अंदर सो गए। रात करीब 2 बजे ताराचंद की मां रविकांताबाई बाथरूम जाने के लिए उठीं। इसी दौरान उनकी नजर आंगन पर पड़ी तो वहां मोटरसाइकिल दिखाई नहीं दी। उन्होंने तत्काल ताराचंद को जगाकर मोटरसाइकिल गायब होने की जानकारी दी।मोटरसाइकिल चोरी होने की जानकारी मिलते ही ताराचंद ने आसपास के क्षेत्र में उसकी तलाश की। रिश्तेदारों और आसपास के स्थानों पर भी पता लगाया लेकिन मोटरसाइकिल का कहीं कोई सुराग नहीं मिला। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसाइकिल नहीं मिलने पर ताराचंद ने किरनापुर पुलिस थाने पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज किया मामला

ताराचंद रावते की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है तथा चोरी गई मोटरसाइकिल और आरोपी की तलाश की जा रही है।

मोबाइल की लत ने उजाड़ दिया नवविवाहिता का संसार

मामूली विवाद में पति ने गला घोंटकर की हत्या

आधी रात तक मोबाइल चलाने की बात पर पति-पत्नी में हुआ था विवाद, तिरोड़ी पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार, मोबाइल का बढ़ता इस्तेमाल परिवारों में बन रहा तनाव का कारण

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मोबाइल आज हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और जरूरी जानकारियों के लिए मोबाइल जितना उपयोगी साबित हुआ है उतना ही इसका अनियंत्रित इस्तेमाल पारिवारिक जीवन में तनाव और विवादों का कारण भी बनता जा रहा है। मोबाइल की बढ़ती लत किस तरह पति-पत्नी के रिश्तों में दूरी पैदा कर सकती है। इसका एक दुखद उदाहरण तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनहेटी में सामने आया है। यहां देर रात तक मोबाइल चलाने की बात को लेकर हुए विवाद ने इतना गंभीर रूप ले लिया कि एक 27 वर्षीय नवविवाहिता सुषमा राऊत की जान चली गई। आरोप है कि पति ने आवेश में आकर अपनी ही पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पति दिनेश राऊत 32 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है।

रात 12:30 बजे मोबाइल चलाने को लेकर शुरू हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुषमा राऊत का मायका ग्राम बोथवा में है। वर्ष 2023 में उसका विवाह ग्राम सिवनहेटी निवासी दिनेश राऊत के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से हुआ था। दिनेश मजदूरी का काम करता है। विवाह के बाद दोनों पति-पत्नी अलग रहने लगे थे। उनके कोई बच्चे नहीं थे। दिनेश की मां और भाई भी उसी मकान में अपने-अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं।

बताया गया कि हाल ही में सुषमा अपने मायके पक्ष के गांव सादावोड़ी गई हुई थी। 17 नवंबर की दोपहर वह वापस अपने ससुराल ग्राम सिवनहेटी पहुंची थी। रात में पति-पत्नी ने साथ बैठकर भोजन किया और इसके बाद सोने के लिए बिस्तर पर चले गए। इस दौरान सुषमा मोबाइल चला रही थी, जबकि उसका पति दिनेश सो गया था रात करीब 12:30 बजे दिनेश की नींद खुली तो उसने देखा कि सुषमा उस समय भी मोबाइल चला रही थी। देर रात तक मोबाइल चलाने को लेकर दिनेश ने उसे मना किया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और गुस्से में आकर दिनेश ने सुषमा का गला दबा दिया। दम घुटने से सुषमा की मौत हो गई।

अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

घटना के बाद दिनेश ने सुषमा की तबीयत अचानक बिगड़ने की बात बताते हुए उसे कटंगी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होने के कारण पुलिस ने मामले की गंभीरता से लिया।118 नवंबर की तिरोड़ी पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत की गई। सुषमा नवविवाहिता होने के कारण मामले की जांच पुलिस अधिकारियों द्वारा गंभीरता से की गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोला मौत का राज

जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सुषमा की मौत दम घुटने से होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने मामले की नए सिरे से जांच शुरू की और पति दिनेश राऊत से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दिनेश ने देर रात तक मोबाइल चलाने को लेकर पत्नी से विवाद होने और इसी दौरान उसका गला दबाने की बात स्वीकार की।पुलिस ने मर्ग जांच के उपरांत दिनेश राऊत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

मोबाइल हमारी सुविधा हैत्तनाव का कारण नहीं

सिवनहेटी की इस घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आधुनिक तकनीक के बीच कहीं हम अपने पारिवारिक रिश्तों और मानवीय संवेदनाओं को तो पीछे नहीं छोड़ रहे हैं। मोबाइल हमारी सुविधा का साधन है उसे परिवार के बीच दूरी और तनाव का कारण नहीं बनने देना चाहिए। परिवार को समय देना, एक-दूसरे की बात सुनना और आपसी विश्वास बनाए रखना आज पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है।

भटेरा चौकी में बनेगा 108 फीट ऊंचा खाटू श्याम बाबा का भव्य मंदिर, 20 नवंबर को होगा नींव पूजन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शहर के भटेरा चौकी क्षेत्र में खाटू श्याम बाबा के भव्य मंदिर निर्माण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्वर्णकार भवन के समीप समाजसेवी सुरेश सोनी द्वारा मंदिर निर्माण के लिए दान में दी गई 10 हजार वर्गफीट भूमि में राजस्थान की तर्ज पर करीब 108 फीट ऊंचा मंदिर बनाया जाएगा। देवउठनी ग्यारस के अवसर पर 20 नवंबर को सुबह 9.30 बजे विधि-विधान के साथ मंदिर का नींव पूजन किया जाएगा। मंदिर निर्माण के संकल्प को साकार करने के लिए श्याम मित्र मंडल द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। नींव पूजन के बाद निर्माण कार्य भी प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस संबंध में 19 नवंबर को श्याम मित्र मंडल के पदाधिकारियों ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि मंदिर का निर्माण लगभग साढ़े पांच हजार वर्गफीट भूमि पर किया जाएगा। मंदिर का नक्शा और डिजाइन तैयार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि 14 जनवरी 2026 को श्याम बाबा के मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया था। अब बाबा की कृपा से देवउठनी ग्यारस और श्याम बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर इस संकल्प को धरातल पर उतारने की शुरुआत की जा रही है। मंदिर को भव्य स्वरूप देने के साथ श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक परंपराओं को ध्यान में रखकर निर्माण की योजना बनाई गई है। श्याम मित्र मंडल के पदाधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित मंदिर लगभग 108 फीट ऊंचा होगा और इसे जिले का पहला ऐसा भव्य खाटू श्याम मंदिर बताया जा रहा है। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में खाटू धाम में विराजित श्याम बाबा की प्रतिमा के स्वरूप वाली मूर्ति स्थापित की जाएगी, जिसे राजस्थान के जयपुर से लाया जाएगा। इसके अलावा मंदिर परिसर में शिव परिवार के लिए अलग गर्भगृह बनाया जाएगा तथा सालासर बालाजी की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। मंदिर का निर्माण कार्य करीब दो वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। नींव पूजन के अवसर पर धार्मिक आयोजन भी किए जाएंगे। सुबह मंदिर स्थल पर पूजन कार्यक्रम संपन्न होगा, जबकि शाम को गोंदिया रोड स्थित होटल में श्याम बाबा की भजन संध्या आयोजित की जाएगी। इसमें जिले की गायिका शालिनी क्षीरसागर और जया पवन आचार्य भजनों की प्रस्तुति देंगी। श्याम मित्र मंडल के सदस्यों ने बताया कि मंडल द्वारा हर माह की 14 तारीख को श्याम बाबा के भजनों का आयोजन किया जाता रहा है। मंदिर निर्माण की शुरुआत को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। पदाधिकारियों ने शहर सहित जिलेभर के श्रद्धालुओं से नींव पूजन और भजन संध्या में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। श्याम मित्र मंडल के इस प्रयास से शहर में खाटू श्याम बाबा के भक्तों को एक नए धार्मिक केंद्र की सौगात मिलने जा रही है। अब 20 नवंबर को होने वाले नींव पूजन के साथ मंदिर निर्माण की औपचारिक शुरुआत होगी।



केरल तक पहुंची बालाघाट पुलिस, अपहृत नाबालिग बालिका को सकुशल कराया दस्तयाब

इडुक्की जिले से 19 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार, कोतवाली पुलिस की विशेष टीम ने अंतरराज्यीय स्तर पर की कार्रवाई

पदमेश न्यूज। बालाघाट। अपहरण के एक मामले में बालाघाट पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अंतरराज्यीय स्तर पर कार्रवाई कर केरल राज्य के इडुक्की जिले से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब किया है। वहीं प्रकरण में 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार करने में भी सफलता हासिल की है। कोतवाली पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 सितंबर 2026 को फरियादिया सुशीला बाई (परिवर्तित नाम) ने थाना कोतवाली बालाघाट में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री, जो मंडला से बालाघाट आई थी, अचानक लापता हो गई है। परिजनों द्वारा काफी तलाश और पतासाजी किए जाने के बाद भी बालिका का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 656/2026, धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया था तभी नाबालिग की तलाश शुरू कर दी थी।

केरल राज्य के इडुक्की जिले से किया दस्तयाब

बताया गया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मलय जैन ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अपहरण एवं महिला-बालिकाओं से संबंधित अपराधों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिरार के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और प्राप्त सूचनाओं के आधार पर लगातार पतासाजी करते हुए केरल राज्य के इडुक्की जिले तक पहुंच बनाई। यहां से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।



इन पुलिसकर्मियों की रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय गुर्जर, उपनिरीक्षक किरण चटके, प्रधान आरक्षक लालबहादुर चौधरी एवं आरक्षक कमल डावर सहित थाना कोतवाली के अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।



बालाघाट-सिवनी मार्ग खस्ताहाल, राहगीर परेशान, जिम्मेदार मौन



कंजई से लालबर्रा-बालाघाट तक सड़क पर उभरे गहरे गड्ढे,अनियंत्रित हो रहे वाहन,आये दिन हो रहे हादसे

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जिले को पड़ोसी जिला सिवनी से जोड़ने वाला अति-व्यस्त बालाघाट-सिवनी मुख्य मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। कंजई से लेकर लालबर्रा-बालाघाट और आगे सिवनी जिले की सीमा तक सड़क पर जगह-जगह बड़े और जानलेवा गड्ढे बन गये है। डामर उखड़ने से सड़क पर गिट्टियां फैल गई हैं, जिससे इस मार्ग पर सफर करना किसी बड़े जोखिम से कम नहीं रह गया है। साथ ही यह एक व्यस्तम मार्ग है और इस मार्ग से ओवरलोड़ सहित अन्य चौपहिया वाहनों का आवागमन लगातार जारी है। वही वर्तमान में क्षेत्र में मंडई-मेलों का दौर चल रहा है, जिसके कारण दुपहिया और चौपहिया वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। सड़क के खस्ताहाल होने और चौड़ाई कम होने की वजह से वाहन चालक अनियंत्रित हो रहे हैं और आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। जबकि नवीन सड़क निर्माण कार्य शुरू होने में काफी समय है इसलिए क्षेत्रीयजन लंबे समय से सड़क निर्माण शुरू होने के पहले गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे राहगीरों एवं क्षेत्रीयजनों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

नवनिर्माण में देरी, तत्काल मरम्मत की दरकार

आपको बता दे कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत तो हो चुका है, लेकिन धरातल पर अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नवीन सड़क निर्माण शुरू होने में अभी काफी समय लगेगा। इस देरी के कारण मौजूदा सड़क की हालत और भी बदतर होती जा रही है। इसे देखते हुए राहगीरों और क्षेत्रीयजनों ने प्रशासन से मांग की है कि जब तक नवीन सड़क का निर्माण शुरू नहीं होता, तब तक तात्कालिक रूप से सड़क के जानलेवा गड्ढों की मरम्मत करवाई जाये, ताकि आवागमन सुगम हो सके और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगे। लेकिन जिम्मेदार इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे हैं। वहीं सड़क में बने गड्ढों के कारण स्कूली बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, क्षेत्रीयजनों ने प्रशासन से सड़क में बने गड्ढों का तत्काल मरम्मत करवाने की मांग की है।

पाथरशाही से बकोड़ा मार्ग को भी योजना में शामिल करने की मांग

पूर्व में सड़क एवं राजस्व विभाग द्वारा कुछ ग्रामों में विशेष ग्राम सभा आयोजित कर प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी दी गई थी। इसमें यह बात सामने आई थी कि ग्राम पाथरशाही से बायपास रोड निकाला जायेगा और जो बैप शासन स्तर से बना हुआ है उसमें भी बायपास रोड़ पाथरशाही से निकलेगा बना हुआ है। जो बकोड़ा-भिरेगांव के बीच मुख्य फोरलेन सड़क में मिलेगा। ऐसी स्थिति में पाथरशाही से बकोड़ा के बीच की सड़क करीब 6-7 किमी. की सड़क छूट जायेगी। ऐसी स्थिति में नगर मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण नही होगा तो काफी परेशानी होगी इसलिए फोरलेन सड़क निर्माण बायपास सड़क के साथ ही नगर मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़क को इस योजना में शामिल कर निर्माण करवाने की मांग उठ रही है। वही क्षेत्रीयजनों का कहना है कि यदि बायपास रोड लालबर्रा मुख्यालय को छोड़कर बाहर से निकल जाता है और पाथरशाही से बकोड़ा के बीच की मुख्य सड़क का निर्माण नहीं किया जाता है, तो क्षेत्रवासियों के लिए इस नवीन सड़क का कोई विशेष महत्व नहीं रह जायेगा। ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि बायपास निर्माण के साथ-साथ पाथरशाही से चकोड़ा के बीच छूट रही इस महत्वपूर्ण सड़क को भी फोरलेन निर्माण योजना में शामिल कर इसका नवनिर्माण करवाये ताकि क्षेत्र की जनता को जर्जर सड़क की समस्या से स्थायी निजात मिल सके।

सड़क में बने गड्ढों का मरम्मत करवाये प्रशासन - भाऊराम

जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि बालाघाट-सिवनी पहुंच मार्ग का फोरलेन निर्माण के लिए शासन से कार्य स्वीकृत हो चुका है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य धरातल पर शुरू नही हो पाया है। साथ ही वर्तमान में सड़क में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गये है, जिस कारण से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदार इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है, जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। श्री गाड़ेश्वर ने बताया कि फोरलेन सड़क निर्माण होना है और बायपास सड़क निर्माण के चलते मुख्य सड़क का निर्माण कार्य छूट रहा है, हमारी मांग है कि इस मार्ग को भी इस योजना में शामिल कर निर्माण करवाये। साथ ही वर्तमान में मंडई-मेला का दौर जारी है और लोग रात्रि के समय इस खस्ताहाल मार्ग से आवागमन कर रहे है, सड़क में बने गड्ढे दिखाई नही देने से वे अनियंत्रित होकर चोटिल हो रहे है। लेकिन प्रशासन सुध नही ले रही है, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। प्रशासन से मांग है कि सड़क निर्माण कार्य को शुरू होने में समय लगेगा इसलिए सड़क में बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये।

जल्द करवाया जायेगा मरम्मत कार्य - मुकेश

दूरभाष पर चर्चा में म.प्र.स.वि. निगम लि., छिंदवाड़ा के सहायक महाप्रबंधक मुकेश बेले ने बताया कि बालाघाट से सिवनी फोरलेन सड़क निर्माण कार्य की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, बरघाट-सिवनी के कुछ ग्रामों में विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके बाद लालबर्रा क्षेत्र के 10 ग्रामों में विशेष ग्रामसभा आयोजित की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि बायपास सड़क से छूट रही सड़क को इस योजना में शामिल करने की प्रक्रिया जारी है और सड़क में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आंवला नवमी पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन बुधवार को आंवला नवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत अमोली निवासी सचिन कुर्वे के निवास में महिलाओं के द्वारा आंवला नवमी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आंवला के पेड़ की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात पेड़ की महिलाओं ने परिक्रमा कर जीवन में सुख-समृध्दि की कामना की। इस आंवला नवमी के अवसर पर श्रध्दालु महिलाओं ने आंवले के वृक्ष का पूजन करने के साथ ही वृक्ष की परिक्रमा भी की। चर्चा में श्रीमती वंदना कुर्वे ने बताया कि बुधवार को कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को आंवला नवमी का पर्व धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन आंवला की पूजा करने से सारे दोषों से मुक्त हो जाते हैं। पुत्र रत्न की प्राप्ति एवं परिवार में खुशहाली बनी रहती है। इसी मान्यता के अनुसार आज आंवला नवमी पर्व के अवसर पर आंवले के वृक्ष की पूजा अर्चना की गई और आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु का निवास होता है। भगवान विष्णु से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में सुख-समृध्दि बनाये रखे। साथ ही यह भी बताया कि आंवले के वृक्ष की परिक्रमा एवं आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया गया।



हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा देवउठनी ग्यारस पर्व आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारत देश में हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा 20 नवंबर को ग्यारस पर्व धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। जिसके साथ ही मांगलिक (वैवाहिक) कार्यक्रमों का दौर शुरू हो जायेंगे। इसी कड़ी में ग्यारस पर्व पर्व को लेकर लालबर्रा बाजार में गन्नों एवं अन्य सामग्रियों की दुकाने सज चुकी है। 20 नवंबर को ग्यारस पर्व मनाने वाले क्षेत्रीयजन हाई स्कूल मार्ग पर लगी गन्नों की दुकानों से गन्ने व पूजा में लगने वाली सामग्रियों की खरीदी की, जिससे दिनभर भीड़ रही है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी देवप्रबोधनी या देवउठनी का पर्व भी कहलाता है। इस अवसर पर हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर तुलसी की पूजा कर भगवान सालिग्राम का नारायण रूप में पूजन अर्चन कर तुलसी विवाह की रस्म अदा की जायेगी और इसी दिन से हिन्दू धर्मालंबियों द्वारा मांगलिक कार्यों की शुरूआत की जाती है। आपको बता दे कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी देव प्रबोधिनी पर धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप विधि-विधान से पूजा अर्चन कर तुलसी विवाह मनाया जायेगा और तुलसी की नियमित पूजा करने से हमें सुख, समृध्दि की प्राप्ति होती है। साथ ही कार्तिक शुक्ल एकादशी पर तुलसी विवाह का विधिवत पूजन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती है। शुक्रवार को गन्नों एवं पूजा की सामग्रियों की दुकानों में भीड़ रहेगी।



हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल की बोर्ड पैटर्न पर अर्ध्दवार्षिक परीक्षा जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. के निर्देशानुसार 18 नवंबर से शासकीय हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल की अर्ध्दवार्षिक परीक्षा प्रारंभ हो गई है। नगर मुख्यालय में स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा सहित विकासखण्ड के समस्त शासकीय हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल के परीक्षा प्रभारियों को गत दिवस परीक्षा संबंधित गोपनीय सामग्रियों का वितरण किया गया। सामग्री प्राप्त करने के बाद परीक्षा संबंधित समस्त गोपनीय सामग्रियों को पेटी में बंद कर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में बनाये गये स्ट्रांग रूम में जमा किया गया है, जिस दिन जिस विषय का पेपर रहता है उस दिन परीक्षा प्रभारी उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचकर प्रश्नपत्र सहित अन्य सामग्री लेकर जाते है और परीक्षा संपन्न करवाई जाती है। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल की अर्ध्दवार्षिक परीक्षा लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार 18 नवंबर से प्रारंभ हो चुकी है। 19 नवंबर को कक्षा 11 वीं के 32 विद्यार्थियों से संस्कृत विषय, कक्षा 12 वीं के व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत आईटी विषय के 42 एवं हेल्थ केयर विषय के 49 विद्यार्थियों ने अपने-अपने विषय का शांतिपूर्वक पर्चा हल किया। वहीं अंको से विद्यार्थी उत्तीर्ण हो सके। चर्चा में उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के परीक्षा प्रभारी सवेद अग्रवाल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 18 नवंबर से बोर्ड पैटर्न पर कक्षा 9 वीं से लेकर कक्षा 12 वीं तक की अर्ध्दवार्षिक परीक्षा दो पाली में आयोजित की जा रही है, जिसमें पहली पाली में कक्षा 9 वीं, 10 वीं और दूसरी पाली में कक्षा 11 वीं, 12 वीं की परीक्षा संपन्न हो रही है। श्री अग्रवाल ने बताया कि 19 नवंबर को कक्षा 11 वीं का संस्कृत विषय का पेपर था एवं कक्षा 12 वीं का व्यावसायिक पाठ्यक्रम में आईटी, हेल्थकेयर विषय का पेपर था, जिसमें संस्कृत विषय में 32 विद्यार्थी, आईटी विषय में 48, हेल्थकेयर में 49 विद्यार्थी शामिल होकर पर्चा हल किये। वहीं विद्यालय प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि उत्कृष्ट विद्यालय को अभिरक्षा केंद्र भी बनाया गया है जिसमें ब्लॉक के समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्रश्न पत्र के लिए स्ट्रांग रूम है। साथ ही यह भी बताया कि 18 नवंबर को जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन ने विद्यालय का निरीक्षण कर अर्ध्दवार्षिक परीक्षा के संचालन का जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।





महाविद्यालय में दो दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 18 नवंबर से जारी दो दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का 19 नवंबर को समापन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस दो दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम के प्रथम दिवस साहित्यिक गतिविधियाँ एवं ललीत कलाओं में रंगोली, पोस्टर, कार्टूनिंग कोलाज, क्ले मॉडलिंग, स्पाट पेंटिंग, प्रश्नमंच, वाद-विवाद, वक्तृता एवं युवा उत्सव के द्वितीय दिवस को सांस्कृतिक गतिविधियों में गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें दोनों दिवसीय प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभाओं का परिचय दिया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुचे संजीव अवधिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत युवाओं का देश है, इस देश के युवाओं के परिश्रम से ही भारत विश्व गुरू बनेगा। युवा उत्सव की संयोजक प्रा.श्रीमती भू.मे.श्वरी ठाकरे ने दो सत्र में दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करवाते हुए उपस्थितजनों का आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं श्रीमती अनिभा शरणागत द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफ ल बनाने में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. निर्मल कोर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. हर्षकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, श्रीमती सरिता एडे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।





३० वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

फांसी पर लटका मिला युवक, पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के वार्ड क्रमांक १९ स्थित शिवधाम मोहल्ले में १८ नवंबर की रात एक ३० वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेन्द्र मेश्राम उम्र ६० वर्ष सेल्वा कटेगी के रहने वाले हैं जो वर्तमान में लोक निर्माण विभाग वारासिवनी में सहायक मानचित्रकार के पद पर कार्यरत हैं। जो अपने परिवार के साथ ग्राम वारा के वार्ड नंबर १९ शिव धाम मोहल्ले में निवास करते हैं,जिनका बड़ा बेटा बेंगलुरु में नौकरी कर रहा है तो वहीं छोटा बेटा विनीत मेश्राम उम्र ३० वर्ष अपने माता पिता के साथ रहता था। जो प्रतिदिन दिन की तरह घर पर ही था जिसकी माता की तबीयत खराब होने पर घर में आराम कर रही थी वहीं रात्रि करीब ९ बजे पिता खाना खा रहे थे तभी विनीत बाहर से घर के अंदर आया और सीधे अपने कमरे में चला गया। जिसके बाद घर के पालतू डॉग को देखने के लिए विनीत के पिता उसके कमरे के पास आए तो दरवाजा अंदर से बंद था। फिर वहां खिड़की से आवाज



देने गए तो देखा कि लड़का फांसी पर लटका हुआ जिसकी सूचना उन्होंने तत्काल आज पड़ोस और परिवार के लोगों को दी। जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई वहीं पुलिस भी सूचना पर मौके पर पहुंची १०० को सुरक्षित नीचे उतारकर सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में लाकर रख दिया गया। जिसका १९ नवंबर को पोस्टमार्टम कर परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। वहीं मामले में मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच प्रारंभ कर दी है।

बेटे ने किस कारण से फांसी लगाई पता नही-दिनेन्द्र मेश्राम

पिता दिनेन्द्र मेश्राम ने बताया कि १८ नवंबर की सुबह करीब ११ बजे वे अपने काम पर गए थे और शाम लगभग ६ बजे घर लौटे थे। इसके बाद वे घरेलू कार्यों में व्यस्त हो गए। इसी दौरान उनका छोटा बेटा विनीत घर आया और अपने कमरे में चला गया। रात करीब ८.३० बजे जब उन्होंने बेटे को आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद खिड़की से देखने पर वह कमरे में अचेत अवस्था में दिखाई दिया। तत्काल आसपास के लोगों को बुलाकर घटना की जानकारी दी और पुलिस को सूचना दी। बाकी कोई तनाव तो नहीं था परंतु बेरोजगार था तो उसका कुछ तनाव रहा होगा कभी कुछ बोला नहीं।

इनका कहना हैं

थाने में सूचना मिली थी कि किसी व्यक्ति के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई है। मौके पर पहुंच कर जानकारी ली गई मृतक विनीत मेश्राम ३० वर्ष हैं मृत्यु का कारण अज्ञात है,मामले में आवश्यक कार्यवाही कर मर्ग जांच प्रारंभ कर दी है।

भानुप्रताप बसेने
प्रधान आरक्षक थाना वारासिवनी

देवउठनी ग्यारस आज सजा गन्ने का बाजार जमकर हुई खरीदी

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। देवउठनी ग्यारस एवं तुलसी विवाह पर्व को लेकर नगर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। २० नवंबर को मनाए जाने वाले देवउठनी ग्यारस पर्व से एक दिन पहले १९ नवंबर को नगर में गन्ने का बाजार सज गया। जय स्तंभ चौक से लेकर नेहरू चौक तक गन्ने की दुकानें लगने से बाजार में रौनक देखने को मिली। इसके अलावा नगर के विभिन्न चौक चौराहों और प्रमुख स्थानों पर भी गन्ने की दुकानें सजाई गई जहां लोगों ने पहुंचकर जमकर गन्ने की खरीदारी की। देवउठनी ग्यारस के अवसर पर गन्ने की खरीदारी का विशेष महत्व होने के कारण सुबह से ही बाजार में ग्राहकों की आवाजाही शुरू हो गई थी। दिनभर महिला पुरुषों सहित अन्य लोग गन्ना खरीदते नजर आए। पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। जय स्तंभ चौक से नेहरू चौक तक सड़क किनारे लगी गन्ने की दुकानों के कारण पूरे क्षेत्र में बाजार जैसा माहौल बना रहा। वहीं अन्य चौक चौराहों पर भी गन्ने की दुकानें लगने से नगर में जगह-जगह रौनक दिखाई दी। विदित है कि २० नवंबर को देवउठनी ग्यारस का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योगनिद्रा से जागते हैं। इसी के साथ चातुर्मास



की समाप्ति होती है और मांगलिक कार्यों की शुरुआत मानी जाती है। देवउठनी ग्यारस पर घरों में माता तुलसी और भगवान शालिग्राम का विधि विधान से विवाह संपन्न कराया जाता है। इसी परंपरा के तहत नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी तुलसी विवाह की तैयारियां की जा रही हैं। घरों में तुलसी चौरा की सजावट और पूजन की तैयारियों के बीच श्रद्धालु देवउठनी ग्यारस एवं तुलसी विवाह का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाएंगे।

गुरुनानक जयंती पर पूज्य सिंधी पंचायत ने लगाया रक्तदान शिविर

५५ लोगों ने किया रक्तदान

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री गुरुनानक धर्मशाला में श्री गुरुनानक जयंती के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में नगर के ५५ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा और सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। आपका रक्तदान किसी के जीवन का वरदान के प्रेरक संदेश के साथ सुबह करीब ११.३० बजे शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों एवं अन्य जागरूक नागरिकों ने बढ़ चढ़कर सहभागिता की। रक्तदान के प्रति लोगों का उत्साह देखते ही बना। रक्त संग्रहण एवं आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण के लिए बालाघाट जिला चिकित्सालय से विशेष मेडिकल टीम पहुंची थी। शिविर का निर्धारित समय शाम ४ बजे तक रखा गया था लेकिन आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाओं के तहत दोपहर ३ बजे तक ही ५५ यूनिट रक्त का संग्रहण कर लिया गया। इस अवसर पर समाज सदस्यों ने बताया कि श्री गुरु नानक जयंती के पावन अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया सभी रक्तदाताओं एवं बालाघाट से पहुंची मेडिकल टीम को धन्यवाद



रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे पुनीत कार्य है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन बचाने का माध्यम बन सकता है। नागरिकों से अपील है की वह रक्तदान के प्रति जागरूक रह कर ऐसे सेवा कार्यों में आगे आकर सहभागिता करें। इस शिविर के माध्यम से पूज्य सिंधी पंचायत ने सेवा समर्पण और मानव कल्याण का संदेश दिया। इस अवसर पर सिंधी समाज के पदाधिकारी सदस्य एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

खेल हमारे देश की सदियों पुरानी परंपरा है-विवेक पटेल

कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ समापन ग्राम कटंगझरी की टीम बनी विजेता





पदमेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम भेंडारा में धरती आबा बिरसा मुंडा जयंती के तत्वाधान में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका समापन मैच कटंगझरी और ग्राम सिकंद्रा के बीच खेला गया। जिसमें ग्राम कटंगझरी की टीम ने अच्छा प्रदर्शन कर तीनो ही राउंड में एक तरफा जीत दर्ज कर ली। वहीं विजेता और उपविजेता टीम को विधायक विवेक पटेल के हस्ते पुरस्कृत किया गया। वहीं धरती आबा बिरसा मुंडा जयंती के पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का विधायक विवेक पटेल के हस्ते लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में पहुंचते ही समिति के द्वारा विधायक विवेक पटेल का स्वागत किया गया। जिसके बाद खिलाड़ियों का आतिथियो के द्वारा परिचय करवाकर खेल की शुरुआत की गई। इस दौरान खैरलांजी जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद तिल्होरे,जनपद सदस्य अंकित उइके, तेजराम नगपुरे, सुनील राणा,अशोक तिल्होरे, प्रफुल्ल नगपुरे,ईश्वर उमरे,अनुरसिंह उइके, रामसिंह भलावी, डी आर पुसाम, कृष्णकुमार तिल्होरे,भोजराम सिरसाम, भेजनलाल परते, गणेश कुंभरे, मदन मडावी, लोकेश सिरसाम सहित सामाजिकगण मौजूद रहे। फाइनल मैच में ग्राम कटंगझरी की टीम ने तीनो ही राउंड में जीत दर्ज कर पूरे टूर्नामेंट के चैंपियन बन गई। ग्राम कटंगझरी की टीम ही सिर्फ ऐसी टीम थी जो एक भी मैच नहीं हारी। मैच की शुरुआत से ही ग्राम सिकंद्रा की टीम पर हावी रही और लगातार अपने अंक बढ़ाते रही। कटंगझरी की टीम ने ग्राम सिकंद्रा की टीम को कभी भी अपने ऊपर हावी होने नहीं दिया और शुरुआत से ही अपने अंक बढ़ाते रहें जिससे ग्राम कटंगझरी की टीम ने अच्छा प्रदर्शन कर एक तरफा जीत दर्ज कर ली। विधायक विवेक पटेल ने कहा की खेल हमारे देश की सदियों पुरानी परंपरा है। विश्व के सभी देश अपने देश के युवाओं के लिए खेल प्रतियोगिता और प्रोत्साहन के लिए करोड़ों रुपए का व्यय अपने बजट में शामिल करते हैं। खेलों से हमारे देश की तरुणाई का शारीरिक व बौद्धिक विकास होता है, खेलो से सभी का भाईचारा बना रहता है। यहां शुरू से ही अच्छे खिलाड़ी आते रहें हैं, जो खिलाड़ी आये है उनसे हमें अच्छा खेल सिखने मिले,और नई पीढ़ी के युवाओं को अच्छा देखने मिले। यहां कई वर्षों से अच्छी कबड्डी प्रतियोगिता खेली जाती है। वहीं उन्होंने कहा कि जीवन पर खेल का बहुत बड़ा महत्व है खेलो से मानसिक शारीरिक भावनात्मक विकास के साथ साथ लोगों को जुड़ाव महत्वपूर्ण है।

श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया पिछिका परिवर्तन महोत्सव

आर्यिका माताजी के सानिध्य में कार्यक्रम हुआ संपन्न





पदमेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के भाजी मंडी परिसर में श्री दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में पिछिका परिवर्तन महोत्सव का भव्य आयोजन श्रद्धा,भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम आर्यिका सिद्धांतमती माताजी, आर्यिका विनयमती माताजी एवं आर्यिका पुनीतमती माताजी के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला पुरुषों एवं श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि विधान के साथ पूज्य आचार्य के पूजन एवं मंगलाचरण कर किया गया। इसके पश्चात शास्त्रदान की बोली लगाई गई और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप पिछिका परिवर्तन की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस दौरान माताजी की पुरानी पिछिका को जैन धर्म के सिद्धांतों का पालन करते हुए संयम जीवन ग्रहण करने वाले व्यक्ति को सौंपा गया तथा नई पिछिका माताजी को प्रदान की गई। संपूर्ण कार्यक्रम धार्मिक विधि विधान और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुतियों के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम स्थल पर पूरे समय भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने माताजी के प्रवचन एवं सानिध्य का लाभ प्राप्त किया। आर्यिका माताजी के नगर आगमन के पश्चात उनके चातुर्मास प्रारंभ होने पर समाजजनों के द्वारा दिगंबर जैन मंदिर में विधि विधान से कलश स्थापना की गई थी। इसके बाद पूरे चातुर्मास काल में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। चातुर्मास पर्व के समापन अवसर पर पिछिका परिवर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक डॉ. योगेंद्र निर्मल,विधायक विवेक पटेल ने भी विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने आर्यिका माताजी का आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र की सुख शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस धार्मिक आयोजन ने समाज में धर्म, संयम,अहिंसा और संस्कारों के महत्व को पुनः रेखांकित किया। आकाश सिंघई ने बताया की पिछिका परिवर्तन महोत्सव आयोजित किया गया है माता जी के आगमन पर चातुर्मास प्रारंभ हुआ तो कलश स्थापना की गई थी इसका समापन है। इस पूरे समय विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए दशलक्षण पर्व मनाया गया। विभिन्न विधान हुए इस प्रकार सामाजिक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते रहे और आज माताजी का पिछिका परिवर्तन है फिर उनकी इच्छा पर आगे गमन होगा। इस अवसर पर जैन समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता वाहन रैली आज

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह २०२६ के अंतर्गत २० नवंबर को वारासिवनी में विधिक जागरूकता वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार २० नवंबर की सुबह ९.३० बजे व्यवहार न्यायालय वारासिवनी परिसर से वाहन रैली का शुभारंभ होगा। रैली न्यायालय के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर बस स्टैंड होते हुए दीनदयाल चौक पहुंचेगी जहां से वापस व्यवहार न्यायालय परिसर में पहुंचकर संपन्न होगी। इस वाहन रैली का उद्देश्य आम नागरिकों को विधिक सेवाओं, उनके अधिकारों तथा निःशुल्क कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करना है। न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के माध्यम से लोगों तक कानूनी जानकारी पहुंचाने और न्याय व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

केशव स्कूल में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती मनाई गई

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल में महान वीरांगना एवं स्वतंत्रता संग्राम की अमर नायिका रानी लक्ष्मीबाई की जयंती श्रद्धा, उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में ज्ञान विकास समिति अध्यक्ष प्रदीप तिवारी,सचिव विजय तेलासकर,विद्यालय अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे ,प्राचार्य मंयक मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित अतिथियों, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उनके अदम्य साहस, वीरता और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। इस अवसर पर शिक्षक अजय पंचेश्वर ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई के जीवन संघर्ष एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई ने विपरीत परिस्थितियों में भी अद्भुत साहस और आत्मविश्वास का परिचय दिया। उनका जीवन हमें अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने, अपने अधिकारों की रक्षा करने तथा देश के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को रानी लक्ष्मीबाई के साहस, दृढ़ संकल्प एवं निडर व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास की गौरवशाली वीरांगना के जीवन एवं बलिदान से परिचित कराया गया। आयोजन का वातावरण देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत प्रोत रहा।





युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित करना समय की मांग

एक जमाना था जब हमारे घरों में माताएं लकड़ी और कोयले से जलते चूल्हे पर रोटी और चावल पकाते और हम सामने बोरा बिछाकर बैठ देखते थे और पलभर में थाली में भोजन परोसा जाता था और हम ग्रहण कर बाहर प्रकृति की गोद में खटिया पर बैठकर या झाड़ों के बीच चक्कर लगाते या अपने कार्य पर चले जाते थे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र आज भी यह देखता हूं कि यही प्रक्रिया हमारे बड़े बुजुर्गों, पिछली पीढ़ियों और कई गांव शहरों में आज भी शुरू है,और खासियत है कि ऐसे लोगों में किसी भी प्रकार की बीमारी का कोई लक्षण नहीं था, पाश्चात्य संस्कृति का कोई लक्षण नहीं था, सीमित जिंदगी और सुखी जिंदगी की वह स्थिति, आज उस जमाने की बात करें कर कहते हैं न जाने कहां गए वो दिन इस प्रकार की पुरानी यादों की बात वरिष्ठ नागरिक करते हैं तो सुनकर बहुत आश्चर्य और अच्छा लगता है, उत्साह होता है कि ऐसी सुखी जिंदगी जीने की, यह थी टिकाऊ जीवन शैली। साथियों बात अगर हम वर्तमान जीवन शैली की करें तो इसके लिए उपरोक्त पुरानी टिकाऊ जीवन शैली की चर्चा करना बेहद जरूरी था जिसकी प्रित्यक्ष रिपोर्टिंग मैंने बुजुर्गों से की इसी जीवन शैली को बहुत नजदीक से देख करके किया, मैं खुद अनेक वर्षों तक बुजुर्गों के साथ में रहा हूं। साथियों बात अगर हम वर्तमान निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थकर आहार की करें तो वर्तमान में हम देख रहे हैं कि अनेक चाइनीस फूड, पिज्ज़ा जैसे सैकड़ों ऐसे फास्ट फूड हैं जिसपर आहार के रूप में हमारी निर्भरता बढ़ गई है हमनें हर दिन या हर दूसरे तीसरे दिन इनको ग्रहण करने के का प्रचलन कायम कर दिए हैं हालांकि यह फास्ट फूड ग्रहण करने का हमारा विरोध या टीकाटिप्पणी नहीं है परंतु हमारा उद्देश्य अस्वास्थ्यकर आहारों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है क्योंकि अगर हम दशकों पुराने जमाने और आज के जमाने की निरंतर बढ़ती खाई, अस्वास्थ्यता, बीमारियों का प्रकोप, स्वास्थ्य स्थिरता, शारीरिक कष्ट इत्यादि सैकड़ों स्वास्थ्य खतरों की करें तो यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। अगर हम खासकर वर्तमान पीढ़ी, देश का भविष्य बच्चों और युवाओं को इस बढ़ते फस्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित नहीं करा पाए तो यह गैप बहुत बढ़ जाएगी और हमारी ओरिजिनल भारतीय आहार संस्कृति, टिकाऊ जीवन शैली, विलुप्तता की ओर बढ़ने लगेगी इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सचेत करें। साथियों बात अगर हम पुरानी टिकाऊ जीवन शैली और वर्तमान जीवन शैली के अंतर की करें तो हमने कई बार सुना होगा,, दादा जी तुम तो पुरानी मज़बूत हड्डियों से बने हो! तुम्हारे पास पुराने ही घी मक्खन की ताकत है!! तुम पुराने ज़माने के सोने के अंडे खाए, लाभ पाए हो, इत्यादि इत्यादि बातें हम करते हैं जो बिल्कुल सच है परंतु यह असर कोई शक्तिशाली विटामिन का नहीं बल्कि टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, नियमित कसरत, अपार मेहनत, प्रकृति की गोद में बिताए लम्हों की ताकत है जो स्वास्थ्य और शरीर को मजबूत और टिकाऊ बनाए हुए हैं इसीलिए हर बड़े बुजुर्ग का कर्तव्य है कि वह अपने मार्गदर्शन से एक सामाजिक टीम खड़ी कर युवाओं को हेल्दी फूड स्वस्थ्य आहार की आदत, पाश्चात्य जीवन शैली का त्याग, तेजी से बदलती जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों से सबक जैसे अनेक मुद्दों को रेखांकित कर युवाओं को मार्गदर्शन, जन जागरण अभियान चलाकर प्रेरित करें।

एनटीपीसी हादसा-विकास की कीमत मजदूरों की जान?

बिजली किसके लिए बनती है और उसकी कीमत कौन चुकाता है? यह सवाल झारखंड के चतरा जिले के टंडवा स्थित एनटीपीसी के नॉर्थ कर्णपुरा पावर प्लांट में हुए हादसे के बाद हमारे सामने खड़ा है। कन्वेयर बेल्ट से जुड़े निर्माण कार्य के दौरान तीन मजदूरों की मौत और दो के गंभीर रूप से घायल होने की घटना ने एक बार फिर औद्योगिक विकास के उस चेहरे को उजागर किया है, जिसे अक्सर चमकदार आंकड़ों और बड़ी परियोजनाओं के पीछे छिपा दिया जाता है। बिजली उत्पादन की क्षमता बढ़ाने की होड़ में क्या उन हाथों की सुरक्षा की चिंता पीछे छूट गई है, जिनके श्रम से ये परियोजनाएं खड़ी होती हैं? यह महज एक दुर्घटना नहीं है। यह हमारी विकास व्यवस्था, औद्योगिक सुरक्षा और श्रमिकों के प्रति संस्थागत संवेदनशीलता की परीक्षा है। किसी मजदूर की जिंदगी मशीन का ऐसा पुर्जा नहीं हो सकती, जिसे टूटने पर बदल दिया जाए। लेकिन हमारे यहां औद्योगिक हादसों के बाद जिस तरह शोक संदेश, मुआवजे की घोषणा और जांच के आश्वासन का सिलसिला चलता है, उससे लगता है कि मजदूर की मौत धीरे-धीरे एक सामान्य खबर बनती जा रही है। झारखंड की धरती खनिज संपदा से भरी है। कोयला, लौह अयस्क और दूसरे प्राकृतिक संसाधनों ने इस राज्य को औद्योगिक नक्शे पर महत्वपूर्ण स्थान दिया है। लेकिन इसी धरती पर काम करने वाले मजदूरों की जिंदगी बार-बार असुरक्षा के घेरे में क्यों आ जाती है? विकास का अर्थ केवल बिजली उत्पादन, निवेश और औद्योगिक क्षमता का विस्तार नहीं हो सकता। विकास का अर्थ यह भी है कि उस प्रक्रिया में काम करने वाले मनुष्यों की गरिमा, सुरक्षा और जीवन का सम्मान हो। एनटीपीसी जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि उसके परिसर में काम करने वाले प्रत्येक श्रमिक की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। निर्माण कार्य चाहे कंपनी के अपने कर्मचारी करें या ठेका कंपनियों के माध्यम से कराया जाए, सुरक्षा की जिम्मेदारी से मुख्य परियोजना संचालक मुक्त नहीं हो सकता। ठेका व्यवस्था काम की जिम्मेदारी बांट सकती है, लेकिन मजदूर की जिंदगी के प्रति जवाबदेही को टुकड़ों में नहीं बांट सकती। इस हादसे में जिन श्रमिकों की जान गई, वे निजी निर्माण कंपनियों से जुड़े बताए गए हैं। यह तथ्य अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। क्या ठेका श्रमिकों के लिए सुरक्षा के वही मानक लागू किए गए थे, जो नियमित कर्मचारियों के लिए होते हैं? क्या निर्माणाधीन ढांचे की तकनीकी मजबूती की जांच हुई थी? क्या काम शुरू करने से पहले जोखिम का आकलन किया गया था? क्या मजदूरों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया था? इन सवालों का जवाब केवल एनटीपीसी प्रबंधन को नहीं, बल्कि ठेका कंपनियों और संबंधित निगरानी एजेंसियों को भी देना होगा। औद्योगिक दुर्घटनाओं में ठेका श्रमिकों की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। वे अक्सर ऐसी व्यवस्था में काम करते हैं, जहां काम का दबाव अधिक होता है, लेकिन सुरक्षा और अधिकारों की गारंटी कमजोर रहती है। मजदूर को यह बताया जाता है कि उत्पादन समय पर पूरा होना चाहिए, निर्माण में देरी नहीं होनी चाहिए और लक्ष्य हासिल करना जरूरी है। लेकिन क्या कभी यह पूछा जाता है कि इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए काम करने वाले मजदूरों के लिए कितनी सुरक्षित परिस्थितियां बनाई गई हैं? इस हादसे के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के समुचित उपचार और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री का यह मानवीय हस्तक्षेप आवश्यक है। लेकिन इस घटना के संदर्भ में राज्य सरकार की जिम्मेदारी केवल राहत और संवेदना तक सीमित नहीं रह सकती। मुख्यमंत्री को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दुर्घटना की निष्पक्ष जांच हो और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। यदि निर्माण में तकनीकी खामी, घटिया सामग्री, डिजाइन संबंधी त्रुटि या सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। यह भी जांच हो कि निर्माण कार्य की निगरानी करने वाली एजेंसियों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई थी या नहीं। आखिरकार, किसी भी औद्योगिक परियोजना में सुरक्षा की अंतिम जिम्मेदारी किसकी है, यह सवाल अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए। शोक व्यक्त करना और प्रशासन को निर्देश देना शासन का मानवीय पक्ष है, लेकिन जवाबदेही तय करना शासन का संवैधानिक और प्रशासनिक दायित्व है। मुख्यमंत्री की संवेदना तभी सार्थक होगी, जब वह भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस व्यवस्था में बदले। इस हादसे में एक और गंभीर पहलू है। निर्माणाधीन कन्वेयर बेल्ट के ढांचे के डिजाइन में तकनीकी खामी की आशंका जताई जा रही है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में संरचनात्मक ढांचे के अचानक गिरने की बात सामने आई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इसलिए जांच में डिजाइन तैयार करने वाली कंपनी, निर्माण करने वाली एजेंसी, तकनीकी निरीक्षण करने वाले विशेषज्ञों और परियोजना प्रबंधन की भूमिका की पड़ताल जरूरी है। यहां सवाल केवल एक परियोजना का नहीं है। झारखंड में खनन और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार लंबे समय से हो रहा है। कोयला खदानों में दुर्घटनाएं, कारखानों में विस्फोट, निर्माण स्थलों पर गिरते ढांचे और असुरक्षित कार्य परिस्थितियां बार-बार सामने आती रही हैं। हर घटना के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, फिर सब कुछ पुराने ढर्रे पर लौट जाता है। क्या औद्योगिक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई ऐसी स्थायी व्यवस्था नहीं बन सकती, जिसमें दुर्घटना होने से पहले ही खतरे की पहचान कर ली जाए? देश में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कानून और नियम मौजूद हैं, लेकिन कानून की असली ताकत उसके पालन में होती है। कागज पर सुरक्षा नीति बना देना पर्याप्त नहीं है। कार्यस्थल पर उसकी निगरानी, नियमित तकनीकी ऑडिट, प्रशिक्षित सुरक्षा अधिकारी, आपातकालीन चिकित्सा सुविधा और मजदूरों की भागीदारी भी जरूरी है। विशेषकर ऊंचाई पर काम करने वाले श्रमिकों के लिए सुरक्षा के मानकों में कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

एनटीपीसी प्रबंधन को चाहिए कि वह केवल चतरा परियोजना ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराए। सभी ठेका कंपनियों के लिए सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य किया जाए। मजदूरों को सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए और उन्हें यह अधिकार मिले कि असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने से इनकार कर सकें। सुरक्षा की कीमत उत्पादन लागत में शामिल होनी चाहिए, उसे अनावश्यक खर्च नहीं समझा जाना चाहिए।

मृतक मजदूरों के परिवारों के लिए तत्काल पर्याप्त मुआवजे की व्यवस्था होनी चाहिए। उनके बच्चों की शिक्षा और परिवार की आजीविका के लिए दीर्घकालिक सहायता दी जानी चाहिए। घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ठेका श्रमिकों को मिलने वाले मुआवजे और सामाजिक सुरक्षा में किसी तरह का भेदभाव न हो।

दरअसल, किसी भी परियोजना की सफलता का पैमाना सिर्फ यह नहीं होना चाहिए कि उसने कितनी बिजली पैदा की, कितने करोड़ का निवेश आया या कितने रोजगार देने का दावा किया गया। यह भी देखा जाना चाहिए कि उस परियोजना में काम करने वाले लोगों की जिंदगी कितनी सुरक्षित रही। यदि विकास की इमारत मजदूरों की असुरक्षित जिंदगी की नींव पर खड़ी होती है तो उसकी चमक पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

झारखंड की विडंबना यही है कि यहां की जमीन से निकले संसाधन देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करते हैं, लेकिन उसी जमीन पर रहने वाले गरीब और श्रमिक तबकों को अक्सर अपने जीवन की बुनियादी सुरक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ता है। खनिज संपदा से समृद्ध राज्य में श्रमिकों की सुरक्षा और सम्मान भी उतनी ही बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए, जितनी औद्योगिक निवेश और उत्पादन की वृद्धि।

चतरा का हादसा हमें यह सोचने के लिए विवश करता है कि क्या हम विकास को केवल आंकड़ों में मापने लगे हैं? क्या मजदूरों की मौत को भी परियोजना की लागत का हिस्सा मान लिया गया है? यदि ऐसा है तो यह केवल औद्योगिक व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता का संकट भी है।

मजदूर की जिंदगी किसी ठेके की शर्त नहीं है तीन मजदूरों की मौत के बाद कुछ परिवारों का संसार उजड़ गया है। उनके घरों में अब वह व्यक्ति नहीं लौटेगा, जो सुबह काम पर जाते समय परिवार को शाम को लौटने का भरोसा देता था। बिजली संयंत्र की मशीनें फिर चलने लगेंगी, निर्माण कार्य फिर शुरू हो जाएगा और उत्पादन के लक्ष्य भी पूरे होंगे। लेकिन जिन घरों में तीन कमाने वाले हमेशा के लिए चले गए, वहां की खामोशी कौन दूर करेगा?

इसलिए एनटीपीसी चतरा हादसे को एक सामान्य औद्योगिक दुर्घटना मानकर भुलाया नहीं जाना चाहिए। इसकी जांच का निष्कर्ष सामने आए, दोषियों की जवाबदेही तय हो और देश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों में श्रमिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की संवेदना को अब जवाबदेही की पहल में बदलने की जरूरत है। एनटीपीसी प्रबंधन को भी साबित करना होगा कि उसके लिए मजदूर केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा के अधिकारी मनुष्य हैं।

आखिर बिजली का उजाला तभी विकास का प्रतीक बन सकता है, जब उसे पैदा करने वाले मजदूरों के जीवन में अंधेरा न हो। विकास की असली कसौटी यह नहीं कि कारखानों में कितनी रोशनी पैदा हुई, बल्कि यह है कि उस रोशनी को पैदा करने वाले हाथ कितने सुरक्षित रहे।

- कुमार कृष्णन

आसियान मंच: भारत का दबदबा, मोदी की कूटनीतिक गूंज

-ललित गर्ग

किसी देश का वैश्विक प्रभाव केवल उसकी आर्थिक शक्ति, सैन्य क्षमता या जनसंख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि विश्व की महत्वपूर्ण शक्तियाँ उसकी बात को कितनी गंभीरता से सुनती हैं। आज भारत इसी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया के 11 देशों के संगठन आसियान का भारत सदस्य नहीं है, फिर भी उसके सर्वोच्च सम्मेलनों में भारत की उपस्थिति जिस सम्मान और अपेक्षा के साथ होती है, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है। हाल ही में फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुए 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय भागीदारी ने इस बदलती तस्वीर को और स्पष्ट किया है। यह दृश्य अपने आप में महत्वपूर्ण है कि भारत आसियान का सदस्य नहीं है, लेकिन आसियान की भविष्य-चर्चा में भारत को अलग रखकर क्षेत्रीय समीकरणों की कल्पना करना कठिन होता जा रहा है। यही भारत की कूटनीतिक यात्रा की सबसे ब ी उपलब्धियों में से एक है। 1991 की 'लुक ईस्ट' नीति से शुरू हुई यात्रा 2014 में 'एक्ट ईस्ट' नीति और अब व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टि तक पहुंची है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं आसियान को भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के केंद्र में बताया है। आसियान केवल भौगोलिक समूह नहीं है। यह आर्थिक शक्ति, समुद्री मार्गों, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं और हिंद-प्रशांत की रणनीतिक राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और तिमोर-लेस्ते जैसे देश भारत के लिए व्यापार, निवेश, समुद्री सुरक्षा, तकनीक और सांस्कृतिक संपर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मनीला में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और आसियान को प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को आधार बनाकर शांति, स्थिरता और विकास का वातावरण तैयार करना चाहिए। उन्होंने मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई और आसियान की एकता तथा केंद्रीयता को भारत के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह केवल कूटनीतिक भाषा नहीं है। इसके पीछे भारत की दीर्घकालीन रणनीति है-ऐसा हिंद-प्रशांत जिसमें किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो, छोटे देशों को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चलाने की जगह मिले और समुद्री मार्ग खुले रहें। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का एक विशिष्ट पक्ष यह है कि उन्होंने भारत को केवल 'बड़ा बाजार' या 'उभरती अर्थव्यवस्था' के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय एक विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। मनीला में इसका प्रमाण अनेक द्विपक्षीय मुलाकातों में दिखाई दिया। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ मोदी ने रक्षा, अंतरिक्ष, रेल, वित्तीय तकनीक तथा व्यापार और निवेश में सहयोग की प्रगति पर चर्चा की। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग के साथ डिजिटल क्षेत्र, कौशल, संपर्क, स्वास्थ्य, रक्षा-सुरक्षा और आर्थिक सहयोग की समीक्षा हुई। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल के साथ व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क, डिजिटल तकनीक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर विचार हुआ। मोदी की विदेश नीति का संदेश साफ है-भारत संबंधों का केवल दर्शक नहीं, बल्कि संबंधों की नई संरचना का सक्रिय निर्माता बनना चाहता है। इस पूरी यात्रा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की राजनीतिक दृष्टि को वैश्विक कूटनीतिक संवाद में ठोस स्वरूप देने में जयशंकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे केवल विदेश मंत्रालय के प्रशासक नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था को समझने वाले रणनीतिक चिंतक के रूप में भारत की विदेश नीति का प्रभावी चेहरा बने हैं। भारत की विदेश नीति में आज एक साथ अमेरिका, रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया और आसियान देशों के साथ संबंधों को संतुलित रखने की क्षमता दिखाई देती है। यह संतुलन किसी एक खेमे में जाने के बजाय भारत के राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंधों को आकार देने की नीति को दर्शाता है। जयशंकर की कूटनीति का मूल संदेश भी यही रहा है कि भारत किसी शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपने हितों और अपनी सभ्यतागत दृष्टि के आधार पर विश्व से संबंध बनाएगा। प्रधानमंत्री की राजनीतिक सक्रियता और विदेश मंत्री की रणनीतिक कूटनीति का यह संयोजन भारत की विदेश नीति को अधिक प्रभावशाली बना रहा है। मनीला सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति ने भी इस यात्रा को विशेष महत्व दिया। 17 नवंबर को मनीला में पहली बार क्वाड नेताओं का शिखर-स्तरीय संवाद हुआ, जिसमें मोदी, ट्रंप, जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची साने और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज शामिल हुए। इस घटनाक्रम का संदेश बहुत व्यापक है। भारत एक ओर आसियान के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड के माध्यम से हिंद-प्रशांत की रणनीतिक संरचना को भी मजबूत कर रहा है। इसका अर्थ किसी देश के विरुद्ध मोर्चेबंदी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, आपूर्ति शृंखलाओं, महत्वपूर्ण खनिजों, समुद्री सुरक्षा और तकनीकी सहयोग में साझेदारी को बढ़ाना है। यहां मोदी की विदेश नीति का एक नया आयाम दिखाई देता है-भारत अब शक्ति-संतुलन का निष्क्रिय हिस्सा नहीं, बल्कि शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने वाला केंद्र बनना चाहता है। आसियान देशों के लिए चीन एक बड़ा आर्थिक साझेदार है, लेकिन उसके साथ समुद्री और रणनीतिक विवाद भी हैं। दक्षिण चीन सागर में तनाव, आर्थिक निर्भरता और क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा के बीच आसियान देश किसी एक शक्ति पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। यही भारत के लिए बड़ा अवसर है। भारत को चीन का विकल्प बनने की जल्दबाजी करने के बजाय विश्वसनीय विकल्प बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

इसके लिए व्यापार घाटे को कम करना, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाना, आपूर्ति शृंखलाओं में भागीदारी बढ़ाना, निवेश को प्रोत्साहित करना और भारत-आसियान संपर्क परियोजनाओं को तेजी देना आवश्यक है। मनीला में घोषित समुद्री सहयोग योजना, साइबर प्रशिक्षण, अंतरिक्ष सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, परमाणु ऊर्जा, युवाओं और स्टार्ट-अप सहयोग तथा नालंदा में आसियान देशों के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति जैसी पहलें इसी नई दिशा की ओर संकेत करती हैं। भारत-आसियान संबंधों की सबसे बड़ी चुनौती व्यापार असंतुलन है। केवल आयात बढ़ाना या बाजार खोलना पर्याप्त नहीं होगा। भारतीय उद्योग को आसियान के बाजारों में अधिक आक्रामक, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति बनानी होगी। मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत की ताकत केवल अर्थव्यवस्था नहीं, उसकी संस्कृति भी है। रामायण की परंपरा से लेकर बौद्ध दर्शन, भारतीय भाषाओं, योग, आयुर्वेद और समुद्री व्यापार की प्राचीन स्मृतियों तक भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच सदियों पुराना संबंध है। आज आवश्यकता इस सभ्यतागत पूंजी को आधुनिक आर्थिक और तकनीकी साझेदारी से जोड़ने की है। मनीला सम्मेलन की सबसे बड़ी सीख यह है कि भारत को आसियान को केवल विदेश नीति की एक इकाई के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसे भारत के आर्थिक, सामरिक और सभ्यतागत पुनर्संपर्क का द्वार बनाना चाहिए। यदि भारत व्यापार, तकनीक, समुद्री सुरक्षा और संपर्क के साथ संस्कृति, शिक्षा और युवाओं को जोड़ देता है, तो आसियान भारत के लिए केवल एक बाजार नहीं रहेगा, वह भारत के हिंद-प्रशांत भविष्य का स्वाभाविक साझेदार बन सकता है। आज प्रधानमंत्री मोदी जिस आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंचों पर भारत की बात रखते हैं, उसके पीछे वर्षों की कूटनीतिक मेहनत, संस्थागत तैयारी और विदेश मंत्रालय की निरंतर सक्रियता है।

भारत की राजनीति में आरोप नही प्रमाण की जरूरत

देश को बदनाम करने से नहीं ,जनता का विश्वास जितने से मिलती है सत्ता भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका हैं। सरकार के कामकाज पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन सवाल उठाने और आरोप लगाने के बीच एक बड़ा अंतर होता है। किसी भी राजनीतिक दल को जनता के सामने अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, मगर उस बात के समर्थन में ठोस प्रमाण भी होने चाहिए। केवल भाषणों, नारों और आरोपों से न तो लोकतंत्र मजबूत होता है और न ही जनता का विश्वास जीता जा सकता है। कांग्रेस और राहुल गांधी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी राजनीति को आरोपों से निकालकर तथ्यों और जनहित के मुद्दों तक लेकर आएं। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस के भारत समिट ने एक बार फिर देश की राजनीति में बहस छेड़ दी है। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने चुनावी व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं और वर्ष 2014 के बाद की राजनीति पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया गया था। उनका यह भी कहना था कि राजनीतिक व्यवस्था में भारी मात्रा में पैसा लगाया गया और विपक्ष उस समय सदमे में था। उन्होंने सत्य और अहिंसा को कांग्रेस के दो प्रमुख हथियार बताते हुए, वर्तमान, भूतकाल और भविष्य की लड़ाई लड़ने की बात कही। लोकतंत्र में राहुल गांधी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन जब कोई नेता देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इतना गंभीर आरोप लगाता है तो उससे अपेक्षा होती है कि वह जनता के सामने ठोस प्रमाण भी रखे। केवल यह कह देना कि लोकतंत्र खत्म हो गया है, पर्याप्त नहीं है। यदि चुनावी व्यवस्था में गड़बड़ी है तो उसका विवरण, तथ्य और प्रमाण सामने आने चाहिए। जनता को भी यह समझना जरूरी है कि आरोप राजनीतिक भाषण का हिस्सा हैं या वास्तव में किसी गंभीर अनियमितता का प्रमाण। भारत समिट में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी को लेकर भी भाजपा नेताओं ने सवाल उठाए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पूछा कि कांग्रेस ऐसे लोगों को अपने राजनीतिक मंच पर क्यों जगह दे रही है, जिनके संबंध जॉर्ज सोरोस समर्थित ओपन सोसायटी नेटवर्क और एमनेस्टी इंटरनेशनल से जुड़े बताए जाते हैं। उन्होंने इक्वाडोर के पूर्व मंत्री गुइलौमें लांग और एमनेस्टी इंटरनेशनल के पूर्व महासचिव सलिल शेट्टी का उल्लेख करते हुए उनकी पृष्ठभूमि और भारत से जुड़े पुराने बयानों पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि इन लोगों को मंच देने के पीछे उसका उद्देश्य क्या है। भाजपा नेता सीआर केसवन ने भी सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रायोजित भारत समिट में राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने देश तथा लोकतंत्र के बारे में अपमानजनक बातें कहीं। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल कुछ विदेशी प्रतिनिधियों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इटली के नेता जियाकोमो फिलिबेक के भाषण का वीडियो सामने आने के बाद राहुल गांधी पर निशाना साधा। फिलिबेक ने अपने भाषण में कांग्रेस का नारा वोट चोर गद्दी छोड़ लगाया था। वीडियो में राहुल गांधी तालियां बजाते दिखाई दिए। इस पर रिजिजू ने सवाल किया कि जब कोई विदेशी व्यक्ति भारत का अपमान करता है तो उस समय कौन हंसता है? केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने भी विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश के आंतरिक राजनीतिक मुद्दे उठाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने मतदाता सूची से नाम हटाने के राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि मृत व्यक्तियों, दोहरे मतदाताओं और स्थायी रूप से दूसरी जगह जा चुके लोगों के नाम हटाना आवश्यक है। मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया है तो उसकी जांच होनी चाहिए, लेकिन पूरी प्रक्रिया को ही गलत बताना उचित नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत को बदनाम करके सत्ता हासिल नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को विदेश यात्राओं के बजाय गांव-गांव जाकर जनता से जुड़ना चाहिए। शाह ने कांग्रेस की लगातार चुनावी हार का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी अपना राजनीतिक असंतोष अलग-अलग तरीकों से निकाल रही है। उन्होंने कृषि, उद्योग, रेलवे, हवाई अड्डों, मेट्रो, अंतरिक्ष अनुसंधान और नई शिक्षा नीति जैसे क्षेत्रों में पिछले वर्षों में हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई दिशा पकड़ी है और उन पर भ्रष्टाचार का कोई ठोस आरोप साबित नहीं हुआ है। कांग्रेस के लिए इन राजनीतिक सवालों में एक बड़ी सीख छिपी है। जनता केवल भाषण सुनकर अपना निर्णय नहीं करती। वह सरकार के काम, नेताओं के व्यवहार और उनके दावों की सच्चाई भी देखती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि उसकी कथनी और करनी में अंतर दिखाई देने लगे तो जनता का भरोसा कमजोर होता है। बार-बार बड़े आरोप लगाने से पहले उन्हें प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। झूठ और अधूरे तथ्यों का पुलिंदा लंबे समय तक नहीं चल सकता। राजनीति में विश्वसनीयता सबसे बड़ी पूंजी होती है। आज का युवा, विशेषकर नई पीढ़ी, रोजगार, शिक्षा, तकनीक, अवसर और देश के भविष्य को लेकर गंभीर है। वह केवल राजनीतिक नारे नहीं सुनना चाहता, बल्कि यह जानना चाहता है कि उसके जीवन में सुधार के लिए कौन क्या कर रहा है। यदि राजनीति का केंद्र केवल विरोध और आरोप बन जाएगा तो युवा उससे दूरी बना सकता है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि सरकार का विरोध करते-करते देश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली भाषा से बचना भी उतना ही जरूरी है।



देश की कमियों पर सवाल उठाना देशविरोध नहीं है, लेकिन आलोचना तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए। कांग्रेस का जनाधार कमजोर होने के पीछे भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। पार्टी को यह देखना होगा कि जनता उससे क्यों दूर हो रही है। केवल भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार को निशाना बनाने से राजनीतिक भविष्य नहीं बन सकता। देश की जनता को विकास, सुरक्षा, रोजगार, सामाजिक सद्भाव और मजबूत नेतृत्व चाहिए। धर्म, समाज और राष्ट्रीय पहचान को लेकर विवादित टिप्पणियां करने के बजाय सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की जरूरत है। राजनीति में विरोध होना चाहिए, लेकिन विरोध का उद्देश्य देश को कमजोर करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए। भारत की जनता ने हमेशा उन नेताओं को महत्व दिया है जो कठिन परिस्थितियों में उसके साथ खड़े रहे, गांवों तक पहुंचे और विकास के लिए काम किया। जनता से जुड़ने वाला नेता ही उसकी अपेक्षाओं को समझ सकता है। सत्ता का रास्ता विदेशी मंचों पर भाषण देने या केवल नैरेटिव बनाने से नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों का विश्वास जीतने से निकलता है। लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता करती है और जनता के फैसले का सम्मान करना ही सच्ची लोकतांत्रिक भावना है।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मिलगत कमजोर रहने से गुरुवार को भी तिलहनों में सरसो बाजार नरमी के रहे। सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चना मजबूत देखा गया। किराना जिंसों में लगनसरा की माँग को देखते हुए तरबूज मगज और काजू बाजार तेजी पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सरसो सहित अन्य तिलहनों में पूछपरख है। सरसो में मिलगत कमजोर रहने से भावों में तेजी की स्थिति रही। रायडा व सोयाबीन में भी बाजार तेजी के रहे। खाद्य तेलों में बाजार बढ़त पर रहे। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर मजबूती पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5450-5580, खोपरा गोला 370-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा 315-325, मीडियम 335-345, बेस्ट 360-365, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 181-191, बेस्ट 200-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 275-325, सौंफ बारिक 175-275, बेस्ट 300-375, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 860-880, गारबल्ड 800-830, मटरदाना 890-911, खसखस अनक्लीन 800-850, क्लीन 1125-1375, दालचीनी 260-265, जायफल 800-825, वाद्यान फूल 360-375, बेस्ट 425-475, शाहजीरा 975-1050, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 275-350, बेस्ट 450-550, जावत्री 2450-2750, केसर 200-250, नाग केसर 1450, सौंठ 375-475, धोली मूसली 950-1050, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3250-3350, मीडि?यम 3425-3525, बेस्ट 3750-3825, एक्स्ट्रा बेस्ट 3875-3925, पानबार 3050-3100, बड़ी इलायची 1575-1625, बेस्ट 1675-1750, एक्स्ट्रा बेस्ट 1825-1925, तरबूज मगज 650-670, काजू (240) 1025-1050, काजू (320) 925-970, काजू एस.एस. डब्ल्यू 890-911, काजू जे.एच. 860-875, टुकड़ी 830-840, बादाम मगज 1225-1275, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 875-1075, बेस्ट 1150-1275, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100-3150, (160) 3300-3350, (200) 3400-3450, (250) 3800-3850,

तेल- सींगदाना 1840-1860, मुम्बई 1860, राजकोट तेलिया 2880, सोया साल्वेंट 1345-1350, सोया रिफाइंड 1395-1400, कपास्या 1370, धूलिया 1375, कड़ी 1380,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1825, मुम्बई पाम 1335, मुम्बई सोया 1440,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2660, देवास-उज्जैन 2660, खंडवा-बुरहानपुर 2440, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9400, रायडा 8400-8700, सोयाबीन 7300-7500, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7750-7800, विशाल 7650-7700, काबूली चना डॉलर 9500-10700, काबूली चना रशियन 7500-7700, बिटकी 7200-7400, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8900-9000, एवरेज 8600-8700, हल्की 8400-8500, महाराष्ट्र सफेद 9600-9800, महाराष्ट्र लाल 10000-10200, उड़द बेस्ट 9201-9101, उड़द गर्मी 8500-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-10000, उड़द मीडियम 6000-7000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2800-2900, लोकवन 3200-3400, मालवराज 3000-3050, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2800-2850, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2850-3000,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सैला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 5500-6000, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9500-10000, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-9000, मोगरा 5500-7500, तिबार 11000-12000, बासमती (921) 13000-14000, बासमती सैला 8500-10500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 480, उज्जैन 400, रतलाम 380 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 165500, चाँदी (99) 165300, टंच 164600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 134000,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ ही में 93.31 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में आठ पैसे टूटकर 93.49 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी पूंजी के प्रवाह से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.40 प्रति डॉलर पर खुला और फिर गिरकर 93.49 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 10 पैसे मजबूत होकर 93.41 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले के दो कारोबारी सत्रों में इसमें कुल 68 पैसे की तेजी आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत बढ़कर 103.90 पर रहा।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज वाहन और बैंक शेयरों में में हुई खरीदारी से भी बाजार को बल मिल मिला। विदेशी फंड्स की लगातार आवक और कमोडिटी की कीमतों में नरमी से भी बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 989.94 अंक उछलकर 83,021.75 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 286.35 अंक बढ़कर 25,514.30 पर बंद हुआ था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में सबसे ज्यादा मारुति सुजुकी के शेयर 7.58 फीसदी उछले। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा , एक्सिस बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर , भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी तरफ, आईटी शेयरों में गिरावट रही।, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज,



टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के शेयर सबसे अधिक गिरे। बाजार की इस तेजी के पीछे विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी का भी बड़ा हाथ रहा। विदेशी निवेशकों ने बुधवार को 5,866.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

वहीं आज एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई एएसएफ कंपोजिट और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में भी ज्यादातर तेजी रही।

अमेरिकी बाजारों की बात करें तो उसमें मिला-जुला रुख रहा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 1.11 फीसदी गिरा, एसएंडपी 500 में 0.23 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.42 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ था। वहीं इससे पहले आप सुबह भारतीय शेयर बाजारों में मुनाफावसूली का दबाव देखने को मिल रहा। बेंचमार्क इंडेक्स लगातार दूसरे सेशन में गिर गया है। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 81700 के नीचे फिसल गया है। निफ्टी भी कमजोरी के चलते 25100 तक फिसला।

यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लागू करने के प्रस्ताव फिलहाल टला

नई दिल्ली। एजेंसी। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने वाले यूपीआई ग्राहकों और दुकानदारों के लिए बड़ी राहत की खबर है। केंद्र सरकार ने यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) यानी पेमेंट प्रोसेसिंग फीस लागू करने के प्रस्ताव को फिलहाल टालने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी विधानसभा चुनावों और देशभर में व्यापारी संगठनों के मुखर विरोध के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। यह प्रस्ताव 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर 0.4 फीसदी एमडीआर लगाने का था। 75,000 रुपये या अधिक के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रखने का प्रावधान था। हालांकि, 2,000 रुपये तक के मर्चेंट पेमेंट और व्यक्ति-से-व्यक्ति ट्रांसफर पर कोई शुल्क नहीं लगना था। छोटे व्यापारियों (मासिक 1 लाख रुपए तक क्यूआर कोड भुगतान) को भी एमडीआर से छूट का प्रस्ताव था। सरकार इस फैसले को 2027 के विधानसभा चुनावों के बाद तक टाल सकती है, जिसमें अगले साल उत्तर प्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में चुनाव हैं। दिवाली से पहले 15 अक्टूबर को इसे लागू करने की योजना भी टल गई थी। व्यापारी संगठनों ने नो यूपीआई डे का ऐलान कर विरोध किया था, जिसे वित्त मंत्री से बातचीत के बाद वापस ले लिया गया। एनपीसीआई छोटे व्यापारियों को डिजिटल पेमेंट से जोड़ने के लिए यूपीआई व्यापार सक्षम योजना भी चला रहा है।



बड़ी कंपनियां ने अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाने की तैयारी में

नईदिल्ली। एजेंसी। दिवाली के बाद अब इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज बनाने वाली बड़ी कंपनियों ने अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाने की तैयारी कर ली है। पिछले कुछ समय से कंपनियों पर कच्चे माल, जरूरी चिप्स और सामान की ढुलाई का खर्च काफी बढ़ गया था जिसे त्योहारों की बिक्री के चलते रोका गया था। लेकिन अब कंपनियों का मुनाफा घटने लगा है जिसकी भरपाई करने के लिए ये बढ़ी हुई लागत का बोझ ग्राहकों पर डालने जा रही हैं। जान लें कौनसे कौन-कौन से सामान कितने महंगे होने वाले हैं। कीमतों में इस बढ़ोतरी का असर लगभग हर बड़े घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पर देखने को मिलेगा। होम अप्लायंस बनाने वाली प्रमुख कंपनियां जैसे हायर और गोदरेज ने अपने प्रोडक्ट्स की कीमतों में 7 प्रतिशत तक का इजाफा किया है। वहीं स्मार्ट टीवी की बात करें तो शाओमी ने भी अपने टीवी मॉडल्स के दाम 7 प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। अगर इस साल की शुरुआत से अब तक हुई कुल बढ़ोतरी को मिलाकर देखें तो टीवी की कीमतें कुल मिलाकर 20 प्रतिशत से ज्यादा और फ्रिज औल एसी जैसे घरेलू उपकरणों के दाम 15 से 20 प्रतिशत तक ऊपर जा सकते हैं। यानी अगर आप कोई 30000 रुपये का फ्रिज या एसी लेने की सोच रहे हैं तो आपको 2000 से 4500 रुपये तक एक्सट्रा चुकाने पड़ सकते हैं। अब सवाल यह उठता है कि अचानक ये कंपनियां दाम बढ़ाने के लिए मजबूर क्यों हुई हैं। इसके पीछे दो सबसे बड़े कारण हैं, पहला कच्चे माल की महंगाई और दूसरा चिप्स की कमी। हायर इंडिया के सीईओ सतीश एनएस का कहना है कि तांबा, एल्युमीनियम और स्टील जैसे कच्चे माल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं। जिससे कंपनियों के लिए अपना मार्जिन बचाना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा एक जगह से दूसरी जगह सामान ले जाने यानी फ्रेट कॉस्ट में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। वहीं स्मार्ट टीवी और गैजेट्स के महंगे होने की एक बड़ी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी है। दरअसल दुनिया भर में एआई डेटा सेंटर बनने की वजह से मेमोरी चिप्स की डिमांड बहुत बढ़ गई है और सप्लाई कम पड़ रही है जिससे चिप्स महंगे हो गए हैं।

आज का राशिफल



मेष- आज भाग्य आपके लिए तरक्की और सफलता के नए रास्ते खोल सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिए गए फैसले आपको अच्छा लाभ दिला सकते हैं। यदि आप किसी निवेश या नई योजना पर विचार कर रहे हैं, तो सभी पहलुओं को समझने के बाद ही आगे बढ़ें। कार्यक्षेत्र में आपके उत्साह, मेहनत और सकारात्मक रवैये का असर दूसरों पर भी दिखाई देगा।

वृषभ- आज आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं सफलता की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और सही निर्णय लेने की क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होने से आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। परिवार में शादी-विवाह या किसी शुभ समाचार के कारण खुशियों का माहौल बन सकता है। अपनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और घर में उत्साह बना रहेगा।

मिथुन- आज खुद को बेहतर बनाने और अपनी क्षमताओं को निखारने की इच्छा आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने व्यक्तित्व और कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश कर सकते हैं। घर में कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल उत्साह और खुशियों से भर जाएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी राय और सुझावों को महत्व मिल सकता है।

कर्क- आज जीवन में सुख-सुविधाओं और आराम से जुड़ी चीजों में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। नया वाहन खरीदने या घर से संबंधित कोई बड़ी खरीदारी करने का विचार मन में आ सकता है। अपनी जरूरतों और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर फैसला करेंगे तो खुशी के साथ संतुलन भी बना रहेगा। किसी जरूरतमंद मित्र की सहायता करने का अवसर मिल सकता है।

सिंह- आज आपकी मेहनत का शानदार परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयास सफल हो सकते हैं और कारोबार से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। निवेश के मामलों में भी सकारात्मक संकेत हैं, हालांकि कोई भी फैसला पूरी जानकारी हासिल करने के बाद ही लें। प्रेम जीवन में मधुरता और नजदीकियां बढ़ेंगी।

कन्या- आज आपकी मेहनत, लगन और जिम्मेदारी निभाने का तरीका आपको दूसरों के बीच अलग पहचान दिला सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अच्छा रह सकता है और कार्यक्षेत्र में उनके काम की सराहना होने की संभावना है। आपकी योग्यता और समर्पण वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए भी समय अनुकूल नजर आ रहा है।

तुला- आज समझदारी और दूरदर्शिता के साथ लिया गया कोई फैसला भविष्य में आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। कारोबार से जुड़ी जिन योजनाओं पर आप पिछले कुछ समय से काम कर रहे थे, वे अब सकारात्मक परिणाम देने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। नई रणनीतियां बनाने और कामकाज को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक- आज आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी मामलों में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होगी। पैसों से जुड़े किसी भी फैसले में जल्दबाजी न करें और अपनी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर ही आगे बढ़ें। अच्छी बात यह है कि किसी पुराने विवाद के समाप्त होने से मन को राहत मिल सकती है। लंबे समय से बनी तनावपूर्ण स्थिति अब धीरे-धीरे बेहतर होने की संभावना है।

धनु- आज सफलता के अच्छे अवसर आपके सामने आ सकते हैं। जिस काम को आप पूरी मेहनत और लगन के साथ शुरू करेंगे, उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र या सामाजिक जीवन में आपके अच्छे प्रयासों के लिए सम्मान अथवा पुरस्कार मिल सकता है। इससे मन में गर्व और संतोष का भाव रहेगा। कारोबार से जुड़ी पुरानी उलझनें धीरे-धीरे सुलझ सकती हैं और कामकाज में नई गति आने के संकेत हैं।

मकर- आज किसी भी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी करने के बजाय सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना आपके लिए जरूरी होगा। मन में चल रही उलझनों को शांत दिमाग से सुलझाने की कोशिश करें। किसी काम या भविष्य की योजना को लेकर असमंजस हो तो अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उपयोगी साबित हो सकता है। आज किसी नए काम की शुरुआत करने का विचार मन में आ सकता है।

कुंभ- आज कुछ छोटी-मोटी चुनौतियां आपके धैर्य और समझदारी की परीक्षा ले सकती हैं। कार्यक्षेत्र में विशेष सावधानी बरतें, क्योंकि कोई व्यक्ति आपके काम या छवि को प्रभावित करने की कोशिश कर सकता है। इसलिए अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाएं और अनावश्यक विवादों से दूर रहें। बढ़ते खर्चों के कारण आर्थिक चिंता हो सकती है, इसलिए बजट पर नजर रखना जरूरी होगा।

मीन- आज आपकी सकारात्मक सोच और उत्साह आपके कामकाज में नई ऊर्जा भर सकते हैं। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी और मन को राहत महसूस होगी। कारोबार से जुड़े लोगों की लंबी अवधि की योजनाएं अब गति पकड़ सकती हैं। जिन कामों को लेकर आप काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उनमें सकारात्मक प्रगति होने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8455

शब्द जाल में 10 प्रसिद्ध हास्य फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

दो जासूस, अलबेला, गोलमाल, शौकीन, चालबाज, हीरो हीरालाल, आगे की सोच, झूठी, अंगूर, पुष्पक.

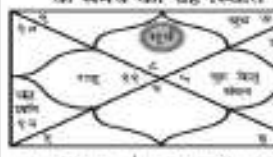
त	स	ही	लम	ली	अ	ल	वे	ला	प	दे
क	अ	अ	रे	त	अ	ला	र	न	र	जू
आ	स	शौ	क	ही	न	भि	द	गु	जू	व
जे	अ	की	आ	र	रा	गु	अं	प	दे	ल
की	अ	न	त	अ	ला	ला	न	श	मा	क
सो	वा	ल	वा	ज	न	द	ल	ल	व	त
च	अ	सी	र	जा	ला	गु	जो	प	दे	आ
ह	पु	मो	व	दो	वा	द	ह	झू	वै	ग
क	ष्य	ह	व	प	जा	द	व	प	र	र
र	क	ब्ब	फा	प	स	सू	ह	वि	वा	क
स	वा	तें	व	न	ज	द	स	गा	ह	र

शब्दजाल - 8454 का हल



दैनिक पंचांग

20 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	मीन में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	06.01 ब.से
धनु	08.21 बजे से
मकर	10.26 बजे से
कुंभ	12.12 बजे से
मीन	13.45 बजे से
मेष	15.16 बजे से
वृष	16.56 बजे से
मिथुन	18.54 बजे से
कर्क	21.07 बजे से
सिंह	23.24 बजे से
कन्या	01.36 बजे से
तुला	03.46 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 324 वा दिन। दिशाशूल पश्चिम ऋतु हेमन्त। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास कार्तिक पक्ष शुक्ल तिथि दशमी 07.16 बजे को समाप्त। नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 06.57 बजे को समाप्त। योग हर्षण 06.40 बजे तदनन्तर वज्र 04.56 बजे प्रातः को समाप्त। करण गर 07.16 बजे तदनन्तर वणिज 19.01 बजे को समाप्त। चन्द्रायु 10.7 घण्टे रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 38' सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872899 जूलियन दिन 2461364.5 कलियुग संवत् 5128 कल्पारंभ संवत् 1972949128 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128 वीरनिर्वाण संवत् 2552 हिजरी सन् 1448 महीना जमादि उस्सानी तारीख 09 विशेष कंस वध, देवुत्थान एकादशी, ईगास बग्वाल, कवि कालिदास जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से 07.23 बजे तक		रोग	05.38 से 07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक		काल	07.11 से 08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक	
काल	10.19 से 11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक		चर	02.51 से 04.23 बजे तक	
चर	04.10 से 05.38 बजे तक		रोग	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभता श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। www.Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अद्भुत मांग

प्रख्यात संत बाबा गुलाब चंद अघोरी अपने अद्भुत चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध थे। उनके चमत्कार देखकर लोग दांतों तले अंगुली दबा लेते थे। लोगों को लगातार चमत्कार दिखाते-दिखाते बाबा ने उनमें महारत हासिल कर ली। इससे उनमें अभिमान आ गया। उन्हें अहसास हो गया कि वह कुछ भी कर सकते हैं। वह जिन लोगों से मिलते, अपने चमत्कारों या अपनी सिद्धियों की चर्चा जरूर करते। एक दिन बाबा गुलाब चंद संत साहित्य के लेखक सुदर्शन सिंह 'चक्र' की एक कविता पढ़कर गदगद हो उठे। चक्र जी की कविता से बेहद प्रभावित होकर उन्होंने उनसे कहा, 'आज तुम जो मांगोगे वही मिलेगा। मांगो, दिल खोलकर मांगो।' बाबा की बात पर चक्र जी बोले, 'नहीं बाबा, मुझे कुछ नहीं चाहिए। बस मैं भगवान की भक्ति तथा साहित्य की साधना करता रहूं, यही मेरी आकांक्षा है।' चक्र जी के यह कहने पर भी बाबा बार-बार उनसे आग्रह करते रहे और बोले, 'आज मैं अपनी ओर से पहली बार आग्रह कर रहा हूं। नहीं मांगोगे तो बाद में पछताओगे।' यह सुनकर चक्र जी ने कहा, 'बाबा मैं जो मांगूंगा, उसे आप दे भी पाओगे या नहीं, पहले यह विचार कर लीजिए।' इस पर बाबा बोले, 'नहीं, तुम जो मांगोगे वह अवश्य मिलेगा, मैं तुमसे वादा करता हूं।' इसके बाद चक्र जी बोले, 'बाबा, तो आप यह आशीर्वाद दीजिए कि भारत में जितने रोगी हैं वे सब निरोगी हो जाएं, जो दरिद्र हैं वे दरिद्र न रहें।' चक्र जी की अद्भुत मांग सुनकर बाबा हैरान हो गए और फूट-फूट कर रोने लगे। वह चक्र जी के सामने नतमस्तक होकर बोले, 'आज तुमने मेरा अभिमान नष्ट कर दिया। आज मुझे यह पता चल गया है कि मनुष्य सभी कुछ करने की क्षमता नहीं प्राप्त कर सकता। चाहे वह कितनी ही सिद्धियां प्राप्त कर ले, वह अक्षम ही रहेगा। सर्व सक्षम तो केवल ईश्वर है।' बाबा की बात सुनकर चक्र जी वहां से चले गए।

फिल्म वर्ग पहेली- 7389



बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'सावित्रि' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शहनाज, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांग मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. काजल, श्यामा की 'तारों की चुनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जावेद, एशा, शाइमा, शिल्पा की 'उन से पूछो' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल टूटा टूटा तौबी' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, सारिका की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम वहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, मीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरुख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, संगीता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजय की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आब' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से आंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चांदी धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7388



Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7698

★ ☆ ☆ ☆ ☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7697 का हल



शब्द पहेली - 8913



बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी -3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर, नशा, गरुर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, मुठभेड़-4
7. रेखा, लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8912 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद फल-फूल रहे अवैध अहाते, घरों और ढाबों में सज रही शराब की महफिलें

बहेला, टेडवा, बोलेगांव, बेनेगांव और कारंजा सहित कई स्थानों पर शराब पिलाने की शिकायतें; महिलाओं और राहगीरों की बढ़ी परेशानी, एसडीएम ने कार्रवाई का दिया भरोसा

पदमेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश में शराबखोरी को हतोत्साहित करने और सार्वजनिक स्थानों पर मदिरापान की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सरकार ने शराब दुकानों के साथ संचालित होने वाले अहातों और शॉप बार पर प्रतिबंध लगाया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार ने भी अपनी आबकारी नीतियों में इस प्रतिबंध को बरकरार रखते हुए शराब दुकानों के आसपास मदिरापान की सुविधा समाप्त रखने का रुख स्पष्ट किया है। लेकिन लांजी क्षेत्र की तस्वीर सरकारी मंशा से बिल्कुल उलट नजर आ रही है। यहां शराब दुकानों के आसपास निजी मकानों, पक्के निर्माणों और अस्थायी ढाबों में कथित तौर पर शराब पिलाने के इंतजाम फल-फूल रहे हैं। शराबी स ट्रकों पर गाली-गलौज करते नजर आते हैं, महिलाओं और राहगीरों को असहज परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है और जिम्मेदार विभागों की निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में सरकार की मंशा और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर देखकर दिदया तले अंधेराश् कहावत चरितार्थ होती दिखाई दे रही है। हैरानी यह है कि इन गतिविधियों की लगातार शिकायतों और चर्चाओं के बावजूद प्रभावी कार्रवाई का इंतजार बना हुआ है।



सरकार की नीति में अहाते बंद, फिर कैसे चल रहा पूरा कारोबार?

गौरतलब है कि फरवरी 2023 में प्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति के तहत सभी शराब अहातों और शॉप बार को बंद करने का निर्णय लिया था, जिसे 1 अप्रैल 2023 से लागू किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में भी सरकार ने नशाखोरी को हतोत्साहित करने और आबकारी व्यवस्था में प्रतिबंधों को जारी रखने की नीति अपनाई। वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति में भी शराब दुकानों के अहाते बंद रखने का प्रावधान बरकरार है। इसके बावजूद लांजी क्षेत्र में शराब दुकानों के आसपास जिस तरह बैठाकर शराब पिलाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, वे सरकारी नीति के क्रियान्वयन पर प्रश्नचिन्ह बनकर उभरी हैं। सवाल यह है कि जब प्रदेश में अहातों के संचालन की अनुमति ही नहीं है तो फिर स्थानीय स्तर पर ऐसे अड्डे किसकी अनुमति अथवा किसकी शह पर संचालित हो रहे हैं?

बहेला-टेडवा से बोलेगांव तक घरों में ही तैयार कर दिए शराबखोरी के अड्डे

क्षेत्र के बहेला और टेडवा में स्थिति और भी खराब है, यहां शराब दुकानों के आसपास पक्के निर्माण कराकर लोगों को बैठाने की व्यवस्था किए जाने की शिकायतें हैं। बोलेगांव में पेट्रोल पंप के पहले संचालित ढाबे में रोज रात को महफिल सजती है तो बेनेगांव में मुख्य द्वार के सामने टीन के शेड में बेखौफ होकर शराब परोसी जा रही है। तथा टेडवा में शराब दुकान के 100 मीटर के दायरे में लगभग दो दर्जन घरों में अहाते जैसी गतिविधियां संचालित होने की जानकारी सामने आ रही है। इन स्थानों पर डिस्पोजल गिलास, अंडे, पानी की बोतलें, पाउच और गुटखा बेचकर शराब पीने वालों को बैठने की सुविधा दी जा रही है। लाडसा और कारंजा में भी यही स्थिति होने की बात सामने आ रही है। कुछ ढाबा संचालकों के दबंग व्यवहार के कारण स्थानीय लोग खुलकर विरोध करने से कतराते हैं। वहीं शराब पीने के बाद सड़क पर गाली-गलौज और अभद्र भाषा का इस्तेमाल आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। महिलाओं को भी ऐसे माहौल में असहज स्थिति का सामना करना प ड़ता है।

शराब दुकान संचालकों की भूमिका भी संदेह के घेरे में, प्रकाश व्यवस्था तक कराने की चर्चा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ कथित अहातों में प्रकाश व्यवस्था तक शराब दुकान संचालकों द्वारा कराए जाने की बात सामने आई है। यदि ऐसा है तो यह जांच का गंभीर विषय है कि शराब दुकान संचालकों और इन अहातों का संचालन करने वालों के बीच आखिर किस तरह का संबंध है। विवाद अथवा किसी अप्रिय स्थिति में अहाता संचालकों की भूमिका क्या रहती है और क्या वे शराब दुकान संचालकों के हितों में भी काम करते हैं, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कुछ अस्थायी ढाबों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने, विद्युत व्यवस्था उपलब्ध होने और पक्के निर्माण किए जाने के बावजूद इनके संचालन की वैधानिक स्थिति स्पष्ट नहीं है। वहीं पैकारों के माध्यम से घर पहुंच शराब उपलब्ध कराने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इन सभी बिंदुओं पर आबकारी विभाग की चुप्पी और निरीक्षण व्यवस्था लगातार सवालों के घेरे में है। हालांकि समाचार प्रकाशन के बाद हमेशा की तरह आबकारी विभाग छिटपुट कार्यवाही करके जनसंपर्क के माध्यम से अपनी पीठ जरूर थपथपाते नजर आते हैं।

कारंजा में नहर तक पहुंची शराबखोरी की गंदगी, किसान परेशान

कारंजा में शराब दुकान के बाजू से गुजरने वाली नहर भी शराबखोरी से फैलने वाली गंदगी की चपेट में है। आरोप है कि शराब पीने वाले लोग डिस्पोजल गिलास, पानी पाउच और प्लास्टिक की बोतलें नहर में फेंक देते हैं, जिससे कचरे का जमाव बढ़ रहा है और पानी के प्रवाह पर असर पड़ने की आशंका है। इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ सकता है। शनिवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दिन शराब दुकानों के आसपास भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। सबसे चिंताजनक शिकायत यह भी है कि कुछ कथित अहातों में नाबालिग बच्चों से काम कराया जा रहा है। यदि जांच में इसकी पुष्टि होती है तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध बाल संरक्षण एवं श्रम कानूनों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। शराब दुकानों के आसपास फैले प्लास्टिक कचरे और सार्वजनिक असुविधा को देखते हुए अब केवल औपचारिक निरीक्षण नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है।

इनका कहना है

यह समस्या काफी दिनों से मेरे संज्ञान में है। शीघ्र ही क्षेत्र की सभी शराब दुकानों को सूचीबद्ध तरीके से चिन्हित किया जाएगा और संबंधित संचालकों को हिदायत दी जाएगी कि वे नियमानुसार अपना व्यापार करें। अवैध रूप से संचालित अहातों को बंद कराने की कार्रवाई भी पुलिस प्रशासन के सहयोग से की जाएगी। किसी भी शराब दुकान या उसके आसपास कोई अवैध गतिविधि पाई गई तो उनके विरुद्ध शासन के नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी।

आदित्य नारायण तिवारी
एसडीएम लांजी

देवउठनी ग्यारस पर जागेंगे भगवान विष्णु, घर-घर सजेगा तुलसी विवाह का मंडप

दो दिनों तक मनाई जाएगी देवउठनी एकादशी, तुलसी-शालिग्राम विवाह

पदमेश न्यूज। लांजी। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी यानी देवउठनी ग्यारस का पर्व



क्षेत्र में 20 नवंबर, शुक्रवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। वहीं 21 नवंबर, शनिवार को तुलसी विवाह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर घरों और मंदिरों में भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के साथ तुलसी माता और भगवान शालिग्राम का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया जाएगा। देवउठनी ग्यारस के साथ ही चातुर्मास का समापन होगा और लंबे समय से प्रतीक्षित मांगलिक कार्यों की शुरुआत का मार्ग प्रशस्त होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। कार्तिक शुक्ल एकादशी पर भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने की मान्यता है। इसी कारण इस तिथि को देवउठनी, देवोत्थान और प्रबोधिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है।

दो दिनों में पड़ रही एकादशी तिथि

पंचांग के अनुसार इस वर्ष क ार्ति क शुक्ल एकादशी तिथि 20 नवंबर को सुबह लगभग 7:15 बजे प्रारंभ होकर 21 नवंबर को सुबह लगभग 6:31 बजे समाप्त होगी। स्थानं एवं सामान्य गृहस्थ परंपरा में 20 न व ं ब र को एकादशी का व्रत रखा जाएगा, जबकि वैष्णव परंपरा के श्रद्धालु 21 नवंबर को व्रत रखेंगे। स्थानीय पंचांग के अनुसार बालाघाट क्षेत्र में 21 नवंबर को सूर्योदय के समय भी एकादशी तिथि विद्यमान रहेगी। इसलिए श्रद्धालु अपनी पारिवारिक और संप्रदायगत परंपरा के अनुसार व्रत एवं पूजा करेंगे।

शाम को होगा तुलसी-शालिग्राम विवाह

नगर व क्षेत्र में देवउठनी ग्यारस पर दो दिनों तक तुलसी विवाह का आयोजन होगा। इसके लिए घरों में तुलसी चौरा और आंगन को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। तुलसी माता को दुल्हन की तरह श्रृंगार कर चुनरी, फूल-मालाओं और आभूषणों से सजाया जाएगा। वहीं भगवान शालिग्राम को वर के रूप में विराजित कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विवाह की रस्में पूरी की जाएंगी। तुलसी विवाह के लिए शाम का प्रदोष काल विशेष शुभ माना जाता है। बालाघाट क्षेत्र में सूर्यास्त लगभग शाम 5:26 बजे होगा। ऐसे में सूर्यास्त के बाद गोधूलि एवं प्रदोष काल में विवाह की रस्में संपन्न कराई जा सकती हैं। सामान्य रूप से शाम 5:26 बजे से रात 8 बजे के आसपास तक का समय इसके लिए अनुकूल रहेगा।

बाजारों में दिखेगी पर्व की रौनक

देवउठनी ग्यारस और तुलसी विवाह को लेकर क्षेत्र के बाजारों में भी चहल-पहल रहने की उम्मीद है। गन्ना, सिंघाड़ा, मौसमी फल, फूल-माला, पूजन सामग्री और सजावट की वस्तुओं की खरीदारी की जाएगी। परंपरा के अनुसार घरों में गन्ने से मंडप बनाकर भगवान (विष्णु) सालिग्राम और तुलसी माता की पूजा की जाती है। शाम होते ही घरों के आंगन और तुलसी चौरे पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम व सीईओ ने सुनार ककोड़ी में स्कूल व पंचायत का किया औचक निरीक्षण

स्कूल परिसर में शराबखोरी और हुड़दंग पर जताई नाराजगी, अवैध शराब बिक्री करने वालों को दी सख्त चेतावनी; पंचायत कार्यों की शिकायत पर जनपद सीईओ के साथ निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पदमेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली, निर्माण कार्यों में लापरवाही और गांव की बिगड़ती व्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों द्वारा जनपद पंचायत एवं एसडीएम कार्यालय में शिकायत किए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया। ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी ने 18 नवंबर को जनपद पंचायत लांजी के सीईओ अंकित सिंघई के साथ ग्राम पंचायत सुनार ककोड़ी पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल परिसर से लेकर पंचायत कार्यालय और गांव में संचालित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा शिकायत की गई थी कि गांव में असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार हुड़दंग किया जाता है। स्कूल परिसर में शराबखोरी के बाद शराब की खाली बोतलें और डिस्पोजल फेंके जाते हैं। इसके अलावा क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बिक्री की गतिविधियां भी संचालित हो रही हैं। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम और जनपद सीईओ ने मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का निरीक्षण किया।



स्कूल परिसर की सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान स्कूल परिसर की स्थिति सामने आई। स्कूल की बाउंड्रीवॉल अधूरी होने के कारण परिसर में असामाजिक तत्वों की आसानी से आवाजाही हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार यहां शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे शराब की खाली बोतलें और डिस्पोजल परिसर में बिखरे रहते हैं। इससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक वातावरण और सुरक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। एसडीएम ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को स्कूल परिसर की सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

अवैध शराब बिक्री, और हुड़दंगियों को नहीं बख्शा जाएगा

इसी दौरान क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की शिकायत को भी गंभीरता से लिया गया। एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी ने चौक पर ठेले और ढाबे संचालित करने वालों को मौके पर ही सख्त हिदायत देते हुए स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री और इस तरह की असामाजिक गतिविधियां किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। भविष्य में ऐसी गतिविधियां दोबारा सामने आने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी इसके बाद एसडीएम और जनपद सीईओ ने ग्राम पंचायत में कराए गए निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान शौचालयों का निर्माण पूरा होने के बावजूद उनका हैंडओवर नहीं किए जाने की बात सामने आई। अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की प्रगति और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा अधूरी प्रक्रियाओं को जल्द पूरा कर व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने के निर्देश दिए।

पंचायत में की त्वरित बैठक

पंचायत कार्यालय में सरपंच, सचिव और पंचों के साथ बैठक कर पंचायत की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा की गई। इस दौरान एसडीएम और जनपद सीईओ ने पंचायत प्रतिनिधियों एवं पंचायत अमले को नियमानुसार कार्य करने, ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेने और आपसी समन्वय बनाकर गांव के विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। दोनों ही अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पंचायत की जिम्मेदारी केवल निर्माण कार्य करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना, शासकीय योजनाओं का सही क्रियान्वयन करना और ग्रामीणों की समस्याओं का समय पर निराकरण करना भी पंचायत की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

अर्धवार्षिक परीक्षा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति परखने का अवसर- प्राचार्य फुल्झारे

पदमेश न्यूज। लांजी। अर्धवार्षिक परीक्षा विद्यार्थियों के लिए केवल अंकों का मूल्यांकन नहीं, बल्कि उनकी अब तक की शैक्षणिक तैयारी, विषयों की समझ और अध्ययन के प्रति नियमितता को परखने का महत्वपूर्ण अवसर है। विद्यार्थियों को परीक्षा को तनाव के रूप में लेने के बजाय अपनी मेहनत, ज्ञान और प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। यह बात विद्यालय के प्राचार्य जी. के. फुल्झारे ने अर्धवार्षिक परीक्षा में सम्मिलित हो रहे विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कही। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, समय-प्रबंधन, आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ परीक्षा देने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत विद्यालय में अर्धवार्षिक परीक्षा 2026 का आयोजन निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार प्रारंभ हो चुका है। कक्षा 11वीं की परीक्षाएँ 18 नवंबर से शुरू हो गई हैं, जबकि कक्षा 9वीं की परीक्षाएँ 21 नवंबर से प्रारंभ होंगी। परीक्षा प्रक्रिया आगामी 1 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगी। परीक्षा को लेकर विद्यालय प्रबंधन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं तथा विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया है। प्राचार्य फुल्झारे ने कहा कि अर्धवार्षिक परीक्षा विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक प्रगति का आकलन करने का अवसर प्रदान करती है। परीक्षा के परिणाम से विद्यार्थियों को अपनी कमजोरियों और खूबियों को समझने में मदद मिलेगी, जिससे वे आगामी परीक्षाओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अंतिम समय में अनावश्यक तनाव लेने के बजाय समय-सारणी बनाकर सभी विषयों का नियमित अध्ययन करना चाहिए। पढ़े गए पाठों का बार-बार पुनरावर्तन करें तथा प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास भी करें, ताकि परीक्षा के दौरान समय का उचित प्रबंधन किया जा सके। उन्होंने विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता के लिए निरंतर मेहनत, एकाग्रता और सकारात्मक सोच आवश्यक है। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए केवल पढ़ना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि विषयों को समझना और आत्मविश्वास के साथ उत्तर प्रस्तुत करना भी जरूरी है। विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान ईमानदारी एवं अनुशासन का पालन करते हुए अपनी वास्तविक प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहिए। इधर, विद्यालय परिवार ने भी परीक्षा में शामिल हो रहे सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यार्थियों से अपेक्षा की गई है कि वे परीक्षा को अपनी तैयारी परखने का माध्यम बनाएं और प्रत्येक विषय में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी लगन से प्रयास करें। नियमित अध्ययन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ विद्यार्थी निश्चित रूप से सफलता की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

रिसेवाड़ा में पेंशनर्स एसोसिएशन का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

22 को कारंजा, 25 को भानेगांव में एवं 29 को लांजी में पेंशनर्स एसोसिएशन का दीपावली मिलन

पदमेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के तत्वावधान में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में 18 नवंबर, बुधवार को बोहला सेक्टर के ग्राम रिसेवाड़ा स्थित पंचायत भवन में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पेंशनरों ने आपस में मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं और एक-दूसरे का कुशलक्षेम जाना। साथ ही पेंशनरों से जुड़ी समस्याओं एवं उनके निराकरण के संबंध में भी चर्चा की गई। कार्यक्रम जनाबाई कोसरकर के मुख्य आतिथ्य में व के एसआर ठाकरे की अध्यक्षता में एवं सी एल मस्करे, एम एल कुतरिये, एन डी बावनथड़े के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। इस दौरान सभी पेंशनर साथियों ने आपसी मेल-मिलाप के साथ अपने अनुभव साझा किए और संगठन की गतिविधियों पर चर्चा की। समारोह में पेंशनरों को आवश्यक जानकारी देते हुए बताया गया कि सभी पेंशनर नवंबर माह के अंत तक अपना जीवन प्रमाण पत्र संबंधित बैंक में अनिवार्य रूप से जमा करा दें, ताकि पेंशन भुगतान में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पेंशनरों को मिलने वाले अतिरिक्त लाभ के संबंध में भी जानकारी दी गई। ऐसे पेंशनरों से अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित बैंक से संपर्क कर नियमानुसार लाभ प्राप्त करने की अपील की गई। इस अवसर पर आगामी दीपावली मिलन समारोहों के आयोजन को लेकर भी चर्चा की गई। इसके तहत 22 नवंबर को कारंजा, 25 नवंबर को भानेगांव एवं 29 नवंबर को लांजी मुख्यालय में मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। संगठन की ओर से क्षेत्र के सभी पेंशनर साथियों से इन आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आपसी एकता, भाईचारे और संगठनात्मक भावना को मजबूत बनाने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में एस आर ठाकरे, आई एस चौहान, टी डी लिल्हारे, एन एल बसेना, एन आर दहीकर, छबीलाल मस्करे, डी आर सोनवाने, नामदेव बावनथड़े, एन एल कुतरिये, पी डी दसरिये,



टी आर लिल्हारे, डी आर लिल्हारे, बी आर वहे, बी आर सोनवाने, बी आर ठोके, घनश्याम रामटेककर, एस आर मानकर, के एच बागहणकर, टी डी पटले, बाबूलाल डोहरे, जे एल चौधरी, के एल बनोठे, गोरेलाल जाभुरे, ज्ञानीराम भण्डारकर, सीताराम घोरमारे, डी आर बनोठे, पवनलाल नगपुरे, एच सी गोतमारे, सुखचंद लिल्हारे, उमंग

सिवनी के निलंबित ASP और SDOP भोपाल अटैच, 5 को जबलपुर बुलाया, गांजा कांड में जांच पर उठ रहे सवाल

सिवनी। होटल में प्रेमी युगल को गांजा के केस में फंसाने की धमकी देने वाले पुलिसकर्मियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। गृह विभाग की अवर सचिव अवू भलावी ने बुधवार को इस मामले के मुख्य किरदार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दीपक मिश्रा व एसडीओपी चंचलेश मरकाम का निलंबन आदेश जारी कर दोनों को पुलिस मुख्यालय भोपाल अटैच कर दिया है।

वहीं जबलपुर आईजी प्रमोद कुमार वर्मा ने कोतवाली टीआई सतीश तिवारी, प्रधान आरक्षक नवीन तिवारी, एएसपी के आरक्षक ड्राइवर कृष्ण परते, गनमैन सलमान खान व यातायात प्रभारी विजय बघेल को निलंबित कर रक्षित केंद्र जबलपुर अटैच किया है।

जांच छिंदवाड़ा रेंज के डीआईजी तरोहण कुमार सिंह को सौंपी गई है

इस मामले की जांच छिंदवाड़ा रेंज के डीआईजी राकेश कुमार सिंह को सौंपी गई है, जो पूर्व में एएसपी दीपक मिश्रा के साथ पदस्थ रह चुके हैं। ऐसे में जांच पर ही सवाल उठ रहे हैं। यह भी सामने आया है कि भोपाल में शिकायत करने वाले सिवनी से भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने ही दीपक मिश्रा की पदस्थापना कराई थी।



विधायक ने भी स्वीकारा, की थी सिफारिश

एएसपी दीपक मिश्रा सिवनी जिले में बीते डेढ़ दशक के दौरान चंसौर थाना प्रभारी, कोतवाली थाना प्रभारी के अलावा खवासा बार्डर में आरटीओ और लखनादौन एसडीओपी के तौर पर पदस्थ रहे। जुलाई 2025 में सिवनी एएसपी बनाने के लिए मिश्रा ने विधायक से अनुशंसा पत्र लिखवाया था।

लखनादौन एसडीओपी रहते समय मुनमुन राय उनसे काफी प्रभावित थे। विधायक ने भी स्वीकार किया है कि उन्होंने मिश्रा के लिए सिफारिशी चिट्ठी लिखी थी। यह भी एक संयोग है कि छिंदवाड़ा डीआईजी राकेश सिंह चार साल पहले तक सिवनी के एसपी रहे थे। उस दौरान एएसपी दीपक मिश्रा लखनादौन में एसडीओपी के पद पर तैनात थे।

सरकार पर हमलावर विपक्ष

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जीतू पटवारी ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए लिखा है कि पुलिस की गुंडागर्दी भाजपा सरकार के राज में फैले भ्रष्टाचार की पोल खोल रहा है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, तो आम आदमी कानून और न्याय के लिए आखिर किसके पास जाए।

होटल कांड में अन्य पुलिसकर्मियों की संलिप्तता की जांच की मांग

गुरुवार को अधिवक्ता व बजरंग दल ने डीआईजी को पत्र सौंपकर होटल कांड में अन्य पुलिस कर्मियों की संलिप्तता की जांच की मांग भी की है। कुछ अधिवक्ताओं ने बुधवार को राज्यपाल, मुख्यमंत्री व डीजीपी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए एसपी कृष्ण लालचंदानी को जिले से हटाने की मांग उठाई।

बता दें कि इससे पहले अक्टूबर 2025 हवाला कांड में करीब तीन करोड़ रुपये की संगठित लूट ने सिवनी पुलिस की किरकिरी कराई थी। इस मामले में एसडीओपी पूजा पांडे समेत 11 पुलिसकर्मी नपे थे।

भोपाल इज्तिमा में 35 हजार वालेंटियर्स संभालेंगे मोर्चा

- 10 लाख मेहमानों के लिए 350 एकड़ में पार्किंग, 120 एकड़ में तैयार हो रहा विशाल पंडाल

भोपाल। राजधानी के ईंटखेड़ी में 4 से 7 दिसंबर तक होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा में इस बार 10 लाख से अधिक मेहमानों के पहुंचने का अनुमान है। चार दिन तक चलने वाले इस बड़े आयोजन की व्यवस्थाएं संभालने के लिए 35 हजार वालेंटियर्स को फौज मैदान में उतरेंगी। इनमें 15 हजार वालेंटियर्स यातायात व्यवस्था संभालेंगे, जबकि 20 हजार भीड़ नियंत्रण, पार्किंग, साफ-सफाई और अन्य इंतजामों की जिम्मेदारी उठाएंगे।

इज्तिमा की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच रही हैं। आयोजन स्थल पर करीब 120 एकड़ में विशाल पंडाल तैयार किया जा रहा है। वहीं, वाहनों की पार्किंग के लिए आसपास 350 एकड़ जमीन पर अलग-अलग पार्किंग जोन विकसित किए जा रहे हैं। छोटे, मध्यम और बड़े वाहनों के लिए अलग-अलग व्यवस्था होगी, ताकि लाखों लोगों की आवाजाही के दौरान अव्यवस्था न हो।

प्लास्टिक पर पाबंदी, बचे भोजन से बनेगी खाद

इस बार इज्तिमा को पर्यावरण अनुकूल बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। आयोजन स्थल पर सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि, पानी की बोतलों को इससे छूट दी गई है। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्र किया जाएगा। बचे हुए भोजन से खाद बनाने और गंदे पानी के ट्रीटमेंट की व्यवस्था भी की जाएगी। इंतजामिया कमेटी के प्रवक्ता जमर इकबाल खान के अनुसार, पंडाल का स्ट्रक्चर तैयार हो चुका है। सफाई सहित दूसरी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बड़ी संख्या में लोग श्रमदान के लिए भी पहुंच रहे हैं। चार दिवसीय आयोजन का समापन 7 दिसंबर को सामूहिक दुआ के साथ होगा।

96 लाख की अंग्रेजी शराब से भरा ट्रक पकड़ाया

भोपाल। थाना निशातपुरा पुलिस ने अवैध रूप से अंग्रेजी शराब लेकर जा रहे आयशर ट्रक को जब्त किया है। वाहन में 1075 पेटी अंग्रेजी शराब रखी थी, जिसकी कीमत करीब 96 लाख रुपए और ट्रक की कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई गई है। बताया गया है कि ट्रक चालक ने करौंद चौराहे पर पुलिस को देखकर वाहन नहीं रोका और भागने के दौरान आधार अस्पताल के पास एक कार को टक्कर मार दी। पुलिस टीम ने पीछा कर पीपुल्स मॉल के पास ट्रक को पकड़ लिया। आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने चालक की गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, 18 नवंबर की रात सूचना मिली कि एक आयशर ट्रक गांधीनगर से करौंद की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने करौंद चौराहे पर ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका। और तेज रफ्तार से भागने लगा आगे जाकर आधार अस्पताल के पास एक कार को टक्कर मारते हुए निकल गया। पुलिस टीम ने ट्रक का पीछा कर पीपुल्स मॉल के पास उसे रोक लिया। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें अंग्रेजी शराब की 1075 पेटियां मिलीं। इनमें ब्लैक फोर्ट प्रीमियम रम की 90, 180 और 750 एमएल की बोतलें थीं। पुलिस ने कुल करीब 9700 लीटर शराब जब्त की है। चालक शराब के क्रय-विक्रय और परिवहन से संबंधित कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। ट्रक में रखी प्रत्येक पेटी पर सोम डिस्टलरीज एंड ब्रेवरीज लि, ग्राम रोजगावक, जिला रायसेन (मप्र) का नाम अंकित था। पुलिस ने माल सहित ट्रक को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार चालक की पहचान राम किशन बमोरिया (38), निवासी मंडीदीप, जिला रायसेन के रूप में हुई है। पुलिस यह जानकारी जुटा रही है कि शराब कहां से लाई गई थी, और इसे कहां भेजा जा रहा था।



34 लाख वोटरों को तलाशने घर-घर खंगालेंगे मतदाता सूची

भोपाल। मध्य प्रदेश में मतदाता सूची से 34 लाख से ज्यादा नाम हटाए जाने का मुद्दा अब कांग्रेस के लिए बड़ा राजनीतिक अभियान बनने जा रहा है। पार्टी केवल निर्वाचन आयोग के आंकड़ों पर सवाल उठाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि हटाए गए मतदाताओं के घर तक पहुंचकर उनकी हकीकत पता करेगी। इसके लिए विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों को मैदान में उतरने की जिम्मेदारी दी गई है।

कांग्रेस 22 से 30 नवंबर तक प्रदेशभर में वोटर रक्षक अभियान चलाएगी। इसके तहत विशेष गहन पुनरीक्षण में हटाए गए 34,25,078 मतदाताओं के नामों का घर-घर जाकर सत्यापन किया जाएगा। पार्टी जानना चाहती है कि किन मतदाताओं के नाम वास्तव में नियमों के तहत हटाए गए और किनके नामों को लेकर आपत्ति की गुंजाइश है। इस अभियान के जरिए कांग्रेस मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों का बूथवार रिकॉर्ड भी तैयार करेगी।

हर बूथ पर तैनात होंगे वोट रक्षक

कांग्रेस ने इस अभियान को बूथ स्तर तक ले जाने की तैयारी की है। प्रत्येक बूथ पर एक वोटर रक्षक नियुक्त किया जाएगा। इसमें बूथ लेवल एजेंट , बूथ कमेटी के सदस्य और मंडलम अध्यक्षों को जिम्मेदारी दी जाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से लेकर विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि भी घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। वोट रक्षकों को प्रतिदिन की गतिविधियों और सत्यापन का ब्योरा पार्टी के निर्धारित पोर्टल पर दर्ज करना होगा। इसके लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आईएमपीओटीई आरएचईएसएचएचएचडॉटइन पर रिपोर्टिंग की व्यवस्था की गई है। केंद्रीय संगठन भी अपने पर्यवेक्षकों के माध्यम से अभियान की निगरानी करेगा।

वोट चोरी के आरोपों को आंकड़ों में बदलने की तैयारी

कांग्रेस इस अभियान के जरिए वोट चोरी के अपने आरोपों को तथ्यात्मक आधार देने की कोशिश करेगी। सत्यापन से सामने आने वाले निष्कर्षों के आधार पर विधानसभा क्षेत्र, लोकसभा क्षेत्र और प्रदेश स्तर की अलग-अलग रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इन रिपोर्टों को निर्वाचन आयोग के सामने रखा जाएगा। पार्टी की रणनीति है कि केवल राजनीतिक आरोप लगाने के बजाय बूथवार ऐसे मामलों का विवरण जुटाया जाए, जिनमें मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके बाद 29 नवंबर से 15 दिसंबर तक ग्राम चौपालों का आयोजन कर लोगों को अभियान के निष्कर्ष बताए जाएंगे।

दिल्ली के बजाय अब प्रदेशों में आंदोलन

कांग्रेस ने वोट बचाओ-देश बचाओ कार्यक्रम के तहत अपनी रणनीति में भी बदलाव किया है। अब दिल्ली में प्रदर्शन करने के बजाय राज्यों में अभियान और जनसंपर्क गतिविधियों पर जोर दिया जाएगा। इसी क्रम में 26 नवंबर को संविधान रक्षा मार्च आयोजित किया जाएगा। कुल मिलाकर कांग्रेस का यह अभियान मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक और संगठनात्मक दोनों मोर्चों पर सक्रियता बढ़ाने की कोशिश है। नौ दिनों के सत्यापन के बाद पार्टी के पास हटाए गए मतदाताओं का अपना आंकड़ा होगा। हालांकि, इस पूरी कवायद की असली परीक्षा इस बात से होगी कि सत्यापन में कितने नामों को लेकर वास्तविक गड़बड़ी सामने आती है और निर्वाचन आयोग उन पर क्या कार्रवाई करता है।

2030 तक 6जी में दुनिया की अगुवाई करेगा भारत

भोपाल। मध्यप्रदेश को टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भोपाल में गुरुवार को आयोजित टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) इन्वेस्टर मीट में पहले चरण के लिए 3611 करोड़ रुपए के निवेश का रास्ता साफ हुआ। इससे प्रदेश में 15,259 युवाओं को सीधे रोजगार मिलने की संभावना है। निवेश को जमीन पर उतारने के लिए 31 कंपनियों ने भागीदारी की, जबकि 25 निवेशकों को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) सौंपे गए। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेशकों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। दूसरे चरण के विस्तार के लिए 450 एकड़ जमीन को कैबिनेट की मंजूरी भी मिल चुकी है। खास बात यह है कि निवेशकों को स्पेस ऑप्टिमिक्स ढांचा और प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है, ताकि कंपनियां बिना लंबी प्रक्रियाओं में उलझे उत्पादन शुरू कर सकें। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत के दूरसंचार क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है।

भाजपा में नियुक्तियों पर नेताओं का दबाव नहीं चलेगा

शिवप्रकाश की दो टूक- संगठन ही तय करेगा पदाधिकारी, बेखौफ होकर भेजें नाम

भोपाल । मध्यप्रदेश भाजपा में संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर चल रही खींचतान पर अब पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने सख्त रुख अपना लिया है। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने साफ कर दिया है कि संगठन में नियुक्तियां किसी नेता की पसंद या सिफारिश से नहीं, बल्कि संगठन की जरूरत और कार्यकर्ताओं की सक्रियता के आधार पर होंगी। उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग और जिला प्रभारियों तथा जिलाध्यक्षों को दो टूक कहा कि वे मंत्री, विधायक और सांसदों के दबाव में आए बिना निष्पक्ष होकर नाम तय करें।

शिवप्रकाश ने यहां तक कहा कि अब वे यह नहीं सुनना चाहते कि किसी बड़े नेता के दबाव के कारण नियुक्तियां नहीं हो पा रही हैं। दिल्ली से भोपाल तक बार-बार नियुक्तियां पूरी करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन परिणाम सामने नहीं आ रहे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है और अब ऐसा नहीं चलेगा। जिला प्रभारी और जिलाध्यक्ष आपस में बैठकर निर्णय लें और पार्टी के प्रति समर्पित तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम प्रदेश संगठन को भेजें।

नेताओं की सिफारिश नहीं, संगठन की पसंद चलेगी

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में शिवप्रकाश ने नियुक्तियों में हो रही देरी और नेताओं के हस्तक्षेप पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक पदों पर नियुक्ति का अधिकार संगठन के पास है। इसलिए पदाधिकारी किसी दबाव के कार्यकर्ताओं के नाम सुझाएं। स्थानीय नेताओं से चर्चा जरूर करें, लेकिन चयन का आधार कार्यकर्ता की सक्रियता, समर्पण और संगठन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता होना चाहिए। उन्होंने जिलाध्यक्षों को निकायों में एल्डरमैन, जनभागीदारी समितियों के साथ ही मोर्चों और प्रकोष्ठों में खाली पदों पर जल्द नियुक्तियां करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाध्यक्षों ने प्रदेश कार्यसमिति के लिए अपने-अपने जिलों से दो-दो नामों के प्रस्ताव भी सौंपे। इसके अलावा संगठन के रिक्त पदों के लिए भी नामों की सूची दी गई।

हर विधानसभा से दो सेवा दूत, दूसरे जिलों में करेंगे काम

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए भाजपा अब सेवा दूत अभियान को भी नए तरीके से आगे बढ़ाएगी। शिवप्रकाश ने बताया कि हर विधानसभा क्षेत्र से दो सेवा दूत चुने जाएंगे। 25 नवंबर को इनका प्रशिक्षण होगा। प्रशिक्षण के बाद ये दूसरे जिलों में जाकर संगठनात्मक गतिविधियों में अपनी सेवाएं देंगे। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बताया कि एक से 25 दिसंबर तक प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर विशेष सेवा दूत अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत पूर्णकालिक कार्यकर्ता विधानसभा क्षेत्रों में प्रवास कर संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और स्थानीय पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाएंगे।

पद के साथ जवाबदेही भी निभानी होगी

शिवप्रकाश ने कहा कि भाजपा के संगठन की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। संगठन में पद मिलना केवल दायित्व नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं और जनता के प्रति जवाबदेही भी है। संगठनात्मक मजबूती के लिए बेहतर संवाद, समन्वय और आपसी विश्वास जरूरी है।

नरसिंहपुर में हाईटेंशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में 51 निर्माण चिन्हित, हटाने के नोटिस जारी

भोपाल। नरसिंहपुर जिले में अति उच्च दाब (ईएचटी) ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित सुरक्षा कॉरिडोर में किए गए 51 निर्माणों को जानलेवा खतरे की जद में चिन्हित किया गया है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के निर्देशों के पालन में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने विशेष जागरूकता एवं कार्रवाई अभियान शुरू किया है। इसके तहत संबंधित निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी कर स्वयं अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

एमपी ट्रांसको के अनुसार, नरसिंहपुर–श्रीनगर, नरसिंहपुर इंटरकनेक्टर, नरसिंहपुर–बरमान और नरसिंहपुर–गाडरवारा 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे और आसपास ये निर्माण किए गए हैं। चिन्हित निर्माणों में यादव कॉलोनी के 15, वर्धमान सिटी के 13, गोकुल नगर के 6, सिमरिया रोड के 4, तिदनी रोड के 3, अवंती नगर और झरना रोड के 2–2 तथा प्रताप नगर, गंगानगर, देवकछार रोड, कुंडी और कोदसा (करेली) के एक-एक निर्माण शामिल हैं।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की गाइडलाइन के अनुसार 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के दोनों ओर कम से कम 27 मीटर और 220 केवी लाइन के दोनों ओर 35 मीटर का सुरक्षा कॉरिडोर निर्धारित है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का निर्माण प्रतिबंधित है। तेज हवा या अन्य कारणों से तारों के झूलने की स्थिति में उनके संपर्क में आने अथवा नजदीक पहुंचने से गंभीर विद्युत दुर्घटना हो सकती है।

कंपनी के अनुसार, इन लाइनों का वोल्टेज घरेलू बिजली की तुलना में लगभग 600 से 950 गुना अधिक होता है। ऐसे में सुरक्षा कॉरिडोर में बने मकान और दुकान वहां रहने तथा काम करने वाले लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

साँड़ गवर्नर के चक्कर में कमर्शियल गाड़ियों को फिटनेस अटकी

परिवहन विभाग ने इंदौर, भोपाल और ग्वालियर के रीजनल ऑफिस में लगाए गए कैंप, 1,000 से ज्यादा गाड़ियों की जांच

एमपी के नये डीजीपी के लिये यूपीएससी कि बैठक आज



नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा

मुख्यमंत्री आवास से चंद मिनट की दूरी पर आदिवासी-दलित छात्रावास बना खंडहर

पहले भी उठाया था छात्रावास को बदहाली का मुद्दा



निकोल्स के शतक से न्यूजीलैंड ने बनाये पांच विकेट पर 243 रन

वैलिंगटन। हेनरी निकोल्स के शानदार शतक से मेजबान टीम न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 243 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय निकोल्स 113 रन और ग्लेन फिलिप्स 94 रनों पर खेल रहे थे। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 173 रन की लंबी साझेदारी हुई है जिससे टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। वहीं एक समय मेजबान टीम ने 70 रनों पर ही अपने पांच विकेट गंवा दिये थे। इसके बाद निकोल्स और फिलिप्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। नहीं इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसे गेंदबाजों ने सही साबित किया।

मेजबान टीम की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मैच की तीसरी ही गेंद पर कप्तान टॉम लैथम को बिना खाता खोले पवेलियन भेजकर करारा झटका दिया। इसके बाद युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और आकाश दीप ने भी एक-एक विकेट लेकर मेजबानों पर दबाव बना दिया। कंबोज ने डेवोन कॉनवे (4) को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। वहीं आकाश दीप ने रचिन रवींद्र (15) को पंत के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका दिया।



बुमराह ने इसके बाद डेरिल मिचेल (1) को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। इसके बाद उन्होंने टॉम ब्लंडेल (5) को शुभमन गिल के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को पांचवां झटका दिया। इस प्रकार 70 रनों पर ही आधी कीवी टीम पेवेलियन लौट गयी। भारतीय गेंदबाजों ने निकोल्स और फिलिप्स की जोड़ी को तोड़ने के पूरे प्रयास किये पर असफल रहे। भारत की ओर से बुमराह ने तीन विकेट जबकि अंशुल कंबोज और आकाश दीप ने एक-एक विकेट लिया।

खेल का आकर्षण निकोल्स की पारी रही

आज के खेल का आकर्षण निकोल्स की शतकीय पारी रही। यह पारी धैर्य और आक्रामकता का शानदार मिश्रण थी। उन्होंने 221 गेंदों का सामना करते हुए भारतीय गेंदबाजों के सामने बेहतरीन दृढ़ता दिखाई और एक छोर संभाले रखा। उनकी शतकीय पारी ने न्यूजीलैंड को तब जीवनदान दिया जब टीम मुश्किल में थी। उन्होंने फिलिप्स के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई, जिसने न्यूजीलैंड को दिन के अंत तक एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया और मैच का रुख पूरी तरह से बदल दिया।

ऋग्नान ने जीता अंडर-15 राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिताब, तनिष्का भी चैंपियन

फगवाड़ा । पश्चिम बंगाल के ऋग्नान चट्टोपाध्याय और कर्नाटक की तनिष्का कालभैरव ने तीसरी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अंडर-15 बालक और बालिका एकल के खिताब जीत लिए। गुरुवार को खेले गए फाइनल में शीर्ष वरीय ऋग्नान ने दो गेम पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए हमवतन और दूसरी वरीय हिमोन मंडल को 6-11, 9-11, 11-6, 11-4, 12-10 से हराया। वहीं, तनिष्का ने महाराष्ट्र की तीसरी वरीय मायरा सैंगलकर को 11-5, 11-7, 11-8 से शिकस्त दी।

ऋग्नान ने शुरुआती दो गेम गंवाने के बाद अगले दोनों गेम जीतकर मुकाबला बराबर किया। निर्णायक गेम में भी कड़ा संघर्ष हुआ, लेकिन उन्होंने 12-10 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। हिमोन के लगातार दो शॉट बाहर जाने से ऋग्नान की अहम अंक मिले।

बालिका वर्ग में तनिष्का ने शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने सीधे गेमों में जीत दर्ज की। इससे पहले सेमीफाइनल में तनिष्का ने असम की दिविजा पॉल को 3-2 से हराया था, जबकि मायरा ने पीएसपीबी अकादमी की आर्या रेडकर को 3-1 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई।

बालक वर्ग के सेमीफाइनल में ऋग्नान ने तमिलनाडु के जेएन संजय अरविंद को 3-0 और हिमोन ने महाराष्ट्र के अहान गोसर को 3-1 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में हिमोन ने उत्तर प्रदेश के लक्ष्य किमूर को दो गेम पिछड़ने के बाद 3-2 से हराया। ऋग्नान ने गुजरात के देव भट्ट को 3-1 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बालिका वर्ग के क्वार्टर फाइनल में तनिष्का ने हरियाणा की अवनि दुआ और मायरा ने गुजरात की दानिया गोदिल को 3-0 से हराया। दिविजा ने बंगाल की सतुयं बनर्जी को 3-1 से शिकस्त दी, जबकि आर्या रेडकर ने दो गेम पिछड़ने के बाद बंगाल की शारिका शाहिद को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

वैभव, हरमनप्रीत सहित नौ भारतीय खिलाड़ी टाइम मैगजीन की नैक्सट इंडिया सूची में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी सहित नौ भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन की नैक्सट इंडिया सूची में जगह मिली है। वैभव के अलावा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर, ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और मीराबाई चानू सहित कई खेल हस्तियों को इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया गया है। यह सूची उन 100 असाधारण व्यक्तित्वों को सम्मानित करती है, जो देश के भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। टाइम ने पहली बार भारत के लिए यह विशेष सूची जारी की है।

वैभव ने बेहद कम उम्र में क्रिकेट की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। साल 2025 में महज 14 साल की उम्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल में पदार्पण कर वह टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक जड़कर उन्होंने पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। जुलाई 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर वह भारत के सबसे युवा पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बने। इस सूची में हरमनप्रीत कौर को भी जगह मिली है। उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2023 और 2025 में महिला प्रीमियर लीग का खिताब जीता। नवंबर 2025 में उन्होंने भारतीय महिला टीम को पहली बार एकदिवसीय विश्व कप का चैंपियन बनाकर इतिहास रचा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी होने का गौरव भी उनके नाम है।

वेलिंगटन टेस्ट में डीआरएस पर उठे सवाल, शुभमन की अंपायर से हुई बहस

वेलिंगटन। भारत और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से यहां शुरू हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के एक फैसले पर पर विवाद हो गया। इससे एक बार फिर खेल में तकनीक के इस्तेमाल पर नई बहस शुरू हो गयी। इस मामले में विवाद इतना बढ़ा कि भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की मैदानी अंपायरों से तीखी बहस तक हो गयी। ये मामला तब सामने आया जब जसप्रीत बुमराह की एक गेंद पर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की तीसरे अंपायर ने ठुकरा दिया जिससे भारतीय खिलाड़ी हैरान रह गये। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों ने भी इस फैसले पर सवाल उठाये।

यह घटना न्यूजीलैंड की पहली पारी के 31वें ओवर में घटी। तब बुमराह की एक तेज़ी से अंदर आती हुई गेंद सीधे ही बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स के पैड से टकराई। गेंद की लाइन और लेंथ ऐसी थी कि भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों को पूरा भरोसा था कि यह साफ एलबीडब्ल्यू है। सभी ने मिलकर एक जोरदार अपील की पर मैदानी अंपायर ने इसे नकारते हुए बल्लेबाज को नॉटआउट करार दिया। गेंदबाज बुमराह और कप्तान शुभमन गिल दोनों को पूरा विश्वास था कि गेंद बल्ले को छुए बिना सीधे पैड पर लगी है। इसलिए शुभमन ने बिना किसी देरी के तुरंत डीआरएस (रिव्यू) लेने का फैसला किया।

टेलीविजन रीप्ले के दौरान जब स्निकोमीटर तकनीक का उपयोग किया गया, तो गेंद के बल्ले के बहुत करीब से गुजरते समय एक सूक्ष्म स्पाइक दिखाई दिया। हालांकि, फ्रंट-एंड कैमरे के विजुअल्स में गेंद और बल्ले के बीच कोई स्पष्ट संपर्क बिल्कुल भी नजर नहीं आ रहा था। यह एक क्लासिक ग्रे एरिया था जहां तकनीक स्थाता देने में असमर्थ दिख रही थी। काफी देर तक विश्लेषण होने और धीमी गति से देखने के बाद, तीसरे अंपायर ने माना कि गेंद में शायद हल्का डिफ्लेक्शन हुआ है, और उन्होंने मैदानी अंपायर के नॉटआउट के फैसले को ही बरकरार रखा। यह फैसला भारतीय टीम के लिए किसी झटके से कम नहीं था।

इस फैसले से पूरी तरह असंतुष्ट नजर आये शुभमन मैदानी अंपायर के पास पहुंचे और उनसे तकनीकी अस्पष्टता और इस तरह के फैसले के पीछे के तर्क पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की। भारत को इस विवादित फैसले के कारण अपना एक कीमती रिव्यू भी गंवाना पड़ा।

इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का कोई इरादा नहीं - आमिर



लंदन। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने उन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते हैं। हाल ही में उन्हें ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद यह संभावना जताई जा रही थी कि आमिर इंग्लैंड की जर्सी में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर सकते हैं, खासकर जब उन्होंने ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद एक स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर काउंटी क्रिकेट में वापसी की। हालांकि, आमिर ने अब खुद स्पष्ट कर दिया है कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है।

आमिर ने कहा, लोग इस बात को लेकर अटकलें लगा रहे हैं कि मैं इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलूंगा या नहीं। उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा, मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि मैंने खुद को एक स्थानीय काउंटी प्लेयर घोषित किया है, ना कि भविष्य में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए। क्योंकि अगर आप इंग्लैंड के लिए खेलना चाहते हैं तो उसकी प्रक्रिया अलग है। एक स्थानीय खिलाड़ी के लिए प्रक्रिया अलग है। उन्होंने यह भी बताया कि वह अब इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अंतर्गत आते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह से योग्य नहीं हैं। 34 वर्षीय इस क्रिकेटर की फिलहाल इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की कोई मंशा नहीं दिखती।

गौरतलब है आमिर ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उनका यह फैसला और ब्रिटिश नागरिकता के बाद काउंटी क्रिकेट में वापसी, दोनों ने मिलकर उनके भविष्य को लेकर चल रहे कयासों को हवा दी थी। क्रिकेट प्रेमियों में यह उत्सुकता थी कि कहीं आमिर इंग्लैंड की टीम में शामिल होकर एक नया अध्याय न शुरू कर दें, लेकिन उनके ताजा बयान ने इन सभी संभावनाओं पर विराम लगा दिया है।

आमिर का करियर हमेशा उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने मात्र 17 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और अपनी धारदार गेंदबाजी से विश्व क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई थी। लेकिन इसके एक साल बाद ही, वह स्पॉट फिक्सिंग स्कैंडल में दोषी पाए गए और उन पर क्रिकेट खेलने से पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया गया। 2016 में प्रतिबंध हटने के बाद, उन्होंने शानदार वापसी की और पाकिस्तान के लिए कुछ महत्वपूर्ण जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहली बार 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था, फिर मार्च 2024 में वापस आए, लेकिन उसी साल दिसंबर में उन्होंने दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। अब उनका पूरा ध्यान केवल काउंटी क्रिकेट में अपनी भूमिका पर केंद्रित है।

सिर में गेंद लगने से गंभीर रूप से घायल हुए ग्रीन

होबार्ट । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन वहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में सिर में गेंद लगने से गंभीर रूप से घायल हो गये।

ग्रीन को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की एक तेज बाउंसर सीधे हेलमेट पर लग गयी थी। ये गेंद इतनी तेज थी कि हेलमेट का ग्रिल तक टूट गया और ग्रीन के होंठ के आसपास के हिस्से से खून निकलने लगा, जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। इस मुकाबले में ग्रीन के घायल होकर बाहर होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई को 97 रनों से करारी हार भी झेलनी पड़ी।

यह हादसा ऑस्ट्रेलिया की पारी के 27वें ओवर की अंतिम गेंद पर हुई। गेंद लगते ही ग्रीन दर्द से कराहते हुए जमीन पर गिर पड़े। जिसके बाद उन्हें तत्काल मेडिकल स्टाफ की सहायता से मैदान से बाहर ले जाया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने क्रिकेट प्रशंसक ग्रीन को लेकर चिन्तित हो गये।

गौरतलब है कि सिर, चेहरे या गर्दन पर इस तरह की गंभीर चोट लगने के बाद आईसीसी के नियमों के तहत कन्कशन सब्स्टीट्यूट का प्रावधान है। इस नियम के तहत चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर उसी तरह के दूसरे खिलाड़ी को खेलने की अनुमति मिल जाती है। इसी नियम का पालन करते हुए ऑलराउंडर ओली पीक को ग्रीन की जगह पर उतारा गया। घटना के समय ग्रीन 11 गेंदों में मात्र 3 रन बनाकर खेल रहे थे और अपनी



पारी को आगे बढ़ा ही रहे थे कि यह हादसा हो गया।

इस मुकाबले की बात करें तो इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.3 ओवर में 328 रन बनाये। बेन डकेट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 115 गेंदों में 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 133 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उनके अलावा फिल जैक्स ने भी 48 गेंदों में 59 रन बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से जैक एडवर्ड्स ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए।

इसके बाद 329 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 46.5 ओवर में केवल 231 रनों पर ही सिमट गई। मैट रेंशॉ ने 6 चौकों की मदद से 55 रनों की सर्वाधिक पारी खेली, लेकिन उनके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज 50 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। इंग्लैंड के लिए सोनी बेकर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए, जबकि लियाँम डॉसन ने 3 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत पक्की की। इस तरह इंग्लैंड ने 97 रनों से मैच जीत लिया।

बुमराह सबसे अधिक विकेट लेने वाले शीर्ष 10 भारतीय गेंदबाजों में शामिल

वेलिंगटन । भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले ही दिन एक अहम उपलब्धि अपने नाम की। बुमराह मेजबान टीम के खिलाफ पहली पारी में तीन विकेट लेकर भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले शीर्ष 10 गेंदबाजों में शामिल हो गये। बुमराह ने इसी के साथ ही श्रीनाथ के 236 टेस्ट विकेटों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। अब उनके नाम 237 विकेट हो गये हैं। यह कीर्तिमान बुमराह ने अपनी पारी के 53वें टेस्ट मैच में हासिल किया है जबकि श्रीनाथ ने अपने 236 टेस्ट विकेटों के लिए 67 टेस्ट मैच खेले थे। बुमराह की यह उपलब्धि उन्हें भारत के सर्वकालिक महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में स्थापित करती है। बुमराह ने न्यूजीलैंड की पहली पारी के पहले ही ओवर की तीसरी गेंद पर कीवी कप्तान टॉम लैथम को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेजकर अपना पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद लंच से ठीक पहले उन्होंने बल्लेबाज डेरिल मिचेल को केवल एक रन के स्कोर पर आउट कर कीवी टीम को करारा झटका था। बुमराह ने इसके बाद मेजबान टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल को भी पांच रनों पर आउट कर दिया। इस विकेट के साथ ही बुमराह के टेस्ट करियर के 237 विकेट पूरे हो गए और वह शीर्ष दस की सूची में शामिल हो गए।

गौरतलब है कि बुमराह ने अपने करियर में अब तक 16 बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए हैं, जो उनकी मैच विजेता क्षमता को दिखाता है। वहीं भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने का सर्वकालिक रिकॉर्ड पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले (619 विकेट) के नाम है, जिनके बाद रविचंद्रन अश्विन (537 विकेट) और कपिल देव (434 विकेट) जैसे दिग्गज गेंदबाजों का स्थान आता है। यदि बुमराह वेलिंगटन टेस्ट की दूसरी पारी में नौ और विकेट ले पाते हैं तो वह यह भागवत चंद्रशेखर के 242 विकेट को पीछे छोड़कर नौवें स्थान पर पहुंच जाएंगे।

लैथम के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। लैथम इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद पर खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गये थे। , जिसके साथ ही लैथम टेस्ट क्रिकेट में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की सूची में पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बराबर पहुंच गए। यह 15 वीं बार है जब लैथम टेस्ट करियर में शून्य पर आउट हुए हैं।

वहीं सहवाग भी टेस्ट क्रिकेट में पारी शुरु करते हुए 15 बार बिना खाता खोले आउट हुए थे। इस अनचाहे रिकॉर्ड में लैथम अब सहवाग के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रेग ब्रैथवेट के नाम दर्ज है, जो अब तक 19 बार डक पर आउट हो चुके हैं। इस सूची में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक एथर्टन 17 डक के साथ दूसरे और श्रीलंका के मार्वन अटापट्टू 16 डक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वीरेंद्र सहवाग और टॉम लैथम 15-15 डक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर अपनी जगह बनाए हुए हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि सलामी बल्लेबाजों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में निरंतरता बनाए रखना कितना चुनौतीपूर्ण होता है।

सैंडपेपरगेट मामले से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मतभेद सामने आये-अश्विन

चेन्नई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि सैंडपेपरगेट मामले को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट दो भागों में बंटता नजर आ रहा है। इसमें कुछ लोग आरोप लगाने वाले पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ हैं। वहीं कई लोग उनके विरोध में हैं, बहरहाल इस पूरे मामले से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की छवि जरूर खराब हो रही है। ख्वाजा की हाल ही में रिलीज हुई किताब सब ने 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान हुए इस सैंडपेपरगेट विवाद को फिर से उजागर किया है। अश्विन ने इस पूरे प्रकरण और ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्यों के अलग-अलग बयानों पर अपनी राय रखी है। अश्विन ने कहा कि ख्वाजा ने अपनी किताब में अपनी बात स्पष्ट तरीके से बताई है। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे पर भी ध्यान दिलाया कि वह सामूहिक जवाबदेही मांग रहे हैं। ख्वाजा का कहना है कि इस घटना के बारे में केवल तीन लोग नहीं, बल्कि और भी लोग जानते थे।

अश्विन ने ऑस्ट्रेलियाई खेमे के भीतर के विरोधाभासी बयानों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने ख्वाजा के दावों को आधारहीन, बकवास और बिना सबूत वाला बताया। अश्विन ने कमिंस की एक क्रिकेटर के तौर पर प्रशंसा करते हुए भी इस बात पर जोर दिया। हालांकि, उन्होंने डेविड वॉर्नर के बयान को चिंता की बात करार दिया, क्योंकि वॉर्नर का बयान ख्वाजा के दावों का समर्थन करता है। वॉर्नर स्वयं 2018 की घटना में शामिल थे और उन पर प्रतिबंध भी लगा था।अश्विन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ द्वारा केस को दोबारा न खोलने वाले बयान को सही तरीका बताया। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इन अलग-अलग बयानों ने ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में पुरानी दरारों को फिर से हरा कर दिया है। उनके अनुसार, यह बात बिल्कुल साफ है कि इस मुद्दे पर विचारों और राय को लेकर ड्रेसिंग रूम में पहले भी मतभेद थे, और यह दरारें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। अश्विन के लिए यह स्थिति ज्यादा चिंता की बात है। गौरतलब है कि ख्वाजा ने अपनी किताब सब में दावा किया है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2018 के टेस्ट मैच के दौरान क्रिकेट बॉल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पोर्ट एलिजाबेथ में पिछले टेस्ट में भी टीम ने ऐसा ही किया था।ज्ञात हो कि 2018 के सैंडपेपरगेट मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने वाले कैमरन बैनक्रॉफ्ट और डेविड वॉर्नर को दोषी ठहराया गया था और उन पर कड़ी सजा लगाई गई थी।

धोनी के इन तीन रिकार्डों को शायद ही कोई बराबरी कर पाये

चेन्नई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स को अपनी कप्तानी में पांच बार खिताब जिताने वाले महेंद्र सिंह धोनी अब हालांकि मेंटर के तौर पर ही मैदान पर नजर आयेंगे पर उनके बनाये तीन रिकार्डों की बराबरी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगा। पहला रिकार्ड है आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा मैच खेलने का। धोनी एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने 200 से अधिक आईपीएल मैचों में कप्तानी की है। उन्होंने कुल 235 मुकाबलों में टीम की अगुवाई की, जिसमें से 136 में जीत हासिल की और 97 में हार का सामना करना पड़ा। वहीं दो मैचों का कोई परिणाम नहीं निकला। उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने रिकॉर्ड पांच बार आईपीएल का खिताब जीता। मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम भी पांच बार आईपीएल खिताब जीतने का रिकार्ड है पर अब वह कप्तान नहीं हैं। ऐसे में उनके लिये धोनी का रिकार्ड तोड़ना संभव नहीं है। इसके अलावा और कोई भी कप्तान मुकाबले में नहीं है। वहीं धोनी के नाम दूसरे विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा शिकार का है। धोनी ने आईपीएल में कुल 201 शिकार किए हैं, जिनमें 154 कैच और 47 स्टंपिंग शामिल हैं। वह एकमात्र विकेटकीपर हैं जिन्होंने 200 से अधिक शिकार किए हैं। वहीं दिनेश कार्तिक और ऋद्धिमान साहा जैसे अनुभवी विकेटकीपर संन्यास ले चुके हैं, जबकि ऋषभ पंत ने अभी तक कुल 111 शिकार ही किए हैं। इस आंकड़े को पार कर पाना किसी भी विकेटकीपर के लिए बेहद मुश्किल लगता है, खासकर जब खेल की गति और खिलाड़ियों के लगातार बदलते समीकरण को देखा जाए। तीसरा रिकॉर्ड कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा आईपीएल फाइनल खेलने का है। धोनी ने अपनी टीम को रिकॉर्ड 10 बार फाइनल में पहुंचाया और इनमें से पांच बार ट्रॉफी भी जीती हैं। इस तीनों कीर्तिमानों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में एक ऐसी विरासत छोड़ी है, जिसकी बराबरी करना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।

आईपीएल से पहले घरेलू क्रिकेट पर ध्यान दें युवा – रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने में युवा खिलाड़ियों से कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पीछे भागने की जगह पर उन्हें पहले अपने राज्य के घरेलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। रैना के अनुसार, मेरे करियर का सबसे यादगार पल कोई आईपीएल खिताब या धमाकेदार टी20 पारी नहीं, बल्कि 2005-06 में उत्तर प्रदेश को पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतना रहा है।

इसी अनुभव के आधार पर, रैना युवा प्रतिभाओं को सलाह देते हैं कि वे अपनी नींव मजबूत करें। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे लखनऊ में स्टेट रोडवेज की बसों से फिट बैंग लेकर सफर करते हुए एक मोहल्ले की महिला ने उनसे पूछ लिया था, बेटा, इस बैग में क्या बेच रहे हो ? साड़ी है क्या ? यह बात उन्हें इतनी चुभ गई कि उन्होंने उसी क्षण संकल्प लिया कि एक दिन वे भारतीय टीम की जर्सी पहनकर उसी मोहल्ले में लौटेंगे। रैना ने अपना यह वादा पूरा किया। अंडर-19 क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद जब वे उसी इलाके में लौटे, तो वही महिला उनके साथ तस्वीर खिंचवाना चाहती थी। रैना के लिए यह केवल पहचान मिलने का क्षण नहीं था, बल्कि उस दृढ़ संकल्प और संघर्ष का जवाब भी था, जिसे उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में अनुभव किया था। रैना का मानना है कि फॅंचाइजी क्रिकेट का आकर्षण युवा खिलाड़ियों को उनके मूल लक्ष्यों से भटका सकता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की मौजूदा टीम के खिलाड़ियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका पहला लक्ष्य सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतना होना चाहिए, आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट की चिंता उसके बाद करें। अपने कप्तानी के दिनों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि 2016 में जब उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती, तो उसके बाद गुजरात लायंस के कप्तान के तौर पर वे उत्तर प्रदेश के आठ से दस खिलाड़ियों को अपनी टीम में ले गए थे। रैना ने जोर देकर कहा कि टीम उनकी थी, लेकिन उसमें खेलने वाले सभी खिलाड़ी उत्तर प्रदेश के थे, जो राज्य की प्रतिभा की दर्शाता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने उत्तर प्रदेश में चार से छह घरेलू टीमें बनाने की भी वकालत की है।

हट्ठा एवं लिंगा सेक्टर की समीक्षा बैठक में कम प्रगति वाले केंद्रों पर जताई नाराजगी, नियमित निरीक्षण और पोषण सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश

आंगनवाड़ी केंद्रों की सेवाओं में सात दिन के भीतर सुधार लाएं - एसडीएम सोनी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं एवं आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित सेवाओं की प्रगति सुधारने के लिए गुरुवार को हट्ठा सेक्टर के ग्राम लोहारा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बालाघाट ग्रामीण परियोजना के हट्ठा एवं लिंगा सेक्टर की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यों की समीक्षा की गई। एसडीएम ने कम प्रगति वाले केंद्रों की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए आगामी सात दिवस में सुधार लाने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि 16 नवंबर को आयोजित खंड स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक में बालाघाट ग्रामीण परियोजना के सभी आठ सेक्टरों की प्रगति की समीक्षा की गई थी। इसमें हट्ठा एवं लिंगा सेक्टर की स्थिति कई महत्वपूर्ण मापदंडों पर परियोजना के औसत से कम पाई गई थी। इसी के मद्देनजर एसडीएम श्री सोनी ने दोनों सेक्टरों की कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की।

पोषण आहार एवं प्री-स्कूल शिक्षा की स्थिति कमजोर

अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के आधार पर केंद्रवार समीक्षा की गई। हट्ठा सेक्टर के लोहारा, हट्ठा-1, हट्ठा-4, तिवड़ीकला, खैरगांव-1, खैरगांव-2, परासपानी, गोंडीटोला परासपानी एवं कोडपाटोला में नवंबर माह के दौरान किसी भी हितग्राही को सात दिन का टेक होम राशन वितरण दर्ज नहीं पाया गया। वहीं पवार टोला गड्ढदा में एक दिन का भी वितरण दर्ज नहीं था। प्री-स्कूल शिक्षा में लोहारा, गड्ढदा, रतनारा एवं केशलेवाड़ा-2 में अक्टूबर माह के दौरान 21 दिन की उपस्थिति शून्य रही। परासपानी में यह केवल 8 प्रतिशत और केशलेवाड़ा-1 में 25 प्रतिशत दर्ज की गई। बच्चों के वजन एवं ऊंचाई मापन में हट्ठा-3, तिवड़ीकला, हट्ठा-1 एवं खोड़सिवनी टोला की प्रगति भी कम पाई गई। इसके अलावा गृह भेंट, गर्भवती महिलाओं की प्रथम एवं द्वितीय एएनसी जांच, बच्चों की, क्रक्र द्रुह, स्नक्र तथा हितग्राहियों के समग्र सत्यापन की भी समीक्षा की गई। खोड़सिवनी टोला में गर्भवती महिलाओं की प्रथम एएनसी शून्य पाई गई, जबकि नाहरवानी में द्वितीय एएनसी केवल 30 प्रतिशत रही। पूरे सेक्टर में बच्चों का समग्र सत्यापन मात्र 38 प्रतिशत पाया गया। गोंडीटोला परासपानी एवं खोड़सिवनी टोला में सत्यापन का कार्य शून्य था।



अनुसार परियोजना में 81.30 प्रतिशत बच्चों को कम से कम 21 दिन गर्म पका भोजन उपलब्ध कराया गया, जबकि हट्ठा में यह उपलब्धि 64.98 प्रतिशत और लिंगा में 70.05 प्रतिशत रही। कम से कम 25 दिन भोजन प्राप्त करने वाले बच्चों का प्रतिशत हट्ठा में 31.11 और लिंगा में 42.86 रहा, जबकि परियोजना का औसत 56.44 प्रतिशत है। इसी तरह टेक होम राशन (ज्ञ.क्रे) वितरण में भी अपेक्षित प्रगति नहीं पाई गई। हट्ठा सेक्टर में कम से कम 25 दिन राशन वितरण का प्रतिशत 47.44 रहा, जबकि परियोजना का औसत 63.79 प्रतिशत है। संपर्क ऐप पर राशन पैकेट प्राप्ति की प्रविष्टि लिंगा के केवल 44 प्रतिशत और हट्ठा के 67.86 प्रतिशत केंद्रों द्वारा की गई।

प्री-स्कूल शिक्षा के अंतर्गत कम से कम 21 दिन बच्चों की उपस्थिति लिंगा में 58.07 प्रतिशत और हट्ठा में 63.21 प्रतिशत रही, जबकि परियोजना का औसत 71.44 प्रतिशत है। कुपोषण की स्थिति की समीक्षा में लिंगा में गंभीर कुपोषित (क्रू) बच्चों का प्रतिशत 3.63 और हट्ठा में 2.75 पाया गया, जबकि परियोजना का औसत 2.30 प्रतिशत है।

कम प्रगति वाले आंगनवाड़ी केंद्रों में सुधार के निर्देश

बैठक में पोषण ट्रैकर के आंकड़ों के कि गर्म पका भोजन एवं टेक होम राशन का नियमित वितरण सुनिश्चित करें। पोषण ट्रैकर एवं संपर्क ऐप पर सभी आवश्यक जानकारियां समय पर दर्ज करें। प्री-स्कूल शिक्षा में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के साथ उनका नियमित वजन एवं ऊंचाई मापन, गृह भेंट तथा गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने क्रक्र द्रुह, स्नक्र एवं समग्र सत्यापन के लंबित कार्यों को भी निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। सेक्टर पर्यवेक्षकों को अपने क्षेत्र के कम प्रगति वाले आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा कार्यकर्ताओं को आवश्यक मार्गदर्शन देकर योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार लाने को कहा। एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी सात दिवस में कार्यों की प्रगति में अपेक्षित सुधार दिखाई देना चाहिए। निर्धारित समय-सीमा में सुधार नहीं होने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी शैलेंद्र कुमार चौकसे, सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती मोहिनी मिश्रा एवं श्रीमती पुस्तकला वासनिक तथा हट्ठा एवं लिंगा सेक्टर की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

सात दिन में सुधार नहीं तो होगी कार्रवाई

एसडीएम गोपाल सोनी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए

रिटायरमेंट से पहले 'अपनों' को सियासत में एडजस्ट करने की कवायद, दिल्ली में सक्रिय हुए मलैया

नई दिल्ली/भोपाल। मप्र में जब से भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल सिंह विसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल बनाया गया है, कई नेताओं को उम्मीद जग गई है, पार्टी उनकी अब तक की सेवाओं पर उन्हें या उनके परिजनों को भी (राज्यपाल, विधानसभा-लोकसभा) का इनाम दे सकती है। इसी आस से मप्र के पूर्व मंत्री और विधायक जयंत मलैया इन दिनों दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। सूत्रों का कहना है, मलैया की कोशिश है, सियासी रिटायरमेंट से पहले वे 'अपनों' को राजनीति में एडजस्ट करवा दें। इसी मंशा से वे अपनी पत्नी सुधा मलैया को किसी राज्य का राज्यपाल बनाना चाहते हैं। साथ ही उनकी कोशिश है, 2028 के विधानसभा चुनाव में पार्टी उनकी जगह उनके पुत्र सिद्धार्थ मलैया को टिकट दिया जाए।

जयंत मलैया 1990 से दमोह विधानसभा क्षेत्र के सदस्य रहे हैं, 2018 के चुनाव में हार गए थे। 2023 के चुनाव में निर्वाचित हुए। उनके करीबियों का कहना है, पार्टी ने उन्हें संकेत दिया है, 2028 में उनको टिकट नहीं मिलेगा। इसलिए उन्होंने अपनी राजनीतिक विरासत अपनी पत्नी और पुत्र को दिलाने की कोशिश शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है, उन्होंने दिल्ली दरबार में कोशिश शुरू कर दी है। उनकी प्रथम प्राथमिकता सुधा मलैया को राज्यपाल बनवाने की है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा संगठन के सामने अपनी मंशा रखकर प्रयास शुरू कर दिये हैं।

सुधा के नाम पर संगठन की कोई रूचि नही

सुधा मलैया 1977 से राजनीति में सक्रिय हैं। 1990 से 93 तक वे भाजपा महिला मोर्चा में प्रदेश महामंत्री, 1993 से 98 तक प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश प्रवक्ता, राष्ट्रीय सचिव जैसे पदों पर रह चुकी हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का दावा है, सुधा मलैया को किसी भी पद पर बैठाने के लिए संगठन तैयार नहीं है। इसके पीछे उनकी आक्रमक छवि है। सुधा मलैया के खिलाफ संगठन के पास आर्थिक अनियमितता और उनके व्यवहार को लेकर कई शिकायतें हैं। ऐसे में पार्टी भविष्य को देखते हुए कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहेगी, जिससे वह विपक्ष के निशाने पर आ जाए। सूत्रों का दावा है कि अगर जयंत मलैया तैयार होंगे, तो संघ और संगठन उन्हें राज्यपाल बनाने पर विचार कर सकता है। सुधा मलैया और सिद्धार्थ को लेकर पार्टी में अच्छी राय नहीं है। दमोह में साल 2021 में हुए उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह की हार हो गई थी।

धान कटाई के दौरान खेत में धू.धू कर जला हार्वेस्टर, किसान को लाखों का नुकसान

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंके निवासी एक किसान के खेत में धान कटाई के दौरान अचानक हार्वेस्टर में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा हार्वेस्टर जलकर राख हो गया। इस घटना में किसान को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान होने की बात सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम डोंके निवासी रामप्रसाद बिसेन खेती किसानी के साथ हार्वेस्टर संचालन का कार्य भी करते हैं। गुरुवार को वे अपने खेत में लगी धान की फसल की कटाई अपने चैन वाला हार्वेस्टर से कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 3 बजे अचानक हार्वेस्टर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हार्वेस्टर में आग लगते देख



रामप्रसाद बिसेन ने शोर मचाकर आसपास के किसानों को मदद के लिए बुलाया। इसके बाद ग्रामीणों और किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं तत्काल नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया लेकिन तब तक आग पूरे हार्वेस्टर को अपनी चपेट में ले चुकी थी। काफ ी प्रयासों के बावजूद हार्वेस्टर को जलने से नहीं बचाया जा सका। इस अग्निकांड में पूरा हार्वेस्टर जलकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया जिससे किसान को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। फिलहाल हार्वेस्टर में आग लगने का कारण अज्ञात बताया जा रहा है।

सांदीपनि विद्यालयों में बस परिवहन की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

निविदाकारों से बस संचालन की दरें एवं लिखित सहमति लेकर तुलनात्मक जानकारी तैयार करने के निर्देश

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले के सांदीपनि विद्यालयों में अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राओं को बस परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में गुरुवार को कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवीन निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने तक विद्यार्थियों के आवागमन के लिए बस परिवहन की वैकल्पिक व्यवस्था पर चर्चा की गई।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास देवेंद्र सुन्दियाल, जिला परिवहन अधिकारी देवेश बाथम, थाना प्रभारी वातायात श्रीमती वीना राहंगडाले, विकासखंड शिक्षा



अधिकारी श्रीमती मोनिका पटेल सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं जिले के समस्त सांदीपनि विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

बैठक में लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशों के अनुरूप बस परिवहन की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इसके लिए सर्वप्रथम निकटवर्ती संभाग एवं जिलों में पहले से बस परिवहन सुविधा संचालित कर रहे सफल एवं न्यूनतम दर वाले निविदाकारों को प्राथमिकता दी जाएगी। संबंधित निविदाकारों की दरों एवं सेवाओं का परीक्षण अधिकृत समिति द्वारा किया जाएगा। इसके बाद निर्धारित मापदंडों के अनुरूप बस संचालन के लिए अनुशंसा लोक शिक्षण संचालनालय को भेजी जाएगी। संचालनालय से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद ही संबंधित निविदाकार को कार्य सौंपा जा सकेगा। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में जबलपुर संभाग के कटनी जिले के साथ शहडोल एवं बैतूल जिले में सांदीपनि विद्यालयों के लिए बस परिवहन सुविधा संचालित है। कलेक्टर आदित्य सिंह ने निर्देश दिए कि जिन जिलों में वर्तमान में बस परिवहन सुविधा संचालित है, वहां के संबंधित निविदाकारों से बस संचालन की दरें एवं लिखित सहमति प्राप्त की जाए। इसके अतिरिक्त अन्य संभागों के निकटवर्ती जिलों में बस सुविधा उपलब्ध करा रहे निविदाकारों से भी दरें एवं सहमति प्राप्त की जाए। उन्होंने सभी निविदाकारों से प्राप्त दरों एवं सहमति का संकलन कर तुलनात्मक विवरण तैयार करने और इसे आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके आधार पर जिले में सांदीपनि विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए बस परिवहन की उचित एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए वैकल्पिक बस परिवहन व्यवस्था से संबंधित सभी प्रक्रियाएं निर्धारित मापदंडों के अनुसार समय-सीमा में पूर्ण की जाएं।

शासकीय महाविद्यालय हट्ठा में मनाया गया जनजाति गौरव दिवस

पदमेश न्यूज। हट्ठा। उच्च शिक्षा मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 14 नवंबर से 16 नवंबर 2026 तक जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी की गौरव गाथा देश के प्रति जनजातीय नायकों के योगदान विषय पर सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अंशुल मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम प्रभारी प्राचार्य तथा समस्त शिक्षकों के द्वारा मां सरस्वती व जननायक बिरसा मुंडा जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती सरूपा मरकाम ने भगवान बिरसा मुंडा जी की गौरव गाथा तथा देश के प्रति जनजातीय नायकों के योगदान विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रतियोगिताओं में चित्रकला, निबन्ध व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें तृतीय वर्ष के छात्र विजय बावनकर ने चित्रकला में व निबंध प्रतियोगिता में प्रेरणा वराडे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा रंगोली प्रतियोगिता में तृतीय वर्ष के छात्रा मोनिका बुरडे ,श्रद्धा बाकरे , शिल्पू गौतम, उर्वशी , तथा सोनिया मातरे द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लिया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य,संगीत व भाषण का आयोजन किया गया। नृत्य में शोभा, वैष्णवी ,अंजलि मेश्राम तथा आशीष जामरे की शानदार प्रस्तुति रही। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक श्री राकेश रंगारे द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जी के ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष और उनके ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य अंशुल मेश्राम द्वारा अपने उद्बोधन में भगवान बिरसा मुंडा जी की जीवनी तथा महत्व को बताते हुए कार्यक्रम के सफल संचालन।



हादसे का बहाना बनाकर बुजुर्ग दंपति से 69 हजार के गहने ठगे

पदमेश न्यूज। गोंदिया। सड़क पर हादसे का बहाना बनाकर दो अज्ञात आरोपियों ने बुजुर्ग दंपति को बातचीत में उलझाया और बड़ी चालाकी से उनके सोने के आभूषणों की अदला-बदली कर असली गहने लेकर फरार हो गए, दिनदहाड़े हुई इस वारदात में आरोपियों ने करीब 69 हजार रु. के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया, घटना 18 नवंबर को सुखदेवटोली-एमआईडीसी मार्ग पर हुई,

जानकारी के अनुसार, ग्राम बिरसी निवासी डा. सुदेश रामकुमार चौरसिया (68) अपनी पत्नी के साथ दोपहिया वाहन से बिरसी से गोंदिया की ओर जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में दो अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया, आरोपियों ने दुर्घटना होने की बात कहकर दंपति से बातचीत शुरू की और उन्हें अपनी बातों में उलझा लिया, बातचीत के दौरान आरोपियों ने चालाकी से फिर्यादी की सोने की अंगूठी और उनकी पत्नी के गले में पहने सोने के मंगलसूत्र की अदला-बदली कर दी, इसके बाद दोनों असली आभूषण लेकर वहां से फरार हो गए, कुछ देर बाद दंपति को गहनों की अदला-बदली का पता चला, तब तक आरोपी काफी दूर निकल चुके थे, ठगी किए गए आभूषणों में 64 हजार रु. कीमत का सोने का मंगलसूत्र और 5 हजार रु. की सोने की अंगूठी शामिल है, मुख्य मार्ग पर बुजुर्ग दंपति को निशाना बनाकर की गई इस वारदात से क्षेत्र में चिंता का माहौल है.

नर्सिंग के 80:20 लिंग अनुपात नीति के खिलाफ एल्गार

पदमेश न्यूज। गोंदिया। नर्सिंग क्षेत्र के विद्यार्थियों और अधिपरिचारिकाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली कथित अन्यायपूर्ण 80:20 लिंग अनुपात नीति के खिलाफ मंगलवार को गोंदिया में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया. राष्ट्रीय मूलनिवासी बहुजन कर्मचारी संघ, स्वास्थ्य विभाग गोंदिया के नेतृत्व में दोपहर 2 बजे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय व अस्पताल परिसर में सैकड़ों नर्सिंग विद्यार्थियों और अधिपरिचारिकाओं ने एकत्र होकर नीति के विरोध में नारेबाजी की.

आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि नर्सिंग पाठ्यक्रम के पैटर्न में किए गए बदलाव और 80:20 लिंग अनुपात नीति के कारण विद्यार्थियों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि अन्यायपूर्ण नीतियों के विरोध में है. प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों की आवाज दबाने की प्रयास किए जाने पर लोकतांत्रिक तरीके से और अधिक तीव्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी गई. आंदोलनकारियों ने 80:20 लिंग अनुपात नीति तत्काल रद्द करने, नर्सिंग पाठ्यक्रम का पैटर्न न्यायसंगत व संतुलित बनाने, विद्यार्थियों को समान अवसर और न्याय प्रदान करने तथा भविष्य में ऐसे निर्णय लेते समय विद्यार्थियों, कर्मचारियों और संबंधित संगठनों को विश्वास में लेने की मांग की. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अब चुप बैठने का समय नहीं है, बल्कि संगठित होकर अपने न्यायपूर्ण अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने की जरूरत है. अपने अधिकार, सम्मान और आने वाली पीढ़ी के भविष्य की रक्षा के लिए नर्सिंग विद्यार्थी व अधिपरिचारिकाएं बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल हुईं.

चिंगी परिसर में बाघ की दहशत

पदमेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी के तहसील के चिंगी परिसर में पिछले करीब 15 दिनों से बाघ की लगातार मौजूदगी के चलते ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. गोसावी कोकणा, चाना कोडका, खोबा, परसोडी और चिंगी गांवों के आसपास दिन और रात बाघ दिखाई देने की जानकारी ग्रामीणों ने दी है. बाघ की आवाजाही से खेती-किसानी के काम प्रभावित हो रहे हैं. कई किसानों ने डर के कारण खेतों में जाना भी बंद कर दिया है.

यह क्षेत्र नवेगांवबांध वनप्रक्षेत्र कार्यालय के अंतर्गत आता है. सड़क अर्जुनी तहसील के दोनों ओर राष्ट्रीय अभयारण्य होने से यहां वन्यजीवों की आवाजाही बनी रहती है. हालांकि, पिछले कुछ दिनों से चिंगी परिसर में बाघ का लगातार दिखाई देना ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बन गया है. ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और बाघ की गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए तत्काल उपाय करने की मांग की है. इस बीच, वन विभाग के कर्मचारियों के बीच चर्चा है कि सरकारी वाहनों के लिए डीजल का पर्याप्त अनुदान उपलब्ध नहीं होने से रात के समय गश्त करने में कठिनाई आती है. ग्रामीणों ने चरिष्ठ अधिकारियों से इस समस्या पर ध्यान देकर आवश्यक व्यवस्था करने की मांग की है.

समूह में खेतों में जाने की सलाह

वनक्षेत्र सहायक मनोहर भजे ने नागरिकों से अपील की है कि वे दिन और रात के समय समूह में ही बाहर निकलें तथा अकेले खेतों में न जाएं, खेतों में जाते समय हाथ में लाठी और टॉर्च रखें. उन्होंने बताया कि वन कर्मचारियों की ओर से रात में गश्त की जा रही है. परिसर में कहीं भी बाघ दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग के कर्मचारियों को सूचना दें.

मनोहर भजे, वनक्षेत्र सहायक, नवेगांवबांध

जिले के विकास पर कलेक्टर ने की सांसद एवं विधायकों से चर्चा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर आदित्य सिंह ने 19 नवंबर को बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी, लांजी विधायक राजकुमार करहे, वारासिवनी विधायक विवेक विक्की पटेल के साथ बैठक कर क्षेत्रीय समस्याओं एवं विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार एवं नगर पालिका बालाघाट के उपाध्यक्ष योगेश विसेन भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जनहित से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए क्षेत्र की प्राथमिक जरूरतों, विकास कार्यों की स्थिति और उन्हें गति देने के उपायों पर विचार किया गया। इसके अलावा किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके निराकरण के लिए जरूरी पहल करने पर भी चर्चा हुई।



1.80 लाख रु. का माल उड़ाया

पदमेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत वार्ड क्र. 3 निवासी फिर्यादी नरेश अशोककुमार उपाध्याय (44) के काली मंदिर के आगे स्थित श्री गजानन राईस मिल का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने 80 हजार रु. नकद व 1 लाख रु. कीमत की सोने की अंगूठी ऐसा कुल 1 लाख 80 हजार रु. का माल चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक डाबरेय कर रहे हैं.

शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर पिता को पीटा

पदमेश न्यूज। गोंदिया। शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर बेटे द्वारा अपने ही पिता के साथ मारपीट करने की घटना अर्जुनी मोरगांव तहसील के मांडोखाल टोला में सामने आई है. आरोपी बेटे ने पिता को थप्पड़-मुक्कों से पीटने के बाद आंगन में पड़ी लकड़ी से हमला कर घायल कर दिया.जानकारी के अनुसार, मांडोखाल टोला निवासी फिर्यादी पिता मधुकर ब्रह्मदास दहीवले (60) घर पर था. इसी दौरान उसका लड़का दयानंद मधुकर दहीवले (35) शराब पीकर घर पहुंचा और पिता से शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा. पिता ने उसे कहा कि वह अपनी मजदूरी के पैसे शराब पर खर्च करता है और घर में एक पैसा भी नहीं देता. इसी बात पर आरोपी गुस्से में आ गया और पिता को गाली देते हुए थप्पड़-मुक्कों से मारपीट करने लगा. इसके बाद आरोपी ने आंगन में पड़ी लकड़ी से पिता की दाईं भौंह के ऊपर और माथे पर वार कर उन्हें घायल कर दिया. साथ ही दीवारा मारपीट करने की धमकी भी दी. फिर्यादी की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बंजारा कर रहे हैं.

बालाघाट
शुक्रवार 20 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

बूढ़ी मार्ग चौड़ीकरण की तैयारी में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, ठेले और अस्थायी दुकानें हटाई

भटेरा ओवरब्रिज निर्माण के चलते बदली यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने नगर पालिका,प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, बैहर चौकी मार्ग पर अब भी भारी वाहनों से लग रहा जाम

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के चलते शहर की यातायात व्यवस्था पर लगातार बढ़ रहे दबाव को कम करने के लिए नगर पालिका ने बूढ़ी मार्ग के चौड़ीकरण की दिशा में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। 19 नवंबर को सुबह 11 बजे स्थानीय अवंतीबाई चौक से शुरू हुई इस कार्रवाई में नगर पालिका, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने सड़क के दोनों ओर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए। इस दौरान सड़क किनारे लगाए गए ठेले, छोटी दुकानें और अन्य अस्थायी व्यावसायिक गतिविधियों को हटाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई को ओवरब्रिज निर्माण के कारण बदले गए यातायात मार्ग पर जाम की समस्या कम करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

नगर पालिका कर्मचारियों से अनौपचारिक चर्चा में सामने आया कि भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य जारी होने के कारण यातायात को वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जा रहा है। इसके चलते बूढ़ी मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है और लगातार जाम की स्थिति बन रही है। ऐसे में मार्ग के दोनों ओर मौजूद अतिक्रमण को हटाकर सड़क को आवागमन के लिए अधिक सुगम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि सड़क की उपलब्ध चौड़ाई का बेहतर उपयोग हो और वाहनों की आवाजाही में अनावश्यक बाधा न आए। हालांकि बूढ़ी मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बीच बैहर चौकी की ओर यातायात व्यवस्था अब भी चुनौती बनी हुई है। यहां से भारी वाहनों की आवाजाही जारी रहने के कारण प्रतिदिन जाम जैसी स्थिति निर्मित हो रही है। चौती रात भी एक भारी हार्वेस्टर परिवर्तित मार्ग पर बैहर चौकी की गली में फंस गया। वाहन के फंसते ही मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।



स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि जब ओवरब्रिज निर्माण के चलते यातायात का मार्ग बदला गया है, तो भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लग पा रही है। वहीं, वैकल्पिक मार्ग पर पक्की सड़क और डामरीकरण का काम भी अब तक शुरू नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में जिला प्रशासन स्तर पर बैठकें तो हुई हैं, लेकिन सड़क निर्माण को लेकर अभी धरातल पर काम शुरू होने की स्थिति स्पष्ट नहीं है। मार्ग की मौजूदा हालत और भारी वाहनों के दबाव के कारण यातायात संचालन में परेशानी बनी हुई है। दूसरी ओर भटेरा क्षेत्र में भू-अर्जन और मुआवजे को लेकर प्रभावितों का अनिश्चितकालीन धरना भी जारी है। ऐसे में ओवरब्रिज निर्माण, मुआवजा विवाद और वैकल्पिक यातायात मार्ग की समस्याएं एक साथ शहर की व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। इस पूरे मामले को लेकर यातायात थाना प्रभारी योगेंद्र मडावी ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि भारी वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए यातायात पुलिस आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि मार्ग पर हाइट गेज लगाए जाएंगे, ताकि निर्धारित ऊंचाई से अधिक वाले भारी वाहन इस रास्ते में प्रवेश न कर सकें। यातायात थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि मार्ग पर पुलिस पॉइंट लगाए गए हैं और यातायात व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की प्राथमिकता स्थानीय नागरिकों को सुगम और सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराना है। फिलहाल बूढ़ी मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद यातायात व्यवस्था में कितना सुधार आता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। लेकिन केवल अतिक्रमण हटाने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं दिखता। जब तक वैकल्पिक मार्ग पर सड़क की स्थिति सुधारी नहीं जाती और भारी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित नहीं होती, तब तक जाम से राहत मिलना मुश्किल है। ऐसे में प्रशासन के सामने अब चुनौती है कि वह अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ सड़क निर्माण और यातायात नियंत्रण की व्यवस्था भी समय रहते सुनिश्चित करे।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद निगरानी का अभाव

शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए नगर पालिका द्वारा समय-समय पर अभियान चलाया जाता है, लेकिन कार्रवाई के बाद संबंधित स्थानों की निगरानी नहीं होने से समस्या दोबारा खड़ी हो जाती है। पूर्व में ट्रामा सेंटर के सामने और अंबेडकर चौक से अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन कुछ ही दिनों में वहां फिर ठेले और अस्थायी दुकानें लगने लगीं। अब नगर पालिका कार्यालय के सामने भी यही स्थिति दिखाई देने लगी है। जिन स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ती है, वहां दोबारा कब्जे होने से अभियान की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, अतिक्रमण हटाने के बाद जिम्मेदार अमले द्वारा नियमित निगरानी नहीं किए जाने और दोबारा कब्जा करने वालों के विरुद्ध सख्ती नहीं बरतने से ऐसे हालात बन रहे हैं। नगर पालिका को आवश्यकता है कि कार्रवाई के बाद भी संबंधित स्थानों पर नजर रखी जाए और दोबारा अतिक्रमण करने वालों को नियमानुसार रोका जाए। अन्यथा हर बार अभियान चलाने के बावजूद शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण से मुक्त रखना मुश्किल होगा।

महाराष्ट्र एसटी बस और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार भिड़ंत-महिला गंभीर रूप से घायल

पति को आई मामूली चोट, प्राथमिक उपचार के बाद महिला जिला अस्पताल बालाघाट रेफर, स्कूल टोली के पास स्पीड ब्रेकर नहीं होने से हादसों का खतरा





पदमेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के बालाघाट तुमसर हाईवे पर गुरुवार की सुबह करीब 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नवेगांव खं स्कूल टोली के पास महाराष्ट्र राज्य परिवहन की बस और मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार महिला सत्यभामा उइके 55 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गईं जबकि उनके पति ईश्वर उइके को हल्की चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

तेरहवीं कार्यक्रम से लौट रहे थे दंपती

प्राप्त जानकारी के अनुसार फोगलटोला निवासी ईश्वर उइके अपनी पत्नी सत्यभामा उइके के साथ मोटरसाइकिल से अपनी बेटी के गांव डोंगरिया गए हुए थे। वहां तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने के बाद 19 नवंबर को सुबह 9:00 बजे दोनों पति-पत्नी मोटरसाइकिल से अपने गांव फोगलटोला वापस लौट रहे थे। इसी दौरान तुमसर से बालाघाट की ओर जा रही महाराष्ट्र एसटी की तिरोड़ा बस क्रमांक एम एच 40 टी 5896 और उनकी मोटरसाइकिल क्रमांक एम पी 50 एच ई 7096 के बीच नवेगांव खं स्कूल टोली के पास जोरदार भिड़ंत हो गई।

महिला के सिर में आई गंभीर चोट

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार सत्यभामा उइके सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके सिर में गंभीर चोट आई, वहीं उनके पति ईश्वर उइके को भी चोटें पहुंचीं। घटना की जानकारी मिलते ही डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए खैरलांजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। सत्यभामा उइके की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया।

स्पीड ब्रेकर नहीं होने से हादसों का खतरा

घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने स्कूल टोली के पास सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। ग्रामीणों के अनुसार, इस स्थान पर गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) नहीं होने के कारण वाहन तेज रफ्तार से गुजरते हैं। जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस स्थान पर आवश्यक सड़क सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

ग्रामीणों ने की सड़क सुरक्षा के इंतजाम की मांग

स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से स्कूल टोली के पास जल्द से जल्द गति अवरोधक लगाने, सड़क पर आवश्यक चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाने तथा वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। ऐसे में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। फिलहाल हादसे में घायल महिला का जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार जारी है।







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पदमेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट